RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 18
नई दिल्ली, रविवार, 22 नवंबर, 2020
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

भारतीय कहानियों का पुनर्जन्म
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

पाक को चेतावनी, राजनयिक को तलब कर दर्ज कराया कड़ा विरोध

- आतंकवाद को समर्थन देना बंद करे इस्लामाबाद, पुलवामा जैसी घटनाओं के लिए जैश जिम्मेदार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नगरोटा मुठभेड़ के बाद भारत तल्ख

जम्मू कश्मीर के नगरोटा में आतंकियों से मुठभेड़ के बाद घटनास्थल पर जांच करते सुरक्षा बल (फाइल फोटो)

नगरोटा में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में जैश-ए-मोहम्मद के चार आतंकवादियों के मारे जाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सराहना किए जाने के एक दिन बाद भारत ने शनिवार को पाकिस्तान के राजनयिक को तलब कर इस्लामाबाद द्वारा आतंकी गतिविधियों का समर्थन जारी रखने पर अपना विरोध दर्ज कराया।

अपनी इस मांग को दोहराते हुए कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता का पालन करना चाहिए कि वह आतंकवादियों को अपनी धरती का इस्तेमाल करने की अनुमति न दे, पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी आफताब हसन खान को बताया गया कि भारी संख्या में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री की बरामदगी यह संकेत देते हैं कि जम्मू-कश्मीर में शांति और सुरक्षा को अस्थिर करने के लिए बड़े आतंकी हमले की साजिश रची गई थी जिससे कि स्थानीय जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनाव बाधित हो जाए। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि मंत्रालय ने पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी को तलब किया और हमले की साजिश को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया।' इस हमले की साजिश को सतर्क भारतीय सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया था। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने को प्रतिबद्ध और दृढ़ है।

बयान में कहा गया है कि यह मांग की जाती है कि पाकिस्तान अपनी सरजमीं से संचालित आतंकवादी संगठनों और आतंकवादियों को समर्थन देने की अपनी नीति को छोड़े और अन्य देशों में हमले करने के लिए आतंकवादी संगठनों द्वारा संचालित आतंकी बुनियादी ढांचे को नष्ट करें। नगरोटा में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में गुरुवार की सुबह जैश-ए-मोहम्मद के चार संदिग्ध आतंकवादी मारे गये थे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जम्मू कश्मीर के नगरोटा में 19 नवम्बर को भारतीय सुरक्षा बलों ने एक बड़े आतंकवादी हमले की साजिश को नाकाम किया था। प्रारंभिक रिपोर्टों से ऐसे संकेत है कि हमलावर पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य थे। एमईए ने कहा कि जैश को संयुक्त राष्ट्र और कई देशों को काली सूची में डाल रखा है।

भारत सरकार ने जैश द्वारा भारत के खिलाफ आतंकी हमले जारी रखने को लेकर गंभीर चिंता जताई है। जैश 2019 फरवरी में हुए पुलवामा हमले समेत भारत में कई हमलों में लिप्त रहा है। इत्तफाक से इस हफ्ते में यह दूसरी बार है जब पाकिस्तानी अधिकारी को तलब किया गया है। पिछल शनिवार को पाकिस्तानी उच्चायोग के प्रभारी को तलब कर जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर विभिन्न सेक्टरों में पाकिस्तानी सेना द्वारा की गई भारी गोलाबारी पर विरोध दर्ज कराया गया था। इसमें नौ लोगों को मौत हो गई थी। गुरुवार की सुबह जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नगरोटा के पास सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के दौरान एक ट्रक में छिपे (शेष पेज 9)

तमिलनाडु में जारी रहेगा भाजपा और अन्नाद्रमुक का गठबंधन

- सीएम पलानीस्वामी ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह की चेन्नई यात्रा के दौरान किया ऐलान

पायनियर समाचार सेवा। चेन्नई

चेन्नई में शनिवार को एक कार्यक्रम में बोलते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

अगले साल होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) का गठजोड़ जारी रहेगा। सत्तारूढ़ पार्टी के मुख्य समन्वयक और उपमुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम ने शनिवार को केंद्रीय मंत्री अमित शाह की चेन्नई यात्रा के दौरान यह ऐलान किया।

वहीं, मुख्यमंत्री ई पलानीस्वामी ने कहा कि हमने 10 साल का सुशासन दिया है। हमारा गठबंधन 2021 का चुनाव जीतेगा। तमिलनाडु हमेशा पीएम नरेंद्र मोदी का समर्थन करेगा। अन्नाद्रमुक के शीर्ष नेता ओ पनीरसेलवम और के पलानीस्वामी ने यहां एक सरकारी समारोह में कहा कि लोकसभा चुनावों के लिए बना गठबंधन जारी रहेगा और अधिकतम सीटें जीतेगा। इससे अन्नाद्रमुक सत्ता में बरकरार रहेगी। इस समारोह में गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु में एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर भ्रष्टाचार और वंशवाद की राजनीति को लेकर निशाना साधा और दावा किया कि उसे राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ेगा, जहां 'लोकतांत्रिक ताकतें' प्रबल होंगी।

द्रमुक और उसकी सहयोगी कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए शाह ने कहा कि दोनों दलों को भ्रष्टाचार के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। शाह ने तमिलनाडु के चेन्नई शहर की पेयजल आपूर्ति को पूरा करने के लिए पांचवें जलाशय को शहर को समर्पित किया और राज्यभर में विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस दौरान अमित शाह ने कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए तमिलनाडु सरकार की प्रशंसा की और कहा कि केंद्र की रैंकिंग के अनुसार राज्य इस साल देश में सबसे अच्छा शासित है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारी तमिल सभ्यता दुनिया में सबसे पुरानी है। चाहे वह विज्ञान, कला, शिल्प कौशल या स्वतंत्रता आंदोलन हो, तमिलनाडु की महान भूमि से अग्रणी योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता है। दो दिन की यात्रा पर तमिलनाडु पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने उस समय लोगों को चौंका दिया जब वह चेन्नई में एयरपोर्ट के (शेष पेज 9)

कामेडियन भारती सिंह व उनके पति हर्ष गिरफ्तार

ड्रग कनेक्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एनसीबी की हिरासत में भारती सिंह।

बॉलीवुड में ड्रग के जाल को काटने की कोशिश में जुटी एजेंसी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के हाथ प्रसिद्ध हास्य कलाकार भारती सिंह तक जा पहुंचे हैं। शनिवार को लंबी पूछताछ के बाद एनसीबी ने पहले भारती और फिर उनके पति स्क्रिप्ट राइटर हर्ष लिंबाचिया को गिरफ्तार कर लिया।

दोनों ने ड्रग के सेवन करने की बात स्वीकार की है। नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त करने वाले एक व्यक्ति से पूछताछ में भारती का नाम सामने आया था। एनसीबी के अधिकारियों ने शनिवार की सुबह सात बजे भारती सिंह के लोखंडवाला काम्प्लेक्स स्थित घर एवं कार्यालय पर एक साथ छापा मारा। करीब साढ़े छह घंटे चली उनके फ्लैट की तलाशी में एनसीबी को दोनों जगहों से 86.5 ग्राम गांजा मिला। घर पर पूछताछ के दौरान भारती और हर्ष एनसीबी के कई सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, तो उन्हें एनसीबी के बेलार्ड एस्टेट स्थित कार्यालय में ले जाकर पूछताछ शुरू की गई। वहां चली करीब साढ़े चार घंटे पूछताछ के बाद एजेंसी ने भारती सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

करीब डेढ़ घंटे बाद उनके पति हर्ष लिंबाचिया को भी गिरफ्तार कर लिया गया। रिपोर्टों के अनुसार एनसीबी ने मुंबई के खारदांडा इलाके में 21 नवंबर को छापेमारी कर एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया था। उसके पास से 40 ग्राम गांजा और अन्य नशीली दवाएं मिली थीं। आरोपी से पूछताछ के बाद एनसीबी ने भारती सिंह के घर और कार्यालय में छापेमारी (शेष पेज 9)

सिविल सेवा प्रशिक्षण अकादमी में 57 ट्रेनी कोरोना से संक्रमित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी (एलबीएसएनएए) में सिविल सेवा के 57 प्रशिक्षु अधिकारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाये गये हैं। इसके बाद अधिकारियों ने सभी गैर-आवश्यक विभागों को वहां बंद कर दिया है। कार्मिक मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि अकादमी कोविड-19 संक्रमण के प्रसार की श्रृंखला तोड़ने के लिये देहरादून जिला प्रशासन और गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार हर संभव उपाय कर रहा है। बयान में कहा गया है कि संक्रमित सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को कोविड देखभाल केंद्र में पृथकवास में रखा गया है। इसमें कहा गया है कि 20 नवंबर, 2020 से एलबीएसएनएए में 57 अधिकारी प्रशिक्षुओं के संक्रमित होने की पुष्टि हुयी है। फिलहाल अकादमी में 95वें फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिये 428 प्रशिक्षु अधिकारी हैं। बयान के अनुसार अकादमी ने शुक्रवार से जिला अधिकारियों के साथ समन्वय में 162 से अधिक आरटी-पीसीआर परीक्षण किए (शेष पेज 9)

कल से पंजाब में पटरी पर लौटेंगी ट्रेन

- किसान नेताओं ने 15 दिन का दिया अल्टीमेटम, सभी रेलगाड़ियां दौड़ेंगी ट्रैक पर
- मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह से बातचीत के बाद राजी हुए आंदोलनकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/चंडीगढ़

किसानों नेताओं के साथ बैठक करते पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह।

आवश्यक आपूर्ति की भारी कमी का सामना कर रहे पंजाब को राहत देने वाले एक कदम के तहत राज्य के किसान संगठनों ने केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ अपना रेल रोको आंदोलन सोमवार से 15 दिनों के लिए वापस लेने का शनिवार को फैसला किया। हालांकि किसान संगठनों ने कहा कि अगर सरकार उनके मुद्दों को हल करने में नाकाम रहती है तो वे फिर से रेल पटरियों को बाधित कर देंगे।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के साथ बैठक के बाद किसान नेताओं यात्री गाड़ियों से नाकेबंदी हटाने का फैसला किया। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा है कि किसानों की समस्याओं को हल करने के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। 30 नवंबर से किसानों की दूसरी समस्याओं का हल निकालने की कोशिश भी की जाएगी। पंजाब में 24 सितंबर से ट्रेन सेवाएं स्थगित हैं जब किसानों ने केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ अपना 'रेल रोको' आंदोलन शुरू किया।

इससे पहले किसानों ने मालगाड़ियों की आवाजाही के लिए सहमति दी थी। लेकिन रेलवे ने मालगाड़ियों को फिर से चलाने से इनकार कर दिया और कहा कि वह मालगाड़ी और यात्री ट्रेनों, दोनों का संचालन करेगा या किसी का भी संचालन नहीं करेगा। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के साथ किसान नेताओं की बैठक के बाद यात्री गाड़ियों की नाकेबंदी को हटाने का फैसला किया गया। क्रांतिकारी किसान यूनियन के अध्यक्ष दर्शन पाल ने कहा कि हमने 23 नवंबर की शाम से यात्री ट्रेनों के लिए अनुमति देने का फैसला किया है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने भी इस फैसले का स्वागत किया।

उन्होंने ट्वीट कर कहा कि किसान संगठनों के साथ सार्थक बैठक हुई। यह जानकारी साझा करते हुए खुशी हो रही है कि 23 नवंबर की रात से किसान संगठनों ने 15 दिनों के लिए रेल नाकेबंदी को समाप्त करने का फैसला किया है। मैं इस कदम का स्वागत करता हूं क्योंकि इससे हमारी अर्थव्यवस्था में सामान्य स्थिति बहाल हो सकेगी। मैं केंद्र सरकार से पंजाब के लिए रेल सेवाएं फिर से शुरू करने का आग्रह करता हूं।' अमरिंदर से मुलाकात के पहले इस मुद्दे पर विचार करने के (शेष पेज 9)

उप्र में जहरीली शराब बेचने वालों पर लगेगा गैंगस्टर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे कारोबारियों की सम्पत्ति नीलाम कर पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने का दिया निर्देश

प्रदेश में जहरीली शराब से मौतों के लगातार सामने आ रहे मामलों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाया है। लखनऊ के बाद प्रयागराज में भी जहरीली शराब से मौतों की घटना हुई है। योगी ने आबकारी मंत्री और अपर मुख्य सचिव आबकारी को कार्रवाई कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

प्रयागराज के जिला आबकारी अधिकारी संदीप बिहारी, आबकारी इंस्पेक्टर विजय प्रताप यादव और हेड कांस्टेबल सुरेश कुमार को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री ने जहर के कारोबारियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करने और उनकी सम्पत्ति नीलाम कर पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस घटना में सभी संबंधित की जवाबदेही तय करते हुए इनके खिलाफ कठोर दण्डात्मक कार्रवाई कर नजीर पेश की जाए। प्रयागराज जनपद के फूलपुर के अमिलिया गांव में बीते बृहस्पतिवार की रात जहरीली शराब पीने के बाद अब तक छह लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं बारह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले लखनऊ, मथुरा और फिरोजाबाद में भी जहरीली शराब से मौतें के मामले सामने आए हैं।

इसके मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब जहर का कारोबार करने वालों पर शिंकजा कसने का सख्त आदेश दिया शासन के वरिष्ठ अधिकारियों से अवैध शराब के काले कारोबार पर हर हाल में अंकुश लगाने को कहा है। इसके साथ ही चेतावनी दी है कि यदि किसी इलाके में अवैध शराब बिकती हुई पाई जाती है तो वहां के थानेदार और आबकारी अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। निलम्बन और बर्खास्तगी के साथ ही एफआईआर दर्ज कर जेल भी भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के किसी (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	43,882	
निफ्टी	12,859	
सोना	49,551	/10g
चांदी	61,232	/kg

क्विक न्यूज

बिकरू कांड: 37 पुलिसकर्मियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के पुलिस महानिदेशक की विशेष जांच दल (एसआईटी) की सिफारिश के आधार पर कानपुर के बिकरू कांड में 37 पुलिस कर्मियो के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए है। राज्य के गृह सचिव तरुण गाबा ने एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर पिछले दिनो पुलिस महानिदेशक और अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर को 37 पुलिस कर्मियो के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। इसमे वृहद दंड (सेवा समाप्त) और लघु दंड (पदावनति) की कार्रवाई के निर्देश दिए गए है। बिकरू गांव के गैंगस्टर विकास दुबे से संबंधो के आरोप मे आठ पुलिस कर्मियो की सेवा समाप्त, छह पुलिस कर्मियो की पदावनति और 23 पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई जल्द शुरू हो सकती है।

सौ साल बाद भारत लौटेगी अन्नपूर्णा की अनोखी मूर्ति

- कनाडा की मैकेंजी आर्ट गैलरी में रेजिना विवि के संग्रह का है हिस्सा, वाराणसी से हुई थी चोरी

पीएनएस/एजेंसी। नई दिल्ली/टोरंटो

देवी अन्नपूर्णा की मूर्ति और कनाडा स्थित मैकेंजी आर्ट गैलरी।

कनाडा का एक विश्वविद्यालय 'ऐतिहासिक गलतियों को सही करने' और 'उपनिवेशवाद की अप्रिय विरासत' से उबरने की कोशिश के तहत हिंदू देवी अन्नपूर्णा की अनोखी मूर्ति भारत को लौटाएगा, जिसे एक सदी से अधिक समय पहले भारत से चुराकर लाया गया था।

यह मूर्ति मैकेंजी आर्ट गैलरी में रेजिना विश्वविद्यालय के संग्रह का हिस्सा है। यह मूर्ति नोर्मान मैकेंजी के 1936 के मूल वसीयत का हिस्सा है। विश्वविद्यालय ने एक बयान में बताया कि कलाकार दिव्या मेहरा ने इस तथ्य को ओर ध्यान आकृष्ट किया कि इस मूर्ति को एक सदी से भी पहले गलत तरीके से लाया गया।

जब वह मैकेंजी के स्थायी संग्रह को खंगाल रही थीं और अपनी प्रदर्शनी की तैयारी कर रही थीं तब उनका ध्यान इस ओर गया। बयान के अनुसार, 19 नवंबर को इस मूर्ति का डिजिटल तरीके से लौटाने का कार्यक्रम हुआ और अब उसे शीघ्र ही वापस भेजा जाएगा। विश्वविद्यालय के अंतरिम अध्यक्ष और कुलपति डॉ. थॉमस चेज ने इस मूर्ति को आधिकारिक रूप से भारत भेजने के लिए कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया से डिजिटल तरीके से मुलाकात की। बिसारिया ने कहा कि हम खुश हैं कि अन्नपूर्णा की यह अनोखी मूर्ति अपनी गृह वापसी की राह पर (शेष पेज 9)

आयुर्वेद के पीजी छात्र कर सकेंगे सामान्य सर्जरी

- देश में डॉक्टरों की कमी के मद्देनजर केंद्र सरकार ने किया बड़ा फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक चित्र

कोरोना संकट के दौरान देश भर में डॉक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने आयुर्वेद के स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों को ऑर्थोपेडिक, नेत्र विज्ञान, ईएनटी और दंत चिकित्सा सहित कई सामान्य सर्जरी करने की अनुमति दे दी है।

केंद्र ने आयुर्वेदिक पीजी पास आउट छात्रों को इस तरह की प्रक्रियाओं के लिए औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने की इजाजत देते हुए इस संबंध में एक गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। सर्जिकल प्रक्रियाओं के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल को आयुर्वेदिक पढ़ाई के पाठ्यक्रम में जोड़ा जाएगा। शैल्य (सामान्य सर्जरी) और शलाक्य तंत्र (कान, नाक, गला, ईएनटी के रोगों, आंख, सिर, वतव- दंत चिकित्सा) के स्नातकोत्तर छात्रों के पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में इन प्रक्रियाओं में औपचारिक प्रशिक्षण शुरू करने के लिए इंडियन मेडिसिन सेंट्रल काउंसिल रेगुलेशंस-2016 में संशोधन किया गया है। केंद्रीय आयुष सचिव राजेश कोटेशिया ने बताया कि मंत्रालय ने उन प्रक्रियाओं को निर्दिष्ट किया है जो एक आयुर्वेद चिकित्सक एक मरीज को संभालने के दौरान कर सकता है।

बीते 19 नवंबर को जारी गजट नोटिफिकेशन में कहा गया है कि पढ़ाई के दौरान, शैल्य और शलाक्य के पीजी छात्रों को व्यावहारिक रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे प्रक्रिया से वाकिफ होने के साथ-साथ स्वतंत्र रूप से निर्दिष्ट गतिविधियों को अंजाम दे सकें। इससे वे अपनी डिग्री हासिल करने के बाद स्वतंत्र रूप से काम कर सकेंगे। कानून के मुताबिक आयुर्वेदिक चिकित्सक अब वैधानिकरूप से त्वचा की ग्राफ्टिंग, मोतियाबिंद सर्जरी और रूट कैनाल उपचार जैसी सामान्य प्रक्रियाएं कर सकते हैं।

कानून में संशोधनों के अनुसार एमएस शैल्य तंत्र (आयुर्वेद) में अब पेरिआनल एब्सेस, ब्रेस्ट एब्सेस, एक्जिलरी एब्सेस, सेल्युलाइटिस आदि के साथ-साथ सभी प्रकार की त्वचा ग्राफ्टिंग, कान की लोब रिपेयर, सामान्य अल्सर हटाना, गैर जरूरी अंगों के हल्के ट्यूमर (लाइपोमा, फाइब्रोमा, स्क्वैनोमा आदि), गैंग्रीन साफकरना आदि पढ़ाया जाएगा। उन्हें गहरे घाव का प्रबंधन करने जैसे सभी प्रकार के टांके लगाने, हेमोस्टैटिक लिगर्स, मांस्पेशियों का इलाज, अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 22 नवंबर 2020

प्राथमिकता से पूरा करें जेवर एयरपोर्ट का काम : गोयल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर में प्रस्तावित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़ी प्रगति की समीक्षा शासन ने की है। इसके लिए ऑनलाइन मीटिंग की गई है। इस बैठक में एयरपोर्ट का मास्टर प्लान जमा करने, उसको स्वीकृत करने, स्टेट सपोर्ट एग्रीमेंट करने और एयरपोर्ट को जमीन देकर प्रभावित हुए परिवारों को शिफ्ट करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई है।

लखनऊ से नागरिक उड्डयन विभाग के अपर मुख्य सचिव एसपी गोयल ने नियाल के अफसरों से कहा कि सभी काम तय समय पर पूरे करें, तभी नवंबर 2023 तक जेवर से उड़ान शुरू हो सकेंगी। जेवर एयरपोर्ट परियोजना को लेकर शुक्रवार को ऑनलाइन समीक्षा बैठक हुई। बैठक में नागरिक उड्डयन विभाग के अपर मुख्य सचिव एसपी गोयल, नियाल के सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह, गौतमबुद्ध नगर के डीएम सुहास एलवाई और एयरपोर्ट के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया समेत तमाम अफसर शामिल हुए। बैठक में जेवर एयरपोर्ट को लेकर अब तक हुए कामों पर चर्चा हुई। इसके अलावा आगामी कार्यों को लेकर मंथन किया गया है। इन कामों की डेड लाइन पूछी गई और उनको समय पर पूरा कराने के लिए कहा गया है। नियाल नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ ने एसपी गोयल को भरोसा दिलाया कि सभी काम समय पर पूरा कर लिए जाएंगे।

तीन रनवे की फिजिबिल्टी रिपोर्ट पर लगेगी मुहर

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के तीन और रनवे की तकनीकी-आर्थिक फिजिबिल्टी रिपोर्ट टीईएफआर तैयार हो गई है। इस रिपोर्ट को सलाहकार कंपनी पीडब्ल्यूएसी ने तैयार किया है। इस रिपोर्ट पर मुहर लगाने के लिए इसके प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग एंड इंप्लीमेंटेशन कमेटी पीएमआईसी में रखा जाएगा। यह बैठक 27 नवंबर को लखनऊ में होगी। इस कमेटी के अध्यक्ष प्रदेश के मुख्य सचिव आरके तिवारी हैं। टीईएफ आर पर मुहर लगने के बाद आगामी कार्रवाई शुरू की जाएगी। डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि पीएमआईसी की बैठक 27 नवंबर को लखनऊ में होगी। इसमें टीईएफआर रखी जाएगी।

पुलिस ने वकीलों से मांगी माफी, हड़ताल और धरना खत्म

नोएडा। पुलिस के खिलाफ गौतमबुद्धनगर जिला अदालत के वकीलों ने शुक्रवार को हड़ताल और धरना खत्म कर दिया है। जिला अदालत में चल रहे धरने में गौतमबुद्धनगर सेंट्रल के पुलिस उपायुक्त हरिश्चंद्र और अपर उपायुक्त रणविजय सिंह वकीलों से मिलने पहुंचे। उपायुक्त ने धरनारत वकीलों से माफी मांगी और हड़ताल समाप्त करने की अपील की।

पुलिस अधिकारियों की ओर से लिखित में दिया गया कि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं होगी। न्यायिक प्रक्रिया में वकीलों को प्रोटोकॉल के तहत सम्मान दिया जाएगा। आपको बता दें कि बुधवार को जिला न्यायालय के अधिवक्ता अनिल भाटी नोएडा में एसीपी न्यायिक मजिस्ट्रेट के यहां एक मुकदमे की पैरवी करने गए थे। अनिल भाटी ने बार एसो. और जिला एवं सत्र न्यायाधीश से शिकायत की कि उनके साथ अभद्रता की गई।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुई छठ पूजा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हिंडन घाट पर उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए भोर में ही पहुंचे श्रद्धालु।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ शनिवार को छठ महापर्व संपन्न हो गया। हिंडन नदी के तट पर नजारा देखते ही बन रहा था। बड़ी तदाद में श्रदालु पहुंचे थे, इनमें सर्वाधिक संख्या महिला श्रदालुओं की थीं। श्रदालुओं को इस दौरान किसी तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े इसके लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी खुद पल पल की स्थिति पर नजर रखे हुए थे। वहीं कुछ जगहों पर सोशल डिस्टेसिंग की अनदेखी भी देखने को मिली।

हालांकि सिविल डिफेंस के सदस्य लगातार सोशल डिस्टेसिंग का पालन करते हुए मास्क पहनने के लिए जोर देते हुए नजर आए। हिंडन नदी के तट के आस-पास एम्बुलेंस के साथ दमकल की गाड़ी की भी व्यवस्था की गई थी। छठ पूजा पर श्रदालुओं की भीड़ के मददेनजर तट के मार्गों पर बेरिकेट लगाते हुए मार्ग को वाहनों के आवागमन के लिए पूरी तरह से बंद किया गया था।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए तड़के करीब तीन बजे से ही हिंडन तट पर श्रदालुओं के पहुंचने का क्रम आरंभ हो गया था। कुछ लोगों ने इस बीच आतिशबाजी भी की। देर रात हिंडन नदी के तट की छठा दियों की रोशनी के बीच देखते हुए बन रही थी। श्रद्धालुओं की भीड़ की देखते हुए जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस द्वारा हिंडन छठ घाट पर विशेष इंतजाम किए गए। इस दौरान मास्क लगाकर ही लोगों को घाट पर जाने दिया गया साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का भी पूरा ख्याल रखा गया

दहेज की मांग पूरी करने को ठेके से उड़ाए पांच लाख रुपए

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बीटा-टू कोतवाली क्षेत्र के अल्फा कमर्शियल बेल्ट स्थित शराब के ठेका से पांच लाख रूपये चोरी हो गए। इस घटना का पुलिस ने एक दिन बाद ही खुलासा कर दिया है। ठेके के सेल्समैन ने ही चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

पुलिस ने आरोपी सेल्समैन को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की रकम बरामद कर ली है। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर पता चला कि आरोपी ने बहन की शादी में दहेज की मांग पूरी करने के लिए घटना को अंजाम दिया था। एडीसीपी ग्रेटर

सेल्समैन गिरफ्तार

नोएडा विशाल पांडेय ने बताया कि अल्फा-1 कमर्शियल बेल्ट स्थित शराब के ठेके में हुई पांच लाख रूपये की चोरी के संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था।

मामले की जांच की गई तो पता चला कि ठेके पर नौकरी करने वाले सेल्समैन ने ही घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपी सेल्समैन अजरुन निवासी जनपद संभल को बुधवार शाम गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के लिए 4 लाख 40 हजार रूपये भी बरामद किए गए हैं।

कोविड-19 नियमावली के तहत चलाया अभियान

नोएडा। गौतमबुद्धनगर के जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के सभी नौ थाना क्षेत्रों में शुक्रवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मोटर व्हीकल एक्ट और उत्तर प्रदेश कोविड-19 नियमावली के तहत विशेष अभियान चलाया गया।

इस अभियान में मास्क नहीं पहनने वाले लोगों के चालान काटे गए हैं। सबसे ज्यादा 200 लोगों के चालान कासना थाना क्षेत्र में किए गए हैं। इसके बाद बीटा टू कोतवाली पुलिस ने 124 लोगों के चालान काटे हैं। दादरी कोतवाली पुलिस ने 129 लोगों पर जुर्माना लगाया है। दनकौर कोतवाली पुलिस ने 108 लोगों पर जुर्माना लगाया है।

वारिसों के नाम दर्ज कराने के लिए नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शिकायत के बाद बनाई नई व्यवस्था

काश्तकारों या अन्य किसी की मृत्यु होने के बाद अब मृत आश्रितों को अपना नाम दर्ज कराने के लिए लेखपाल या ग्राम सचिव के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे बल्कि एक निश्चित समय के अंदर उनके नाम मृतक के स्थान पर दर्ज हो जाएंगे। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे ने ब्लैक बॉक्स में आई शिकायत की जांच के बाद इस तरह की व्यवस्था शुरू की है।

जिलाधिकारी ने बताया कि ब्लैक बॉक्स के माध्यम से एक काश्तकार ने उन्हें शिकायत की थी ग्राम स्तर पर किसी काश्तकार या अन्य व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसकी संपत्ति में वारिसों के नाम दर्ज करने के लिए संबंधित ग्राम सचिवों या लेखपालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

इस शिकायत को उन्होंने गंभीरता से लिया और गाजियाबाद, मोदीनगर व लोनी हसीलों के इस तरह के मामलों की जांच चार मजिस्ट्रेट को सौंपी। इसमें अपर मजिस्ट्रेट प्रथम व द्वितीय, तहसीलदार व न्यायिक मजिस्ट्रेट को शामिल किया गया था।

मुठभेड़ के बाद तीन बदमाश गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लूटा गया ट्रैक्टर, दो तमंचा व कारतूस बरामद

दादरी थाना पुलिस ने ईस्टर्न पेरीफेरल हाईवे के पास से शनिवार तड़के मुठभेड़ के दौरान मेवाती गैंग के तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने इन बदमाशों के पास से दादरी थाना क्षेत्र में स्थित एक ईंट भट्ठे से 16 नवंबर को लूटा गया ट्रैक्टर, दो देसी तमंचा, कारतूस आदि बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि यह बदमाश शातिर लुटेरे हैं।

पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) राजेश कुमार सिंह ने बताया कि 16 नवंबर को थाना दादरी क्षेत्र में स्थित आर आर ब्रिक भट्टा पर हथियारबंद अज्ञात बदमाशों ने धावा बोला था। बदमाशों ने भट्टे पर तैनात चौकीदार देवेंद्र सिंह व अन्य लोगों के साथ मारपीट करके वहां खड़े दो ट्रैक्टर ट्रॉली लूट ली थी। सिंह ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही पुलिस को शनिवार तड़के सूचना मिली कि ईंट भट्ठे पर लूटपाट करने वाले बदमाश लूटी गई ट्रैक्टर ट्रॉली को बेचने के लिए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के रास्ते जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मायचा गांव अंडरपास के निकट पुलिस ने बदमाशों को रुकने का इशारा किया, इस पर बदमाशों ने रूकने की बजाय पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से गोली चला दी। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली दो बदमाशों के पैर में लगी है। घायल बदमाशों के नाम शाहरुख और अकील है, जबकि तीसरे की पहचान इमरान के रूप में की गई है। अधिकारी ने बताया कि इमरान इससे पहले भी बुलंदशहर पुलिस द्वारा मुठभेड़ के दौरान पकड़ा गया था।

संक्षिप्त समाचार

मतपेटियों का निरीक्षण करते जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे।

डीएम ने मतपेटियों का किया निरीक्षण

गाजियाबाद। एक दिसंबर को एमएलसी के लिए होने वाले मतदान के लिए अभी से प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मतदान के लिए अधिकारियों को नामित कर दिया गया है। मतपेटिकाओं को जिला मुख्यालय में सिविल डिफेंस आफिस परिसर में दुरुस्त किया जा रहा है। जिसे लेकर डीएम अजयशंकर पांडे ने शनिवारको मतपेटियों का निरीक्षण किया और चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक की। डीएम ने निरीक्षण के दौरान मतपेटियों को दूरूस्त किये जाने की प्रकिया की जानकारी एडीएम वित्त यशवर्धन श्रीवास्तव से ली। निरीक्षण के बाद मतदान को लेकर मतदान अधिकारियों व मास्टर ट्रेनर के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने मतदाता के लिये दी जाने वाली सुविधाओं व कोविड-19 की गाईडलाईन के तहत चुनाव अधिकारी व कर्मचारियों को लेकर किये जाने वाले पुख्ता इंतजाम के बारे में जानकारी हासिल की।

अवैध निर्माण पर कार्रवाई करती जीडीए की प्रवर्तन टीम।

अवैध निर्माण पर चला जीडीए का पीला पंजा

गाजियाबाद। जीडीए के प्रवर्तन विभाग के द्वारा लाइन पार में सुदामा पुरी के निकट प्राइवेट बिल्डरों के द्वारा लीक से हटकर विकसित की जा रही टाउनशिप में बड़ी कार्रवाई की। टीम ने बिल्डरों की इमारतों में अवैध निर्माण को ड्रील मशीन आदि के सहारे तोड़कर जमीन में मिला दिया। जीडीए के सहायक अभियंता राजेश वर्मा के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। इस बीच दूसरे जोन के प्रवर्तन विभाग के अधिकारियों को भी कार्रवाई में शामिल किया गया था।

पिलखुवा पुलिस ने वांछित हत्यारोपी को भेजा जेल

हापुड़। पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के गांव खेड़ा में छोटी दीपावली को गायब हुए हर्ष की हत्याकर नाले में फेंकने में वांछित चल रहे हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया। पिलखुवा थाना प्रभारी नरेश कुमार ने बताया कि 17 नवम्बर को गांव खेड़ा निवासी हर्ष का शव गांव के ही नाले में मिला था जिसकी हत्या की रिपोर्ट परिजनों ने गांव के ही हिमांशु पुत्र जितेन्द्र उर्फ पिन्टू व मोहित गिरी पुत्र भगवान गिरी ग्राम खेड़ा निवासी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। शनिवार को थाना प्रभारी नरेश कुमार सिंह व उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना पर मोहित गिरी पुत्र भगवान गिरी को धौलाना कट के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि हत्या में शामिल दो अभियुक्तगण को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है ।

गाजियाबाद में 132 कांट्रेक्ट किलर की फेहरिस्त तैयार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

ऑपरेशन शूटआउट के तहत अब होगी कार्रवाई

एसएसपी कलानिधि नैथानी

सुपारी लेकर निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले 132 अपराधियों की पहचान कर ली गयी है। ये सभी अपराधी गाजियाबाद जनपद के विभिन्न इलाकों में रहकर अपराध कर रहे हैं।

पुलिस प्रशासन ने इनकी पुरानी कुंडली खंगालकर कांट्रेक्ट किलर के रूप में इनकी फेहरिस्त तैयार की है। इनसे निपटने के लिए पुलिस प्रशासन ने ऑपरेशन शूटआउट चलाने का निर्णय लिया है। विधायक अजीतपाल त्यागी के मामा नरेश त्यागी के हत्या के मामले में किराये के शूटरों का नाम उजागर हुआ था। इसके बाद पुलिस-प्रशासनकी पेशानी पर बल पड़ना लाजमी था।

नरेश त्यागी की हत्या के मामाले में जो चार शूटर गिरफ्तार किये गये थे उनके नाम अनिल उर्फ पैंदा-थाना लोनी, विपिन शर्मा अर्पण चौधरी व मनोज कुमार शर्मा सभी थाना सिहानी गेट हैं। पुलिस ने जो 132 लोगों की सूची बनायी हुई है उनमें इन चारों के नाम भी शामिल हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गाजियाबाद कलानिधि नैथानी ने शनिवार शाम यहां बताया कि जिन अपराधियों की पुलिस ने थानेवार पहचान चिन्हित की है उसके मुताबिक थाना कोतवाली में 15 कविनगर में 28, इन्दिरापुरम में 10, लोनी में 24, लोनी बॉर्डर में एक, मसूरी में 14, मुरादनगर में 15, मोदीनगर में 11 और निवाडी में 3 कांट्रेक्ट किलर ट्रेसआउट किये गये हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी सुपारी किलर मोटी रकम लेकर हत्याओं को अंजाम देते हैं। इन सभी के खिलाफ हत्या के मामले दर्ज हैं।

नैथानी ने बताया कि जो फेहरिस्त तैयार की गयी है, उनमे से कुछ जमानत पर बाहर घूम रहे हैं और कुछ फरारीकाट रहे हैं। पुलिसने इनसे निपटने के लिए ऑपरेशन -शूटआउट के तहत इनकी जमानत रदद करवाने और इन पर रासूका व अन्य अधिनियमों के तहत निरूद्ध करने की योजना तैयार की है। उन्होंने बताया कि जो फरार हैं उन्हे पकड़ने के लिए पुलिस बल के एक दर्जन से भी ज्यादा दस्ते तैयार किये गये हैं। कोर्ट से इन लोगों की जमानत न हो सके इसके लिए भी अभियोजना अधिकारियों से विधिक राय ली जा रही है।

अंडे को लेकर बवाल, शराबी युवकों ने दुकानदार को पीटा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली-मेरठ रोड़ स्थित मुरादनगर थाने व रेलवे रोड पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर अंडे को लेकर भारी बवाल हुआ। कुछ युवक निकट में ही स्थित बीयर बार में शराब पीकर निकले वहां सड़क किनारे अंडे की ठेली पर अंडे बेच रहे युवक से अंडा देने को कहा तो उसने कहा कि उसके अंडे समाप्त हो गए हैं।

इसी बात से गुस्साए युवकों ने ठेली वाले के साथ डंडों से मारपीट की व पथराव किया। जिससे वहां खड़ी एक गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि अंडे का ठेला लगाने वाले शख्स की ओर से भी कुछ लोग वहां पहुंच गए और उन्होंने भी जवाबी पथराव कर दिया।

वहीं पास ही स्थित होटल मालिक ने बताया कि बवाल होता देख उसने रेलवे रोड़ स्थित चौकी प्रभारी को कई बार फोन कॉल किया लेकिन, उन्होंने फोन नहीं उठाया। इसके बाद उसे फिर थाना प्रभारी अमित कुमार को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लिया है।

जीपीए ने की स्कूल बंद करने की मांग

गाजियाबाद। कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रसार को देखते हुए गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने ट्वीटर के माध्यम से डीएम अजय शंकर पाण्डेय से कक्षा 9 से 12वीं तक के बच्चों के लिए खुले स्कूलों को तत्काल प्रभाव से बंद किए जाने की मांग की है।

जीपीए ने कहा कि दिल्ली में लगातार संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। अन्य राज्यों में भी हाल बेहाल है तो वहीं यूपी में भी मामलों में तेजी आई है। ऐसे में बच्चों के लिए खोले गए स्कूलों को बंद करने की अपील की गई है जिससे समय रहते जरूरी कदम उठाया जा सके।

जंगल से बरामद हुआ लापता व्यापारी का शव

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जांच में जुटी पुलिस

मसूरी इलाके से शुक्रवार रात लापता हुए व्यापारी राशिद का शव शनिवार सुबह डासना के पास जंगल में खड़ी गाड़ी में मिला।

हापुड़ का रहने वाला राशिद अपनी पत्नी को मसूरी के एक अस्पताल में भर्ती कराने के लिए लाया था। पत्नी को भर्ती कराकर वो अपनी गाड़ी से कहीं चला गया था। जिसके बाद परिजनों ने बृहस्पतिवार शाम को उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। लेकिन शनिवार को जंगल में गाड़ी के अंदर उसका लहूलुहान शव मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच में जुट गई है।

पुलिस के मुताबिक अस्पताल से निकलने से पहले राशिद के पास एक फोन आया था। जिसके बाद वो अपनी गाड़ी लेकर रवाना हो गया था। उसकी लोकेशन उसी जंगल के पास मिली थी। लेकिन उसके बाद कुछ पता नहीं चला। पुलिस उसको तलाश रही थी कि इस दौरान जंगल में गाड़ी खड़ी होने की सूचना आई। जब पुलिस ने मौके पर पहुंचकर देखा तो गाड़ी में ही लाश पड़ी हुई थी। पहचान करने पर पता चला कि यह राशिद की ही लाश है। शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। गला दबाकर हत्या की आशंका जताई जा रही है।

ज्ञात हो कि शुक्रवार को भी मधुबन बापूधाम में एक किराना कारोबारी का शव पेड़ से लटका हुआ मिला था। जिसमें लूट के बाद हत्या की आशंका जाहिर की गई है। अभी तक उस मामले में भी पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला है। वहीं पिछले कई महीने से लापता बिल्डर विक्रम त्यागी का भी पुलिस अब तक सुराग नहीं लगा पाई है। एक के बाद एक कारोबारियों के साथ हो रही वारदातें कई बड़े सवाल खड़े कर रही हैं।

कार के अंदर पड़ी कारोबारी की लाश और मौके पर जांच करती पुलिस।

बिना विकास कार्य कराए ही निगम को सौंप दी कॉलोनी

बिल्डर से वसूला जाएगा करोड़ों रुपए का हर्जाना, तत्कालीन अफसरों पर गिर सकती है गाज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

बिना विकास कार्य कराए ही अवन्तिका कॉलोनी को नगर निगम को हेन्डओवर करने के मामले में अब बिल्डर से निगम करोड़ो का जुर्माना व लागत वसूलेगा। अवन्तिका कॉलोनी को हेन्डओवर करने के मामले की शिकायत सदन में भाजपा दल के नेता पार्षद राजेन्द्र त्यागी ने शासन और मंडलायुक्त से की थी। इस मामले में निगम के तत्कालीन अधिकारियों की मिलीभगत भी उजागर हुई है।

इस संबंध में शिकायत मिलने पर मंडलायुक्त अनीता सी मेश्राम ने जीडीए व नगर निगम के अधिकारियो की एक संयुक्त टीम बनाकर जांच करवाई थी। जांच रिपोर्ट में यह साफ हो गया कि अवन्तिका कॉलोनी को बिना डेवलेप किये बिल्डर अंसल ग्रुप ने नगर निगम को हेन्डओवर कर दिया था।

आपको बता दें कि कोई भी कॉलोनी निगम को तभी हेन्डओवर होती है जब उसमें विकास कार्य जैसे सड़क निर्माण ,पाइप लाइन, विद्युत पोल आदि पूरे हो जाते हैं लेकिन इस कॉलोनी को बिना विकास कार्य पूरा किये ही नगर निगम को हेन्डओवर कर दी गयी थी। उस समय नगर निगम के तत्कालीन अधिकारियों ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। बाद में नगर निगम को अपने खाते से इस कॉलोनी में विकास कार्य कराने पडें ।

माना जा रहा है कि इन विकास कार्यो पर नगर निगम को करोड़ों रूपये खर्च करने पडें । पार्षद राजेन्द्र त्यागी ने आरोप लगाया है कि जिस तरह से यह कॉलोनी नगर निगम को हेन्डओवर की गई उसमें निगम के तत्कालीन अधिकारियों और बिल्डर के बीच बड़े घपले का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी अधिकारी हैं उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

नोएडा में संक्रमण के 162 नए केस सामने आए, एक की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जनपद गौतमबुद्धनगर में शनिवार को कोविड-19 से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि सुबह तक संक्रमण के 162 नए मामले सामने आए। एक चिकित्सा अधिकारी ने इसकी जानकारी दी और बताया कि जनपद में वायरस से अब तक 75 लोगों की मौत हो चुकी है।

जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि शनिवार को कोविड-19 के संक्रमण की वजह से जनपद में 72 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्हें उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के शारदा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह सेक्टर 56 के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि इस मौत के साथ ही जनपद में कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़ कर 75 हो गई है।

उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह तक गौतमबुद्धनगर में कोविड-19 संक्रमण के 162 मरीज पाए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि कोविड-19 से संक्रमित 234 मरीज उपचार के बाद ठीक हुए हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

होम आइसोलेशन के नियम तोड़ने वालों पर सरकार सख्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण के केस बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए सरकार हरकत में आ गई है। दिल्ली सरकार ने जिला अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे होम आइसोलेशन में रह रहे कोविड-19 मरीजों के पास जाएं और सुनिश्चित करें कि मरीज पृथकवास संबंधी नियमों का पालन करें। राष्ट्रीय राजधानी में मरीजों द्वारा इन प्रावधानों के उल्लंघन के मामले सामने आ रहे थे।

दिल्ली सरकाार के स्वास्थ्य विभाग ने एक आदेश में कहा कि संपर्कों का पता लगाने पर उचित ध्यान दिया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए लोगों का पता लगने पर तुरंत उनकी जांच की जाए। जांच रिपोर्ट आने तक ऐसे लोगों को आइसोलेशन में रखा जाए। दिल्ली 28 अक्टूबर से कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आई है। उस दिन पहली बार नए मामलों की संख्या पांच हजार से अधिक रही और 11 नवंबर को सर्वाधिक 8,593 नए मामले सामने आए।

पिछले दिनों जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि मनोरंजन स्थानों, बाजारों, कार्यस्थलों और मेट्रो जैसी सेवाओं से उभरते मामलों का विश्लेषण तुरंत किया जाना चाहिए। साथ ही जल्द रोकथाम के उपाय शुरू किए जाने चाहिए। रैपिड एंटीजन परीक्षणों में नकारात्मक रिपोर्ट के बाद लक्षण होने पर आरटी-पीसीआर परीक्षण किया जाना चाहिए। आरटी-पीसीआर परीक्षण को कोरोना वायरस जांच के लिए मानक माना जाता है।

टीके की वीआईपी श्रेणी न हो : केजरीवाल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हर एक व्यक्ति की जिंदगी मायने रखती है। ऐसे में कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए टीके के लिए कोई भी वीआईपी अथवा गैर वीवीआईपी श्रेणी नहीं होनी चाहिए। बीमारी से बचाव के लिए कोरोना योद्धाओं, वरिष्ठ नागरिकों समेत अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संभव है कि टीके के वितरण की योजना केन्द्र सरकार बनाएगी लेकिन उनका अनुरोध है कि टीकाकरण में तकनीकी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने कहा पूरी दुनिया और दिल्ली सरकार बेसब्री से कोरोना वैक्सिन का इंतजार कर रही है।

शादी के लिए आरोपी को मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने हत्या के एक आरोपी को शादी करने और अपनी जमीन पत्नी के नाम करने के लिए अंतरिम जमानत दी है। आरोपी कुख्यात राजेश बवानिया गिरोह का कथित सदस्य है। उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उच्च न्यायालय ने आरोपी शेखर को जमानत दे दी और कहा कि उसे 23 नवंबर को अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाएगा तथा 27 नवंबर को या उससे पहले उसे आत्मसमर्पण करना होगा। शेखर 25 नवंबर को अपने रिश्ते के एक भाई की विधवा से शादी कर रहा है। हरियाणा एवं दिल्ली में विभिन्न आपराधिक मामलों में अभियोजन का सामना कर रहे आरोपी को 25 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो जमानत पर राहत प्रदान की गई।

न्यायमूर्ति विभु बखरू ने निर्देश दिया कि आरोपी सीधा अपने गांव जाएगा और वहां सीमित कार्यों के अलावा खुद को वहीं तक सीमित रखेगा। इस दौरान वह वह पीड़ित के परिवार के सदस्यों और किसी गवाह से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से संपर्क नहीं करेगा।

छठ महापर्व के आखिरी दिन घर में बने घाट पर उगते भगवान भास्कर को अर्ध्य देतीं महिलाएं। फोटो : रंजन डिमरी

आप ने छेड़ा भाजपा 181 पोल खोल अभियान

हर दिन विपक्षी पार्षदों के कथित घपले का पर्दाफाश करेगा सत्ताधारी दल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी भगवा पार्टी को घेरने के लिए भाजपा 181 पोलखोल अभियान छोड़ दिया है। सत्ताधारी पार्टी हर दिन विपक्षी पार्षदों के एक घपले का पर्दाफाश करेगी।

सौरभ भारद्वाज

आप प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को भाजपा शासित एमसीडी में फैले घपले पर सीरिज की शुरूआत करते हुए कहा कि एमसीडी बार-बार पैसे की कमी का रोना रोती है, लेकिन वो सभी लोगों से प्रॉपर्टी टैक्स नहीं वसूलती है। दिल्ली में सबसे महंगी संपत्ति होने के बावजूद एमसीडी का बुरा हाल हैं लेकिन विपक्षी पार्षद मालामाल हैं क्योंकि इसका पैसा पार्षदों की जेब में जाता है। सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वर्ष 2015 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी तब दिल्ली सरकार की आमदनी 30 हजार करोड़ थी। चार साल बाद सरकार की आमदनी दोगुनी हो गई। वहीं एमसीडी ने 2015-16 में 3,95,319 व 2016-17 में 4,41,889 लोगों से प्रॉपर्टी टैक्स वसूला, लेकिन 2017-18 में इनकी संख्या घट गई और 4,05,774 लोगों से ही टैक्स वसूला।

इसी तरह, एमसीडी का प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन वर्ष 2015-16 में 366 करोड़, वर्ष 2016-17 में 614 हुआ, लेकिन 2017-18 में यह घट कर 553 करोड़ पर आ गया, जबकि सरकारों का टैक्स कलेक्शन बढ़ता है। विपक्षी पार्टी के नेता बताएं कि दिल्ली वालों का पैसा कहां जा रहा है।

दुकानदार ने की खुदकुशी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सेक्टर-20 क्षेत्र में रहने वाले एक दुकानदार ने शनिवार सुबह अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। अपर पुलिस उपायुक्त रणविजय सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के सेक्टर 20 में रहने वाले शिवचंद (26) ने संभवत: मानसिक तनाव के चलते शनिवार तड़के अपने घर पर पंखे से कथित रूप से फंदा लगा लिया।

उन्होंने बताया कि परिजनों ने शिवचंद को नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस उपायुक्त रणविजय सिंह ने बताया कि पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है। उन्होंने बताया कि इस बीच, थाना सेक्टर 24 क्षेत्र में रहने वाले टी रामरतन की शनिवार को संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। उसके परिजनों ने उसे गंभीर हालत में नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बसोदिया व काला जठेड़ी गैंग के 4 शार्प शूटर धरे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने राजू बसोदिया और काला जेठेड़ी गैंग के चार शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों की पहचान मोहित, मोनू उर्फ संजय, हरिओम उर्फ सोनू, और मुकेश उर्फ मोनी के रूप में हुई है। आरोपियों कब्जे से एक पिस्टल, दो कारतूस, 87 हजार रुपये, फॉर्च्यूनर कार, 4 मोबाइल और गाड़ियों के फर्जी नंबर प्लेट बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार 16-17 नवंबर की रात को बिंदापुर थाना इलाके में एक घर में घुसकर गन पॉइंट पर साढ़े 3 लाख रुपये व लाखों की ज्वेलरी लूटने की शिकायत मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिले की एएटीएस टीम को इस मामले की छानबीन की जिम्मेदारी दी गई। एसीपी ऑपरेशन विजय सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर रामकिशन यादव, सब इंस्पेक्टर कमलेश कुमार, एसआई रणधीर, हेड कांस्टेबल जितेंद्र, जगत सिंह , कॉन्स्टेबल सोनू, अरविंद और मनीष की टीम ने इस मामले को सुलझाने के लिए 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज जांच कर आरोपियों की पहचान की।

गत 20 नवम्बर को मुखबिर की सूचना पर एएटीएस की टीम ने गुरुग्राम में छापेमारी कर आरोपी मोहित को उसके दोनों साथी संजय और हरिओम के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने मोहित की निशानदेही पर इनके चौथे साथी मुकेश को भी धर धबोचा।

पूछताछ में मोहित ने बताया की वह राजू और संदीप काला जठेड़ी का करीबी है तथा भोंडसी जेल से पैरोल पर छूटने पर पैसे की किल्लत की वजह से उसने अपने साथी हरिओम, मुकेश और संजय के साथ बिंदापुर के एक घर में लूटपाट को अंजाम दिया था। जांच में पता चला की आरोपी मोहित और संजय बहादुरगढ़ पुलिस स्टेशन की पुलिस वैन में हुए ट्रिपल मर्डर के मामले में भी शामिल रह चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर के उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन व दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता।

स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आएं लोग : डॉ. हर्षवर्धन

नई दिल्ली। रक्तदान महादान होता है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। कोरोना काल में ब्लड बैंक में खून की कमी हो गई थी। इसकी जानकारी जैसी ही भाजपा युवा मोर्चा को मिली, उन्होंने अगले 48 घंटे में ही रक्तदान शिविर का आयोजन किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने यह बात शनिवार को रेडक्रॉस सोसाइटी में रक्तदान शिविर के उद्घाटन अवसर पर कही। डॉ. हर्ष वर्धन ने कहा कि देश में स्वैच्छिक रक्तदान के लिए सात्विक भाव से ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़ेंगे तो रक्त की कमी से बीमारियों से पीड़ित मरीजों को जीवनदान मिलेगा। सोलह से 65 वर्ष के बीच के सभी लोग हर 3 महीने में एक बार अपनी इच्छा से रक्तदान कर सकते हैं। इससे बड़ा पुण्य का काम कोई दूसरा नहीं है।

निगमकर्मी की मृत्य के बाद आश्रित परिजनों को पांच लाख रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपती मेयर आशा शर्मा व नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर।

आश्रितों को दी पांच लाख की आर्थिक मदद

गाजियाबाद। नगर निगम के माली के निधन पर निगम अधिकारियों ने शनिवार को शोक व्यक्त करते हुए मृतक आश्रितों को पांच लाख का सहायता राशि का चेक सौंपा। गाजियाबाद नगर निगम के कर्मचारी (माली) प्रीतम, लोहिया नगर पार्क में कार्य करने के उपरांत दूसरे पार्क में कार्य करने जा रहे थे तभी गाड़ी की टक्कर लगने से उनकी मृत्यु हो गई थी। मेयर आशा शर्मा व नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने प्रीतम की पत्नी बबीता को नगर निगम की ओर से पांच लाख का चेक देकर एवं उनके पुत्र को सी.एल.सी. के माध्यम से नौकरी पर रखा गया है ताकि पिता के जाने के बाद परिवार का पालन पोषण हो सके। इस दौरान कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नैन सिंह, मंत्री हिमांशु एवं समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिविल सेवा परीक्षा विषय पर वेबिनार आज

नई दिल्ली। सिविल सेवा परीक्षा और हिंदी माध्यम विषय पर वेबिनार रविवार को होगा। कार्यक्रम के संयोजक दिल्ली विवि में हिंदी विभाग के प्रो. निरंजन कुमार ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद् और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी करेंगे। इसके अलावा भारतीय सिविल सेवा अधिकारी डा. सुनील कुमार बर्णवाल, पूर्व सचिव, मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार, विवेक पाण्डेय, निशांत जैन, और गंगा सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हिंदी में उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री के अभाव, अच्छी कोचिंग,मार्गदर्शन, प्रबंधन के अभाव, इंटरव्यू को लेकर एक उलझी हुई समझ, परीक्षा में प्रश्नों के दुर्बोध,कठिन, गलत हिंदी अनुवाद की समस्याओं जैसे विषयों पर अपनी बात रखेंगे।

नोएडा के निजी अस्तपालों में इलाज की निगरानी को टीम गठित

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जनपद गौतमबुद्धनगरनगर के निजी अस्पतालों में प्रोटोकॉल के तहत इलाज की निगरानी के लिए सरकार ने तीन सदस्यीय टीम गठित की है। एक चिकित्सा अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी दीपक ओहरी ने बताया कि कोरोना वायरस के तीसरे लहर और जनपद में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए उत्तर प्रदेश शासन ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है।

उन्होंने बताया कि यह कमेटी निजी अस्पतालों में कोविड-19 के मरीजों के इलाज की गुणवत्ता, उचित इलाज एवं अन्य बिंदुओं को परखेगी तथा शासन को इसकी रिपोर्ट देगी। रिपोर्ट नकारात्मक होने पर निजी कोविड-19 अस्पताल में मरीजों के उपचार की प्रक्रिया में फेरबदल किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जनपद में यथार्थ, फोर्टिस, कैलाश, जेपी, आदि अस्पतालों में कोविड-19 के मरीजों का उपचार चल रहा है। इन अस्पतालों में मरीजों के उपचार की दर निर्धारित है।

अस्पताल प्रबंधक प्रोटोकॉल के तहत ही मरीजों का इलाज करने का दावा करते हैं। लेकिन कई बार यह शिकायत आती है कि अस्पताल प्रबंधन मरीजों का इलाज ठीक तरह से नहीं कर रहे हैं तथा इलाज का खर्च भी ज्यादा ले रहे हैं।

एलएसआर ने किया फीस कम करने का ऐलान

छात्र संघ की मांग के बाद लिया निर्णय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

परिवार की कथित तौर पर खराब माली हालत के कारण एक छात्रा के आत्महत्या करने के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज (एलएसआर) ने कुछ कोर्सों की फीस कम करने, लैपटॉप प्रदान करने के लिए एक समिति का गठन करने और द्वितीय वर्ष की कुछ छात्राओं को छात्रावासों में रहने की अनुमति देनी की घोषणा की है।

लेडी श्रीराम कॉलेज (फाइल फोटो)

लेडी श्रीराम कॉलेज ने एक आदेश में कहा, इस बात पर गौर करते हुए कि कुछ छात्राएं परिसर में नहीं होने के कारण कुछ सुविधाओं का लाभ नहीं उठा पा रही हैं, कॉलेज ने इस साल फीस में से कुछ शुल्क कम दिया है। इससे फीस काफी कम हो जाएगी। इसके अलावा, किस्तों में भी फीस का भुगतान किया जा सकता है।

आदेश में कहा गया, कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण उत्पन्न हुई परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, प्रथम वर्ष की नई छात्राओं और तृतीय वर्ष की विद्यार्थियों को छात्रावास में जगह मुहैया कराए जाने के बाद वर्तमान द्वितीय वर्ष की छात्राओं को नए आवेदन पर और आवश्यकता के आधार पर छात्रावास में रहने की अनुमति दी जाएगी। कॉलेज प्रशासन ने यह भी निर्णय लिया है कि महामारी का प्रकोप कम होने पर छात्रावास सीटों को बढ़ाकर एक बार फिर 288 कर दिया जाएगा और जरूरत के आधार पर, द्वितीय और तृतीय वर्ष की कुछ और छात्राओं को छात्रावासों में जगह मुहैया कराई जाएगी।

कॉलेज ने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है कि जरूरतमंद छात्राओं को उपकरण मुहैया कराए जाएं और इस संबंध में प्रत्येक विभाग जरूरतमंद छात्राओं के नाम तथा उनके पते की सूची तैयार कर रहा है।

कॉलेज समिति यह सुनिश्चित करेगी कि जल्द से जल्द इन्हें (उपकरणों को) खरीद कर जरूरतमंद छात्राओं को मुहैया कराए जाएं। मालूम हो कि परिवार की खराब माली हालत के कारण अपनी पढ़ाई को लेकर चिंतित लेडी श्रीराम कॉलेज में पढ़ रही तेलंगाना की एक छात्रा ऐश्वर्या ने दो नवंबर को खुदकुशी कर ली थी। कॉलेज प्रशासन का यह फैसला छात्रा की मौत के बाद छात्र संघ की मांगों के उपरांत आया है।

शव को कंधा देने वालों को पीपीई किट देगा निगम

अतिरिक्त एहतियात के तहत नार्थ एमसीडी ने लिया फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में कोराना के खौफ के बीच अन्य बीमारियां भी लोगों की जान ले रही हैं। इसके चलते इन दिनों यहां रोजाना औसतन सौ से ज्यादा शव दास संस्कार के लिए पहुंच रहे हैं। श्मशान घाट चलाने वालों प्रबंधकों के मुताबिक पिछले 15-20 सालों में प्रतिदिन इतने शव कभी नहीं आए।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने कोविड से मृत्यु के कारण शवों की संख्या को देखते हुए निगम बोध घाट पर दाह संस्कार की व्यवस्था की है। निगम अतिरिक्त सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए निगम बोध घाट पर शव को कंधा देने वाले 4 व्यक्तियों को पीपीई किट उपलब्ध कराएगा।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने अंतिम संस्कार के लिए कुल 104 में से 52 लकड़ी की चिताओं को और 3 सीएनजी भट्टियों को चिन्हित किया हुआ है। पिछले दस दिनों में एक दिन में कोविड रोगियों के शवों की कुल संख्या 22 से अधिक नहीं है। आज शाम 5.30 बजे तक कोविड के 20 शव अंतिम संस्कार के लिए निगम बोध घाट आए। हिंदू समुदाय में आस्था के कारण अधिकतर शवों को अंतिम संस्कार के लिए निगम बोध घाट लाया जाता है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी ने निगम के आदेश 10-6-20 के अनुसार अन्य दोनों निगमों के समकक्षों को उनके क्षेत्र के अस्पतालों से संबद्ध श्मशान घाटों पर शवों को ले जाने के लिए कोविड का इलाज करने वाले अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों को भी अंतराल पर शव जारी करने के लिए कहा गया ताकि किसी एक समय में श्मशान घाट पर भीड़ न हो।

निगम ने लोगों से अंतिम संस्कार के लिए शव के साथ कम संख्या में आने की अपील की क्योंकि इससे सामाजिक दूरी रखने में मदद मिलेगी।

दिल्ली दंगा : गुलफिशा फातिमा को मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने छात्र कार्यकर्ता गुलफिशा फातिमा को फरवरी में उत्तर पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक हिंसा से जुड़े एक मामले में शनिवार को जमानत दे दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने जाफराबाद क्षेत्र में दंगों से संबंधित एक मामले में फातिमा को 30 हजार रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत देने पर रिहा करने का आदेश दिया।

जाफराबाद में हुए दंगे की घटना में गोली लगने से एक शख्स की मौत हो गई थी। इससे पहले जेएनयू छात्राओं देवांगना कलिता और नताशा नरवाल को जमानत दे दी गई थी।

कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए 411 आईसीयू बेड बढ़े

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच पिछले पांच दिनों में शहर में केन्द्र और दिल्ली सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों में 400 से अधिक बेड और बढ़ाए गए हैं। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश के बाद दोनों सरकारों द्वारा संचालित अस्पतालों में आईसीयू बेड जोड़े गए हैं।

मुख्यमंत्री केजरीवाल द्वारा इस संबंध में निर्देश जारी किए जाने के बाद पिछले पांच दिनों में दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में 411 आईसीयू बिस्तर तैयार किए गए हैं। निजी अस्पतालों को कोविड-19 मरीजों के लिए 80 प्रतिशत बिस्तरों को आरक्षित रखने के निर्देश दिए जाने के बाद कुछ निजी अस्पतालों ने भी और आईसीयू बिस्तरों को जोड़ा है। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को कोविड-19 के 6,608 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों का आंकड़ा 5.17 लाख से अधिक पहुंच गया।

मास्क लगाने से दूसरों के संक्रमित होने का खतरा कम : सिसोदिया

उपमुख्यमंत्री ने पटपड़गंज में बांटे मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग के लिए किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार पर रोक लगाने के मकसद से उपमुख्मंत्री मनीष सिसोदिया सड़क पर उतर गए। उन्होंने पटपड़गंज में मास्क बांटे और सोशल डिस्टेंस पर जागरूकता अभियान की अगुवाई की।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी एक बार फिर बढ़ रही है। कोरोना से लड़ाई के लिए एक तरफ हम हाथ जोड़कर विनती कर रहे हैं कि सभी लोग मास्क लगाएं और सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करें। दूसरी तरफ जो लोग इनकी अनदेखी या लापरवाही कर रहे हैं उन पर सख्ती भी जरूरी है। इसलिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी से मास्क लगाने और कोरोना जागरूकता अभियान चलाने का अनुरोध किया है।

अपने निर्वाचन क्षेत्र पटपड़गंज में मास्क बांटते उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया।

मनीष सिसोदिया शनिवार को पटपड़गंज के शांति मार्ग वेस्ट विनोद नगर और नरवाना रोड में स्थानीय नागरिकों, फल विक्रेताओं और दुकानदारों इत्यादि के बीच मास्क बांटे और सोशल डिस्टेंसिंग के लिए जागरूकता अभियान चलाया। सिसोदिया ने कहा कि कोरोना से लड़ाई के लिए एक तरफ लोगों से हम हाथ जोड़कर विनती हैं कि सभी लोग मास्क लगाए और सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करें। मास्क लगाने पर वे खुद भी सुरक्षित रहते हैं और आपसे दूसरों के भी संक्रमित होने की खतरा नहीं होता।

सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार ने कोरोना के इलाज के लिए सभी जरूरी कमद उठा रही है। लेकिन जरूरी यह है कि किसी के इलाज की नौबत ही न आए। जब तक कोई कारगर वैक्सीन नहीं आ जाती तब तक मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना ही इस बीमारी का मुख्य उपाय है।

रुपए का थैला समझकर दस्तावेज ले गए बदमाश

गाजियाबाद। शहर में कुछ भी सुरक्षित नहीं है। सब कुछ बदमाशों के निशाने पर हैं । बदमाश एक ट्रैक्टर से बैग यह समझ कर उठा ले गए कि उसमें भारी भरकम माल मिलेगा लेकिन बैग में मालिक के रुपए तो नहीं थे उसके ट्रैक्टर के समस्त कागजात बैग में थे। जिसके चोरी हो जाने से चोरों को कुछ नहीं मिला लेकिन इस चोरी ने मालिक को परेशानी में डाल दिया। जाानकारी के अनुसार शुक्रवार को मुरादनगर थाने के निकट रहने वाले प्रमोद त्यागी अपना ट्रैक्टर लेकर कहीं जा रहे थे। दिल्ली-मेरठ रोड़ स्थित थाने के सामने ट्रैक्टर खड़ा कर पास ही स्थित घर से कुछ सामान लेने गए। वापिस लौटे तो ट्रैक्टर के टूल किट में रखा बैग नहीं मिला। उसे बदमाश रुपए से भरा बैग समझ कर ले गए । पीड़ित की ओर से थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।

RGCP
RAM GOPAL COLLEGE OF PHARMACY
Sultanpur, Tehsil-Farrukhnagar, Near Sultanpur Bird Sanctuary, Distt. Gurgaon, Haryana
Affiliated to Pt. B.D.Sharma University of health Sciences, Rohtak & Pharmacy Council of India (PCI) and State Govt. Haryana
ADMISSION NOTICE FOR SESSION 2020-21
(For Management quota, Leftover seats, Vacant Seats)
LEET(Lateral Entry) B. Pharma 2nd Year Admission
Admission Procedure: Candidate should have completed 2 years Dimploma in Pharmacy(D.Pharm.) course from either Haryana Board of Technical Education or any other recognized board with a minimum aggregate of 50% (45% for SC/ST Students). Admission on merit based only. Admission as per State Govt. Policy.
Last date of submission of application form - 27/11/2020 till 5:00 pm
Display & merit list and deposition of fees - 28/11/2020 till 04:00 pm
Website - www.ramgopalcollege.com Mob. No - 9310480029

यहां कोरोना पॉजिटिव केस बढ़ने के साथ मौतों का भी बढ़ रहा ग्राफ

गुरुग्राम में नवंबर माह में अब तक कोरोना के 11209 केस आए

नवंबर माह में अब तक कोरोना से 40 लोगों की हुई है मौत

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में जिस तरह से कोरोना के पॉजिटिव केस बढ़ने के साथ मौतों का भी ग्राफ बढ़ रहा है, इससे यहां भयावह स्थिति पैदा होती जा रही है। लोगों को देखकर लगता है कि उन्हें कोरोना का कोई डर, भय नहीं रहा। वे खुलेआम एक-दूसरे से सटकर बाजारों, सड़कों, गलियों में चलते हैं। लोगों की यही लापरवाही कोरोना के इन आंकड़ों में इजाफा कर रही है। इस तरह से तो कोरोना का सामुदायिक फैलाव हो जाएगा।

मार्च माह में मात्र एक कोरोना के पॉजिटिव केस के बाद जिस तरह से यहां पर लगातार कोरोना केस बढ़ते गए, उसी के साथ प्रदेश में चिंता भी बढ़ती गई। अपने चिर-परिचित अंदाज में हरियाणवियों ने कोरोना को लेकर चुटकुले भी खूब बनाए। गीत भी खूब गाए गए, लेकिन कोरोना से बचाव को सरकार, प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइंस की कहीं न कहीं हमने अनदेखी की है।

नियमित रूप से हाथ धोने के नियम को तो हम लगभग भूल ही चुके हैं। लॉकडाउन में भले ही इस परम्परा का निर्वहन किया हो, लेकिन जब से अनलॉक हुआ है, तब से लोग हाथ धोने में आलस्य करने लगे हैं। इसे लापरवाही भी कहा जा सकता है। वैसे तो मास्क लगाने में भी लापरवाही हो रही है, लेकिन मास्क नहीं पहनने पर 500 रुपये का चालान कटने के भय से लोग मास्क लगाने में रुचि दिखा रहे हैं।

हालांकि बहुतेरे तो अभी भी मास्क लगाने में भी लापरवाही बरत रहे हैं। इसीलिए तो पुलिस हर माह लाखों रुपये के चालान मात्र मास्क नहीं लगाने वालों के काट रही है। वाहन चालकों पर तो अब पुलिस की नजर सीट बेल्ट और हेलमेट से अधिक मास्क पर नजर रख रही है। हालांकि यातायात के अन्य नियमों के भी चालान कट रहे हैं।

गुरुग्राम के सदर बाजार में दीपावली पर इस तरह से कोरोना से बेखौफ रहे लोग।

त्योहारी, शादियों के सीजन में हो रही लापरवाही

जनता की लापरवाहियों की वजह से ही कोरोना ने अब सामुदायिक फैलाव का एक तरह से रूप ले लिया है। त्योहारी व शादियों के सीजन में लोगों ने बाजारों में खूब लापरवाही की। हर कोई एक-दूसरे से सटकर चला। दुकानदारों ने भी लोगों को सामाजिक दूरी बनाए रखने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। गुरुग्राम के प्रमुख एवं सबसे अधिक व्यवस्तम रहने वाले सदर बाजार की हालत तो छठ पूजा व इससे पूर्व दीपावली एवं अन्य त्योहारों पर बुरी ही रही। यही कारण है कि कोरोना के एकाएक केस बढ़ने लगे। एक दिन में 100 से भी नीचे आ रहे कोरोना पॉजिटिव केस एकाएक 1000 के करीब पहुंच गए। पहले से चेताया भी गया था कि सर्दियां शुरू होने के साथ कोरोना के केस बढ़ सकते हैं।

कोरोना केसों की इस माह की स्थिति

तारीख	पॉजिटिव केस	मौतें	ठीक हुए
20 नवंबर	793	03	848
19 नवंबर	645	03	543
18 नवंबर	659	03	657
17 नवंबर	588	03	889
16 नवंबर	546	03	784
15 नवंबर	515	01	667
14 नवंबर	504	01	579
13 नवंबर	797	03	685
12 नवंबर	692	03	459
11 नवंबर	726	02	411
08 नवंबर	964	02	412
07 नवंबर	523	01	451
06 नवंबर	704	02	395
05 नवंबर	555	03	405
04 नवंबर	611	03	342
03 नवंबर	460	01	416
02 नवंबर	398	01	305
01 नवंबर	529	02	342
कुल योग	**11209**	**40**	**9590**

हरियाणा को मछली पालन में नंबर वन बनाना है : दलाल

मछली पालन के क्षेत्र में अच्छा उत्पादन करने वाले करीब 22 किसानों को सम्मानित किया

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

हरियाणा के कृषि एवं मतस्य विभाग के मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि अगले एक साल में प्रदेश को मछली पालन के क्षेत्र में नबंर एक बनाना होगा। प्रदेश में मछली पालन में सर्वश्रेष्ठ कार्य उत्पादन करने वाले किसानों को मतस्य विभाग में सलाहाकार नियुक्त किया जाएगा। ताकि मछली का उत्पादन बढ़ाने में उनकी योग्यता को लाभ उठाया जा सके।

शनिवार को सोहना के स्मार्ट ब्यू रिसोर्ट में विश्व मछली पालन दिवस के अवसर पर प्रदेश स्तर का किसानों के साथ सम्मेलन का आयोजन किया। आयोजन में प्रदेश के सभी जिलों से आए किसान, प्रदेश के मतस्य विभाग और कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल समेत मतस्य विभाग के निदेशक पीएस मलिक भी मौजूद थे।

मंत्री जयप्रकाश ने मछली पालन के क्षेत्र में अच्छा उत्पादन करने वाले करीब 22 किसानों को सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मछली पालन रोजगार के क्षेत्र में सबसे अच्छा व्यवसाय है। किसानों को इसे करने में थोड़ा जोखिम तो लेना होगा, इसमें 50 से 60 फीसदी तक की कमाई है। उन्होंने कहा कि मछली पालन में किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए जो परेशानियां आ रही हैं, उन्हें जल्द से जल्द दूर किया जाएगा। चाहे वह बिजली, पानी, खारा पानी, मछली बिक्री के लिए मंडी की सुविधा, किसानों को कम खर्चे पर वाहन सुविधा आदि सुविधाओं को जल्द से जल्द दूर किया जाएगा।

मछली पालन में सर्वश्रेष्ठ उत्पादक किसानों को सम्मानित करते हरियाणा सरकार के कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल।

10 हजार युवाओं को मछली पालन के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य

हर वर्ष प्रदेश में 10 हजार युवाओं को मछली पालन के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य हरियाणा सरकार ने रखा है। ताकि किसान की आय के साथ-साथ उसका परिवार तरक्की कर सके। किसानों की आय को दोगुणा किया जाएगा। अच्छे किसानों को विभाग का सहयोग करने के लिए सहलाकार के पद नियुक्त किया जाएगा। जिसके लिए बहुत ही जल्द समिति बनाकर तैयार की जाएगी। ताकि जिन किसानों को मछली पालन में हानि हो रही है। उन्हे लाभ हो और उसका उत्साह बढ़ सके। केन्द्र सरकार के साथ मिलकर मछली पालन के क्षेत्र में अच्छी योजनाओं को लाया जाएगा। किसानों को अनउपयोगी जमीन को मछली पालन में बदलने का तरीके और खारा पानी में मछली पालन करके तरक्की के रास्ते बताए जाएंगे। हरियाणा में ऐसे किसान भी है। जिन्होंने मछली पालन के क्षेत्र में पदश्री के पुरस्कार प्राप्त किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को संसाधन उपलब्ध करने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री की योजना को अमल लाते हुए हरियाणा आज जो विदेशों में मछली पालन के मामले में दूसरे स्थान पर है। आने वाले साल में हरियाणा प्रथम स्थान प्राप्त कर सके।

प्रॉपर्टी टैक्स नहीं भरने पर सीलिंग के साथ सीवर-पानी के कनेक्शन भी काटे

गुरुग्राम। प्रॉपर्टी टैक्स की अदायगी नहीं करने वालों के खिलाफ नगर निगम गुरुग्राम सख्त हो गया है। इसके तहत एक ओर जहां डिफाल्टरों के सीवर-पानी कनेक्शन काटे जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बिल्डिंगों को सील भी किया जा रहा है।

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा 4 प्रॉपर्टी टैक्स डिफाल्टरों के सीवर-पानी कनेक्शन काटे गए। इनके अलावा जोन-4 क्षेत्र में एक बिल्डिंग को सील भी किया गया। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त विनय प्रताप सिंह द्वारा टैक्स ब्रांच के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे डिफाल्टरों पर लगातार कार्रवाई करें। सीलिंग तथा सीवर-पानी कनेक्शन काटने का यह अभियान लगातार जारी रहेगा। निगम आयुक्त विनय प्रताप सिंह के अनुसार सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के तहत जो प्रॉपर्टी मालिक अपना संपूर्ण बकाया प्रॉपर्टी टैक्स 31 दिसम्बर तक जमा करवाएंगे, उन्हें वर्ष 2010-11 से लेकर वर्ष 2016-17 तक के प्रॉपर्टी टैक्स पर 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। प्रॉपर्टी टैक्स में लगने वाले ब्याज में भी सरकार द्वारा एकमुश्त छूट दी गई है। जिन संपत्ति मालिकों ने विगत तीन वर्षों में अपना प्रॉपर्टी टैक्स 31 जुलाई तक जमा करवाया है, उन्हें नियमित 10 प्रतिशत छूट के साथ अतिरिक्त 10 प्रतिशत छूट भी दी जाएगी। ऑटो डेबिट तरीके से भुगतान करने वालों को 5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट का लाभ मिलेगा।

रामराज भारत मैं आग्या, इब कती अंधेर रहे कोन्या...

हरियाणा कला परिषद की ओर से आयोजित कार्यक्रम में रागनी पेश करते कलाकार।

गुरुग्राम। कोरोना महामारी के कारण लोक कलाकारों को मंच नहीं मिल रहा था। ऐसे में हरियाणा कला परिषद द्वारा प्रारम्भ किए गए आनलाईन कार्यक्रमों में प्रत्येक सप्ताह स्थानीय कलाकार अपनी प्रतिभा को दिखाते हुए हरियाणा की संस्कृति को विस्तार दे रहे हैं। इसी कड़ी में कलाकारों ने हरियाणवी रागनियों, लोकगीतों के माध्यम से जहां सरकार के कार्यों को सराहा, वहीं अपनी संस्कृति से भी रूबरू कराया।

भजन, हरियाणवी हास्य, रागणी, काव्य संध्या के बाद साप्ताहिक कार्यक्रमों में हरियाणवी लोकगीत और भजनों के कार्यक्रम को स्थान मिला। जिसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों के लोक कलाकारों ने हरियाणवी लोकगीतों और भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन कला परिषद के मीडिया प्रभारी विकास शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति लोकगायक कृष्णलाल कापड़ो की रही। जिन्होंने भजन-होगा पार जो ना हरि का रटग्या सुनाया। हिसार से कृष्ण लाल शास्त्री ने गीता उपदेश पर आधारित हरियाणवी गीत-श्री कृष्ण बोले अर्जुन से, तू सुण गीता ज्ञान, शरीर मरा है अमर आत्मा, जाणे सकल जहान सुणाकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अन्य कलाकारों में वेदप्रकाश अत्री ने रामराज भारत मैं आग्या, इब कती अंधेर रहे कोन्या, समुंद्र सिंह ने परदेसी जाणा प्रदेशां ने चा सै और राजा ने ओ ए सखी राम के भजन में लाग्यो, श्रीकृष्ण के भजन में लाग्यो बेड़ा पार होजेगा सुनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कराया।

हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन कहा कि हरियाणा की संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाना ही हरियाणा कला परिषद का दायित्व है, जिसे पूरा करने के लिए कला परिषद निरंतर प्रयासरत है। आनलाइन कार्यक्रमों की सफलता के बारे में बताते हुए संजय भसीन ने कहा कि कोरोना के कहर के कारण कलाकारों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई थी तथा केंद्र सरकार के निर्देशानुसार सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर भी प्रतिबंध था। ऐसे में हरियाणा कला परिषद द्वारा आनलाइन कार्यक्रमों का विचार कर कलाकारों को मंच देने का निर्णय लिया गया। जिसके चलते अक्टूबर माह से आनलाइन कार्यक्रम प्रारम्भ हुए तथा प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को दर्शकों का भरपूर स्नेह मिल रहा है।

तावडू में जल्द लघु सचिवालय, कोर्ट व सेक्टर्स का निर्माण

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

विधायक संजय सिंह ने कहा कि तावडू में जल्द लघु सचिवालय, सिविल कोर्ट व सेक्टर निर्माण होगा। अभी हाल ही में हुए विधानसभा सत्र में उन्होंने पुरजोर तरीके से यह आवाज उठाई है। जिसका मुख्यमंत्री की ओर से सकारात्मक आश्वासन मिला है। तावडू में नपा चेयरपर्सन मनीता गर्ग के आवास पर पत्रकार वार्ता में उन्होंने यह बात कही।

इसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने विधायक से लघु सचिवालय निर्माण विषय को प्रमुखता से रखा। विधायक ने कहा कि गत शुक्रवार को उनकी जिला उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा से इस विषय पर बात हुई है।

चेयरपर्सन के आवास पर विधायक ने सुनीं लोगों की समस्याएं

विधायक ने कहा कि वह दो टूक कहते हैं कि लघु सचिवालय तावडू-बिलासपुर रोड पर स्थित गुढ़ा पंचायत की जमीन पर ही बनेगा। उन्होंने कहा कि 3-5 लोगों की एक टोली है, जो पूरे दिन इसकी शिफ्टिंग को लेकर इधर-उधर चक्कर काटती देखी जा सकती है। ये टोली कई बार उनसे भी आकर मिली है लेकिन उन्होंने इस टोली से स्पष्ट कह दिया है कि वह इस विषय पर चक्कर ना काटे। तभी वहां मौजूद लोगों ने विधायक से कहा कि इस टोली को तावडू के लोग बखूबी जानते हैं।

लघु सचिवालय को तहसील के पीछे बनवाने में इस टोली के निजी स्वार्थ हैं। वहीं विधायक ने कहा कि जल्द ही सीएचसी तावडू की नवनिर्मित बिल्डिंग का उद्घाटन कराया जाएगा। इस अवसर पर ब्लॉक समिति चेयरमैन नरेश यादव, पूर्व जिला पार्षद राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, लालाजी कलवाड़ी, सुशील भारद्वाज, रामबीर ठेकेदार, नपा उपाध्यक्ष कल्लू उर्फ कर्म सिंह, पार्षद पोप सिंह, जोगिंद्र, नरेश ढ़ल, विजयपाल, अश्वनी नासा, मास्टर छतर सिंह, विनोद गोयल उपस्थित थे।

नपा चेयरपर्सन के आवास पर लोगों की समस्याओं को सुनते विधायक संजय सिंह।

मंडल अध्यक्ष की कार्यशैली से असंतुष्ट दिखे विधायक

विधायक संजय सिंह ने नपा चेयरपर्सन के आवास पर जहां लोगों की समस्याओं का निवारण किया वहीं पार्टी के मंडल अध्यक्ष मुकेश शर्मा को फटकार भी लगाई। विधायक मंडलाध्यक्ष की कार्यशैली से असंतुष्ट दिखे। विधायक ने कहा कि 20 नवंबर को तावडू में पार्टी का तय कार्यक्रम कैंसिल कर दिया व मुझे सूचना देना भी मुनासिब नहीं समझा। विधायक ने तैश में आकर यहां तक कह दिया कि आगे से तुम स्वयं ही कार्यक्रम कर लिया करो, मुझे बुलाने की आवश्यकता नहीं है।

हवाई फायार करने पर दो नामजद

पलवल। बाइक सवार युवक को रोककर दहशत फैलाने की नीयत से हवाई फायर किया गया व जान से मारने की धमकी दी गई। कैंप थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी सुरेंद्र के अनुसार इस्लामाबाद निवासी हारुण खान ने शिकायत दी है कि गत 15 नवम्बर को किठवाड़ी से बाइक पर सवार होकर घर आ रहा था। जब आगरा कैनाल नहर पर पहुंचा तो भतीजा इमरान व उसका साथी रुपतम निवासी पर्वतीय कालोनी (फरीदाबाद) बाइक पर आए और रास्ता रोक लिया।

हरियाणा में राशन डिपो में महिलाओं को हिस्सेदारी देने की जरूरत: दुष्यंत चौटाला

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेश में राशन डिपो में महिलाओं को हिस्सेदारी देने की जरूरत है और इसके लिए अगले साल नियमों में बदलाव करके प्रावधान किया जाएगा, जिससे महिलाएं और सशक्त होंगी। वे शनिवार को गुरुग्राम के सेक्टर-10ए में जननायक जनता पार्टी (जजपा) के जिला कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

जजपा संरक्षक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला ने उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला तथा प्रदेश अध्यक्ष सरदार निशान सिंह के साथ पार्टी कार्यालय का रिबन काटकर विधिवत उद्घाटन किया। पार्टी कार्यालय उद्घाटन अवसर पर जुटी भारी भीड़ को संबोधित करते हुए उप-

अगले साल नियमों में बदलाव करके किया जाएगा प्रावधान महिलाएं बनेंगी और सशक्त

मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि गुरुग्राम में खोले के पार्टी कार्यालय का साप्ताहिक शेड्यूल बनाया जाएगा। कार्यालय के माध्यम से आम जनता की छोटी-छोटी समस्याओं जैसे आधार कार्ड बनवाना, राशन कार्ड बनवाना या डोमिसाइल अथवा जाति प्रमाण पत्र आदि बनवाने में आने वाली सरकारी प्रक्रिया की बाधाओं को समाप्त करके लोगों को सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने आशा जताई कि गुरुग्राम जिला के पार्टी पदाधिकारी इस कार्यालय को सुव्यवस्थित व सुचारू रूप से संचालित करेंगे और यह कार्यालय आम जनता की सरकारी प्रक्रिया से जुड़ी दुख तकलीफों को दूर करने में सहायक होगा।

उन्होंने कहा कि हमने चुनाव घोषणा पत्र में जो वायदे किए थे, उनको कानूनी रूप देकर पूरा किया जा रहा है। प्रदेश के युवाओं के लिए प्राइवेट सेक्टर में 75 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान कर दिया गया है। इसका मतलब यह नहीं है कि पहले से लगे दूसरे प्रदेशों के लोगों को हटाया जाएगा, बल्कि आरक्षण का प्रावधान होने के बाद जितने रोजगार सृजित होंगे उनमें प्रदेश के युवाओं को 75 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं में राइट-टू रिकॉल का प्रावधान कर दिया गया है जो कि पूर्व उप-प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवीलाल का एक सपना था। वे कहा करते थे कि जिस पंचायत सदस्य को आप चुनकर भेजते हैं, यदि वह सही ढंग से गांव के विकास के लिये काम नहीं कर रहा है तो उसे वापस बुलाने का अधिकार भी होना होना चाहिए। अब अगर पंचायत चुनाव के एक साल बाद गांव के 50 प्रतिशत या इससे अधिक मतदाता लिखित में देंगे कि हम राइट टू रिकॉल का प्रयोग करना चाहते हैं तो दोबारा से मतदान कराया जाएगा। उसमें दो तिहाई मतदाता किसी सदस्य के खिलाफ मतदान करके उसे वापस बुला सकते हैं अर्थात उसकी सदस्यता समाप्त हो जाएगी।

गुरुग्राम में जजपा के जिला कार्यालय का उद्घाटन करते उप-मुख्यमंत्री दुश्यंत चौटाला व जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला।

फिर से घूमना शुरू हुआ विकास का पहिया: अजय चौटाला

जजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला ने कहा कि कोरोना महामारी की वजह से विकास का जो पहिया रुक गया था, वह अब धीरे-धीरे फिर से घूमना शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय घोषणा पत्र के जरिए जो वायदे हमने किए थे उनको विधिवत कानून बनाकर पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम वर्तमान में प्रदेश में भाजपा के सहयोगी के तौर पर सरकार चला रहे हैं। अपने दादा पूर्व उप-प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवी लाल का स्मरण करते हुए अजय सिंह चौटाला ने कहा कि चौधरी देवीलाल कहा करते थे कि जो वायदा किया है उसे पूरा अवश्य करें, थोथी घोषणाएं नहीं होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

वित्तीय साक्षरता केंद्र की लोकल मॉनिटिंग कमेटी का आयोजन

नूंह। शहर की नई अनाजमंडी स्थित केनरा बैंक द्वारा प्रायोजित अमूल्य वित्तीय साक्षरता केंद्र नूंह द्वारा जिला अग्रणी कार्यालय नूंह में लोकल मॉनिटिंग कमेटी की दूसरी मीटिंग का आयोजन नूंह अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) आलोक कुमार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में एफएलसी की प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की गई। एलडीएम आलोक कुमार ने सुझाव दिया कि बैंक शाखाओं में जाकर कैंप का आयोजन किया जाए। अधिक से अधिक ग्रामीण लोगों को वित्तीय साक्षरता से संबंधित स्कीमों के बारे में अवगत कराएं। नाबार्ड के डीडीएम विजय कुमार नागरा ने कहा कि गरीब लोगों को सरकार द्वारा प्रायोजित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जाए ताकि उन्हें इन स्कीमों को फायदा मिल सके। उन्होंने अमूल्य वित्तीय साक्षरता केंद्र को सुझाव दिया कि असंगठित क्षेत्र के लोगों को अटल पेंशन योजना से जोड़ा जाए। एचएसआरएलएम के डीपीएम अब्दुल रब असरी ने कहा कि स्वयं सहायता समूह को बैंकों से ऋण दिलाने में अधिक से अधिक मदद की जाए। आरसेटी के निदेशक बीरी सिंह ने कहा कि जिले के बेरोजगार युवा-युवतियां ग्रामीण प्रशिक्षण केंद से प्रशिक्षण प्राप्त करके बारे अपना स्वरोजगार स्थापित करें। मीटिंग में कमेटी के सदस्य एसआरएफ फाउंडेशन की प्रोग्राम ऑफिसर निशा जुनेजा, अध्यापिका नाजरीन, किसान अली मोहम्मद, वित्तीय साक्षरता केंद्र के ऑफिस असिस्टेंट दीपक कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

रिहायशी व जाति प्रमाण-पत्र के फार्म के लिए छात्र परेशान

सोहना। सोहना तहसील में पिछले दो माह से रिहायशी व जाति प्रमाण-पत्र के फार्म नहीं मिल रहे हैं। जिससे स्कूल व कॉलेजों में दाखिला लेने वाले छात्रों के रिहायशी व जाति प्रमाण-पत्र नहीं बनने से परेशारी हो रही है। सोहना तहसील में पिछले दो माह से रिहायशी व जातिगत प्रमाण पत्र नहीं बन रहे हैं। जिसका कारण दो माह से तहसील कार्यालय में प्रमाण पत्र बनवाने वाले चक्कर लगाते-लगाते थक गए हैं। सोहना निवासी ओमप्रकाश ने बताया कि उसके बेटे को रोहतक मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेना है। पिछले 10 दिन से वह तहसील कार्यालय में फार्म लेने के लिए चक्कर लगा रहा हैं। हर बार उसे फार्म क्लर्क से जल्द ही फार्म आने का आश्वासन मिलता है। रणबीर ने बताया कि उसे अपने बेटे का दाखिला नवोदय स्कूल में कराना है। वह एक माह से तहसील में चक्कर काट रहा है। लेकिन उसके बेटे का आज तक रिहायशी और जाति प्रमाण पत्र नहीं बन सके। तहसील कार्यालय में रिहायशी व जाति प्रमाण पत्र के लिए फार्म देने वाले क्लर्क गिर्राज शर्मा ने बताया कि 26 सितंबर से फार्म समाप्त हो गए हैं। दो नवंबर से फार्म की मांग करने वालों के नाम व मोबाइल फोन नंबर दर्ज किए जा रहे हैं। जिनकी संख्या करीब 125 तक पहुंच गई है। तहसलीदार बिजेन्द्र राणा ने बताया कि जल्द ही फार्म आ जाएंगे। जिनकी मांग उच्चाधिकारियों से की जा चुकी है। सोमवार व मंगलवार तक उपभोक्ताओं को फार्म मिलने शुरू हो जाएंगे।

हरियाणा की राजनीति में नया इतिहास रचेगी किसान रैली

नूंह। हरियाणा प्रदेश के पिछड़े जिलों में सुमार मेवात इलाके के बड़कली चौक पर आज होने जा रही किसान रैली राजनीति में नया इतिहास रचेगी। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला शिरकत करेंगे। रैली सफल बनाने के लिए मेवात क्षेत्र में लगातार मेहनत की गई। यह बात जजपा के जिला प्रभारी व पूर्व मंत्री आजाद मोहम्मद ने लोगों को रैली का न्योता देते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गठबंधन कर सरकार बनने के बाद यह उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का पहला ऐसा दौरा है, जिसमें वे मेवात के साथ-साथ प्रदेश की बड़ी सुमार होने वाली किसान रैली को संबोधित करेंगे। मेवात के हजारों किसान अपने साधनों से बड़कली चौक रैली में शामिल होंगे और अपनी आस्था जजपा में दिखाएंगे। रैली में प्रदेश अध्यक्ष सरदार निशान सिंह सहित कई वरिष्ठ जजपा नेता शिरकत करेंगे। जिला प्रभारी ने कहा कि आज जजपा का जादू मेवात के हर व्यक्ति पर चढ़ा हुआ है। हर चौराहे, चौपाल और हर जगह सिर्फ उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की बडकली चौक पर होने वाली रैली को लेकर चर्चा कर रहे हैं। लोगों में रैली को लेकर जबरदस्त उत्साह और जुनून है। जिला प्रवक्ता एडवोकेट राहुल जैन ने बताया कि किसान रैली के आयोजक जजपा जिला प्रभारी व पूर्व डिप्टी स्पीकर आजाद मोहम्मद रहेंगे। यह रैली भीड़ के मामले में पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ेगी।

सिविल डिफेंस गुरुग्राम का दो दिवसीय ट्रेनिंग सत्र शुरू

गुरुग्राम। कोरोना महामारी के दौरान अपनी जनसेवा के द्वारा सबका दिल जीतने वाली टीम सिविल डिफेंस गुरुग्राम का दो दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम राजकीय उच्चतर विद्यालय (बाल), गुरुग्राम में शनिवार से शुरू हुआ। इस ट्रेनिंग कार्यक्रम में सदस्यों को सिविल डिफेंस की अवधारणा, इसके वैश्विक व राष्ट्रीय स्तर पर किये गए कार्यों, योगदान व भूमिका, सम्बन्धित विधिक व संस्थागत फ्रेमवर्क के सैद्धान्तिक पक्षों से टीम को अवगत कराया जाएगा। वहीं सिविल डिफेंस के आपदा प्रबंधन में दी गयी भूमिका से सम्बंधित तकनीकी व व्यवहारिक पक्ष से सम्बंधित ट्रेनिंग दी जाएगी। बता दें कि पूरे हरियाणा में सिविल डिफेंस, गुरुग्राम एकमात्र ऐसी टीम है जिसने कोरोना महामारी के दौरान अदम्य साहस व सेवाभाव का परिचय देते हुए गुरुग्राम में राशन वितरण, प्रवासी मजदूरों की घर वापसी, अस्पतालों व क्वारन्टीन में रह रहे लोगो तक आवश्यक सामग्री पहुचाने, कन्टेनमेंट जोन में आवश्यक व्यवस्था में प्रशासन को सहयोग करने, मास्क वितरण, कोरोना के प्रति जागरुकता जैसी अनेक गतिविधियों को संपादित किया था। साथ ही आगजनी, मानसून में यातायात प्रबंधन, खोज व बचाव व खतरनाक बिल्डिंग्स के निस्तारण में सहयोग किया। यह टीम वर्तमान में नगर निगम गुरुग्राम को जीआरएपी का पालन के लिए सुनिश्चित करने के लिए फील्ड से रिपोर्टिंग का काम कर रही है।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार 22 नवंबर, 2020

संक्षिप्त समाचार

बीएमएस ने की अनुबंधित कर्मचारी की मांगों को लेकर बैठक

फरीदाबाद। भारतीय मजदूर संघ फरीदाबाद के प्रतिनिधि मंडल ने बिजली विभाग के एसई के साथ बैठक में अनुबंधित कर्मचारियों संबंधित मांगों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। एसई अनिल यादव के सेक्टर-18 स्थित हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड कार्यालय में संपन्न हुई बैठक में महत्वपूर्ण विषयों को लेकर संबंधित अधिकारियों को समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए। भारतीय मजदूर संघ से संबंधित अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ और हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के मध्य हुई बैठक में मुख्यरूप से आउटसोर्स स्टॉफ संबंधित शिकायतों का निराकरण किया गया। इस मीटिंग में आउटसोर्स स्टाफ के भुगतान में होने वाली देरी, सेलरी स्लिप एवं पीएफ स्लिप नियमित रूप से उपलब्ध कराने, कर्मचारियों के पहचान पत्र जारी कराने, पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराना, ईएसआई चिकित्सा सुविधा एवं चिकित्सा भत्ते की सुविधा, सरप्लस स्टॉफ के ट्रांसफर प्रणाली में गुणात्मक सुधार और सुरक्षा उपकरण एवं टूल्स किट्स उपलब्ध कराने जैसी प्रमुख मांगों पर क्रमवार चर्चा हुई। उपरोक्त सभी मांगों को एसई अनिल यादव ने ध्यान से सुनने के उपरांत संबंधित अधिकारियों को इनके समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए।

आदेश के बाद भी खुले स्कूल

फरीदाबाद। सारन इलाके में सरकार के स्कूल बंद करने के आदेशों का उल्लंघन होता नजर आया। यहां स्कूल बंद करने के आदेशों के बावजूद कुछ स्कूल शनिवार को खुले रहे। गौरतलब है कि हरियाणा सरकार ने 16 नवंबर के बाद स्कूल खोलने का निर्णय लिया था। महज 4-5 दिनों में ही राज्य के कई जिलों में लगभग 200 छात्र-छात्राओं और शिक्षकों में कोरोना का संक्रमण पाया गया। इसलिए हरियाणा विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने 19 नवंबर को ही आदेश जारी किया कि निजी और सरकारी स्कूल 30 नवंबर तक के लिए बंद कर दिए गए हैं। इसके बावजूद जवाहर कॉलोनी में सारन स्कूल रोड की गली नंबर 6 में शनिवार को एक स्कूल खुला पाया गया, जहां बच्चे भी पढ़ रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि इस इलाके में कई स्कूल खुले हैं। सरकारी आदेशों की अवहेलना करना निजी स्कूलों की पुरानी आदत हो गई। ऐसा इसलिए होता है कि स्कूल प्रबंधकों की शिक्षा विभाग के अधिकारियों से गहरी सांठगांठ होती है।

किसानों के मुकदमे मुफ्त में लड़ेगी कांग्रेस की लीगल सेल

फरीदाबाद। सेक्टर-12 स्थित अधिवक्ता चेंबर इमारत में अधिवक्ताओं के एक समूह और जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें हरियाणा कांग्रेस की लीगल सेल के चेयरमैन अधिवक्ता लाल बहादुर खोवाल मुख्य अतिथि थे। उनका फरीदाबाद पहुंचने पर अधिवक्ता विनोद यादव, विपिन यादव, बिजेंद्र यादव, कंवरभान यादव, महेश यादव, हरीश कुमार, अरुण नागर, राजेंद्र सिंह यादव, राजकुमार यादव, अनुज शर्मा, सर्वेश कौशिक, पराग शर्मा, वंदना, सिकंदर शर्मा, जिला बार एसोसिएशन के प्रधान विवेक उर्फ बॉबी रावत और पूर्व प्रधान संजीव चौधरी सहित कई सदस्यों ने उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में लीगल सेल चेयरमैन ने भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने किसान विरोधी कानून बनाए हैं। इन कानूनों से किसान दुखी हैं। विरोध करने पर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के खिलाफ मुकदमें दर्ज करवाए जा रहे हैं।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास

फरीदाबाद। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की जिला कार्यकारिणी की बैठक सेक्टर-11 स्थित जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी कार्यालय के प्रांगण में संपन्न हुई। बैठक में आगामी 26 नवंबर को होने वाले राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया गया। अत्तर सिंह जिला प्रधान की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक की कार्रवाई का संचालन जिला सचिव गांधी सहरावत ने किया इस मौके पर यूनियन के पूर्व राज्य प्रधान एवं सीटू जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल और यूनियन के महासचिव कंवर लाल यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। अपने संबोधन में दोनों नेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार पर जन विरोधी नीतियों को अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जनता की गाढ़ी कमाई से निर्मित सरकारी विभागों का धीरे धीरे निजीकरण किया जा रहा है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जल वितरण के कार्यों को पंचायतों और नए जल घरों को 5 साल के लिए ठेकेदारों को मेंटेनेंस के नाम पर सौंपा जा रहा है। वर्ष 2005 तक विभाग में 22 हजार कर्मचारी था। अब सेवानिवृत्ति और अन्य कारणों से कर्मचारी की संख्या घटकर मात्र 12 हजार रह गई है। जबकि जल घरों का विस्तार हो रहा है नई पाइप लाइन डाली जा रही हैं।

कोरोना महामारी को बढ़ावा दे रही नगर निगम की लापरवाही

स्मार्ट सिटी के बाटा पुल पार भरा हुआ है गंदा पानी

कविता। फरीदाबाद

कोरोना महामारी में जहां स्वच्छता का बढ़ावा देने का पाठ स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन और नगर निगम के द्वारा लोगों को पढ़ाया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ नगर निगम की लापरवाही से बाटा फ्लाईओवर के नीचे नर्क में जीवन जीने को मजबूर हो रहे है लोग। यहां पिछले करीब एक महीने से गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। जिससे यहां दुकानदार और आसपास के निवासियों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ रही है।

जानकारी के मुताबिक बाटा फ्लाईओवर के नीचे राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर जाने वाली सड़क पर करीब एक महीने से नाले का पानी ओवर फ्लो होकर सड़क पर आ रहा है। पानी अब फ्लाईओवर के सामने मथुरा रोड तक पहुंच गया है। लेकिन इस ओर निगम के अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया है। जिससे यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियां हो रही हैं। कई बार इस पानी में लोग गिर चुके हैं, जिससे उन्हें चोटे भी लगी है।

होगी परेशानी

स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क पर भरा पानी धीरे-धीरे मथुरा रोड पर पहुंच रहा है। अगर अभी भी नगर निगम के कर्मचारियों ने ध्यान नहीं दिया तो मथुरा रोड पर सीवरेज का यह पानी भरने से आने वाले समय में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

आपस की लड़ाई

भारतीय प्रवासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने आपस की लड़ाई में काम को अनदेखा करना शुरू कर दिया है। बाटा फ्लाईओवर के पास ही गंदा पानी भरा पड़ा है। लेकिन जनता ने अपनी परेशानियों को दूर करने के लिए जिन नेताओं को चुनाव जिताया है, वहीं नेता उनकी समस्याओं का समाधान नहीं कर रहे है।

नहीं है निकासी

वहां के निवासियों ने कहा कि यहां पैदल निकला मुश्किल है। यहां बनी दुकानों तक पहुंचने के लिए वाहनों का सहयोग लेना पड़ता है। ऐसे में यहां दुकानें चलाना भी मुश्किल हो गया है। पूरे दिन गंदे पानी की बदबू का सामना करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

महामारी को बढ़ावा

फ्लाईओवर के नीचे बह रहा गंदा पानी कोरोना और अन्य बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है। आसपास रहने वाले लोगों में कोरोना की पुष्टि अधिक हो रही है। इसका खुलासा स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों से हुआ है।

अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 ने आरोपी राकेश उर्फ चिक्कू निवासी जवाहर कालोनी फरीदाबाद को दौरान गश्त सेक्टर-29 मास्टर रोड गांव टीकावली से गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 ने बताया कि पुलिस टीम मास्टर रोड पर गस्त कर रही थी आरोपी राकेश उर्फ चिक्कू पुलिस की गाडी को देख कर भाग ने लगा पुलिस टीम ने आरोपी को मौका से काबू कर लिया। आरोपी राकेश उर्फ चिक्कू की तलाशी में एक देसी कट्टा बरामद हुआ। जो आरोपी शौकिया तौर पर अपने पास रखता था। पूछताछ में आरोपी राकेश उर्फ चिक्कू ने बताया की यह कट्टा उसको अलीगढ़ में एक शादी में लड़ाई झगड़े के दौरान किसी अनजान व्यक्ति का यह कट्टा उठा लिया था।

प्रदर्शन मूल्याकंन के लिए धक्के खा रहे अध्यापक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रिंसपल, हेड टीचर या इंचार्जों के कारण अध्यापक वार्षिक प्रदर्शन मूल्याकंन रिपोर्ट तैयार कराने यानि अपार भरवाने के लिए धक्के खा रहे हैं। इसके लिए महिला अध्यापकों को बेहद परेशान किया जा रहा है। अध्यापकों ने इस बारे में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रितु चौधरी को शिकायत की है।

यह है कारण

पहले अध्यापकों की एसीआर लिखी जाती थी, लेकिन अब अपार भरी जाती है। इसमें अध्यापकों के पूरे साल के प्रदर्शन की रिपोर्ट तैयार करनी होती है, लेकिन कुछ प्रिंसिपल या इंचार्ज अपने चेहते अध्यापकों की घर बैठे ही अपार भरते हैं। यहां तक बिना बताए छुट्टी कर लेने वाले अध्यापकों की भी अपार दी जाती है, जो अध्यापक पूरे साल पढाई करवाते, बीएलओ व अन्य कार्यों को करते हैं, उन्हें परेशान होना पड़ता है। खास तौर पर महिला अध्यापकों को परेशान किया जाता है। प्रिंसिपल या हेड टीचर्स महिला अध्यापकों को अपने इशारों पर नचाना चाहते हैं। जब अध्यापक विरोध करते हैं तो उन्हें परेशान किया जाता है।

इन्होंने की शिकायत

इसमें जेबीटी अध्यापकों के साथ-साथ 12वीं कक्षा तक के प्राध्यापक भी शामिल हैं। गांव लकड़पुर, सेहतपुर के सीनियर सेकेंडरी स्कूल समेत अन्य स्कूलों की कई महिला अध्यापकों को भी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। जो अध्यापक 2017 में नौकरी लगे थे, उनकी भी अपार नहीं भरी गई है।

ऐसे में उनकी प्रमोशन या अन्य लाभ नहीं मिल पाता। ये अध्यापक अपने इंचार्ज या हेड टीचर के सामने गिड़गड़ाती रहीं, पर इनका काम नहीं हुआ। परेशान होकर इन अध्यापकों ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रितु चौधरी से शिकायत की। मौलिक अधिकारी ने संबंधी हेड टीचर या पूर्व में इंचार्ज रहे अध्यापक से बात की तो उसने एसडीएम ऑफिस से शिकायतकर्ता महिला अध्यापक की बीएलओ की ड्यूटी लगवा दी। ऐसे अध्यापकों को परेशान किया जाता है। इन अध्यापकों की पीड़ा को जिला शिक्षा अधिकारी या कोई अन्य अधिकारी सुनने वाला नहीं है। उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्हें प्रिंसीपल के ट्रांसफर होने या रिटायर्ड होने के बाद अपार भरने में सबसे अधिक परेशानी होती है। वहीं रिटायर्ड प्रिंसीपलों को ढूंढना मुश्किल हो जाता है।

मिली हैं शिकायतें

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रितु चौधरी ने कहा कि उनके पास अध्यापकों की शिकायतें आई है जिसमें उन्होंने कहा कि है कि उनकी अपार नहीं भरी जा रही हैं। ऐसे हेड टीचर्स को सही ढंग से काम करने की सलाह दी गई है और प्रशासनिक कार्यालयों में बैठे अध्यापकों के बारे में भी अधिकारियों से जानकारी ली जाएगी।

कोरोनाः पांच मौतें, 630 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 36243

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। शनिवार को 630 मरीज बढ़ने से कोविड-19 का आंकड़ा 36243 पर पहुंच गया। वहीं कोरोना वायरस से पीड़ित 5 मरीजों ने पिछले 24 घंटे में दम तोड़ दिया। जिससे जिले में मृतकों की संख्या का आंकड़ा 298 पर पहुंच गया। वहीं राहत की बात यह रही कि जिले में 545 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली है। जिससे जिले का रिकवरी रेट 86.4 प्रतिशत पर पहुंच गया है।

मृतक और पॉजिटिव

मृतकों में तीन महिलाए और दो पुरुष शामिल है। जिसमें सेक्टर-3 निवासी 52 वर्षीय और सेहतपुर निवासी 63 वर्षीय और एनआईटी कल्याण सिंह चौक निवासी 65 वर्षीय महिलाएं शामिल थी। वहीं सेक्टर-59 से 60 वर्षीय और एनएच-5 निवासी 91 वर्षीय दो पुरुष शामिल है। यह पांचों कोरोना के अलावा अन्य कई बीमारियों से ग्रस्त थे। वहीं 630 में सेक्टर-76, 32, 7, 3, 75, 88, 49, 25, 10, 18, 16, 28, 31, 55, 22, 50, 87, 81, 82, 75, 29, 25, 16, 62, 15, 20, 60, 89, 20, 52, 18, 92, तिगांव, भूपानी, सेक्टर-11, एसजीएम नगर, संजय कालोनी, पर्वतीया कालोनी, प्रेम नगर, भगत सिंह कालोनी, भूड कालोनी, डबुआ, नेहरू कालोनी, जवाहर कालोनी, टिकावली, जीवन नगर, गाजीपुर, एनएच-5, यादव कालोनी, पल्ला, आदर्श कालोनी, बसेलवा कालोनी, नरहावली, ग्रीनफिल्ड कालोनी, छांयसा, शिव कालोनी, अमर नगर, जनता कालोनी, बड़ौली, खेड़ी कला, पुरी प्रणायाम, प्रिंसेस पार्क के अलावा अन्य कई इलाकों से मरीज शामिल है।

यह है आंकड़ा

अब तक जांच	294381
अब तक पॉजिटिव	36243
अब तक नेगेटिव	257737
रिपोर्ट बाकी	401
गंभीर हालत में भर्ती	82
वेंटिलेटर पर भर्ती	15
अब तक मौते	298
अब तक ठीक	31305

टैक्स के विरोध में मंडियों में हो सकती है हड़ताल

फरीदाबाद। हरियाणा की सभी सब्जी मंडियों में हड़ताल हो सकती है। आढ़तियों ने इस आशय का हरियाणा सरकार को अल्टीमेटम दिया है। इसे लेकर फरीदाबाद की डबुआ सब्जी मंडी में शनिवार को हरियाणा सब्जी मंडी एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। इसमें मुख्य रूप से एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष नितिन जागू और उपाध्यक्ष आशीष पुरुथी शामिल हुए। बैठक में सभी आढ़तियों ने समवेत स्वर में राज्य सरकार से मांग की कि या तो सरकार उन पर लगाया गया 2 प्रतिशत टैक्स वापस ले, नहीं तो वे पूरे राज्य की मंडियों में हड़ताल करने पर विवश हो जाएंगे। अध्यक्ष नितिन जागू ने बताया कि सब्जी मंडी के बाहर यदि कोई सब्जी बेचता है, तो उस पर कोई टैक्स नहीं लगता है। यदि कोई सब्जी मंडी के अंदर सब्जी बेचता है, तो उस पर 2 प्रतिशत कर लगता है। यह हमारे साथ भेदभाव है। अध्यक्ष जागू ने कहा कि एसोसिएशन की ओर से 29 अक्टूबर को सरकार को ज्ञापन देकर सीएम मनोहर लाल से मिलने का समय मांगा गया था। अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। इसलिए हम अब सभी जिलों में बात करके हड़ताल करेंगे। उपाध्यक्ष आशीष पुरुथी ने कहा कि उनकी एसोसिएशन 40 वर्षो से काम कर रही है। अब एसोसिएशन के पदाधिकारी सभी जिलों में संपर्क कर रहे हैं। ताकि हड़ताल को कामयाब बनाया जा सके। पुरुथी ने अल्टीमेटम देते हुए कहा कि सरकार उनसे बात करे और उनकी मांग माने, नहीं तो वे हड़ताल को मजबूर हो जाएंगे।

तलाशी के दौरान संदिग्ध से मिला अवैध कट्टा

फरीदाबाद। क्राईम ब्रांच सेक्टर-85 ने आरोपी राजिव उर्फ भोला निवासी पहाडी नम्बर-3 डबुआ फरीदाबाद को दौरान गस्त भारत कालोनी कच्चा रोड से गिरफ्तार किया है। क्राईम ब्रांच सेक्टर-85 ने बताया कि पुलिस टीम भारत कालोनी कच्चा रोड पर गस्त कर रही थी आरोपी राजीव उर्फ भोला वहां से गुजर रहा था पुलिस को संदिग्ध होने पर पुलिस ने जब उसको रूकने को कहा तो वह भागने लगा पुलिस ने दबोच कर तलाशी ली तो आरोपी से कट्टा बरामद हुआ। जिस पर आरोपी के खिलाफ पुलिस ने थाना खेड़ी पुल में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया है। आरोपी ने बताया कि आरोपी शौकिया तौर पर अपने पास रखता था। पूछताछ में आरोपी उपरोक्त ने बताया कि आरोपी यह देसी कट्टा उत्तर प्रदेश से खरीद कर लाया है। उपरोक्त आरोपी अपने दोस्त इस्लाम निवासी हरी नगर फरीदाबद से मिलने आया था। क्राईम ब्रांच सेक्टर 85 ने हरीनगर मे इस्लाम नाम के व्यक्ति को तलाशा पर इस नाम का कोई व्यक्ति हरीनगर मे रहना नही पाया गया।

मास्क व यातायात नियम तोड़ने पर 1.93 करोड जुर्माना वसूला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस कोरोना वायरस के चलते एक तरफ लापरवाह लोगों के चालान काट कर सबक सिखा रही है तो दूसरी तरफ लोगों को मास्क बांटकर जागरूक भी कर रही हैं। फरीदाबाद पुलिस ने बीते एक दिन में मास्क ना पहनने वाले 819 लोगों के चालान किए हैं। इसके अलावा बीते एक दिन में ही 10715 लोगों को जागरूक भी किया है।

इसके अलावा पुलिस ने कोरोना वायरस के दौरान अभी तक 38626 लोगों के चालान किए हैं और साथ ही नुक्कड़ सभाएं करके 1,70,000 लोगों को कोरोना वायरस के प्रति जागरूक भी किया है।

पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, डॉक्टर अर्पित जैन ने कहा कि सभी जानते हैं कि कोरोना वायरस तेजी से फैल रहा है जैसे ही सर्दी शुरू हुई है तो इसके मामले ज्यादा आने शुरू हो गए हैं। सर्दी और बढ़ते हुए प्रदूषण के चलते कोरोनावायरस पहले से ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। फरीदाबाद वासियों से अपील की जाती है कि घर से बाहर निकलते ही मास्क का इस्तेमाल करें। अपने आसपास रहने वाले लोगों और रिश्तेदारों को इस संबंध में जागरूक करें। फरीदाबाद पुलिस प्रतिदिन चालान कर रही है और लोगों को जागरूक भी कर रही है। थाना पुलिस और ट्रैफिक पुलिस हर रोज बाजार, दुकान, गली, मोहल्ले, चोराहे, सड़क और पार्क इत्यादि जगहों पर पर मास्क बांट रही है।

बैंक रहा बंद

फरीदाबाद। सारन चौक के निकट स्थित केनारा बैंक में कार्यरत कुछ कर्मचारियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई। जिससे शनिवार को बैंक बंद रहा। इसका पता तब लगा, जब बैंक के उपभोक्ता ट्रांजेक्शन के लिए शाखा में पहुंचे, तो बैंक बंद मिला। उपभोक्ताओं ने पड़ताल की, तो उन्हें बताया कि बैंक के कुछ कर्मचारियों को कोरोना हो गया है। इसलिए बैंक को बंद कर दिया गया है।

खरीफ फसल के खरीद कार्य को सरकारी हिदायतें की जारी : एसडीएम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एसडीएम अपराजिता ने कहा कि स्थानीय अनाज मण्डी बल्लभगढ़ और मोहना अनाज मण्डी में खरीफ फसल खरीद का कार्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार चल रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों अनाज मण्डियों में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार बाजरा की सरकारी खरीद एक अक्टूबर से और पीआर किस्म धान की खरीद 5 अक्टूबर से शुरू की गई थी। उपमंडल में आज शनिवार को अब तक धान की कुल 5 लाख 99 हजार 857 क्विंटल, बाजरा 29 हजार 993 क्विंटल और कपास की 18 हजार 774 क्विंटल खरीद की गई है। खरीद का कार्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार और दोनों अनाज मण्डियों में कोविड-19 के संक्रमण के बचाव के लिए सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार नियमों की सही पालना के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कृषि विपणन बोर्ड तथा सरकारी खरीद एजेंसियों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिये हैं।

चलो एक नई शुरुआत करें, बाल विवाह का नाश करें

बाल मजदूरी है अपराध, आओ इसे रोकने का करें प्रयास : हिमांशु भट्ट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बच्चे डरें नहीं बल्कि हमारे बीच सुरक्षित और संरक्षित महसूस करें। हर बच्चे को उसका अधिकार मिले, उसका संरक्षण हो। बाल संरक्षण के लिए 'महफूज़' शीर्षक से अंतराष्ट्रीय स्तर पर बाल अधिकार सप्ताह (16 नवंबर से 22 नवंबर) मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत बाल अधिकार सप्ताह महफूज के छठे दिन सेक्टर 25 में जज्बा फाउंडेशन के द्वारा जन बाल कल्याण समिति के सहयोग से लगभग 150 लोगों को जागरूक करने का कार्य किया गया। जागरूकता अभियान के अन्तर्गत जज्बा फाउंडेशन के अध्यक्ष हिमांशु भट्ट ने लोगों को सम्बोधित करते हुए बताया की शिक्षा के आभाव के कारण लोगों को अपने अधिकारों की जानकारी न होने की वजह से लोग अपने अधिकारों का उपयोग नहीं कर पा रहे है। इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाल अधिकार (7 दिन 7 मुद्दे) सप्ताह बनाया जा रहा है जिसके अंतर्गत जज्बा फाउंडेशन के स्वयं सेवकों के द्वारा शहर के अलग अलग स्थानों पर जाकर बाल अधिकारों की जानकारी दी जा रही है। जिसके अन्तर्गत बाल विवाह, बाल मजदूरी, पॉक्सो कानून, लैंगिक शोषण, भीख मंगवाना, जीवन जीने का अधिकार, विकास का अधिकार, सहभागिता का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार, थाने में बच्चों से जुड़े मामले का अधिकार, पुलिस हेल्पलाइन: 100, महिला हेल्पलाइन: 1091, एवम चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 अदि की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। ताकि लोग अपने अधिकारों के प्रति सजग रहे और उनका फायदा उठा सके। आज छटे दिन लोगों को बाल विवाह के अंतर्गत जानकारी देते हुए बताया गया कि और नारा दिया गया। 'चलो नई शुरुआत करें बाल विवाह का नाश करें', 'होने दो उसका विकास, शादी करके न तोड़ो उसकी आस' इसके अलावा लोगों को जानकारी देते हुए बताया गया कि आज देश व प्रदेश में 14 साल से कम उम्र के बच्चों से काम करवाना और भीख मंगवाना कानूनन अपराध है। इस अवसर पर जिला समन्वयक अधिकारी (खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग) श्रीमती सुनीता ने भी लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि हमारे विभाग के द्वारा भी महिलाओं के विकास के लिए कई प्रकार की साहसिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहता है।

जिसके अंतर्गत युवाओं के लिए कई अड्वेंचर कैम्पस के माध्यम से ट्रैकिंग, वाटर स्पोर्ट्स, एवम सांस्कृतिक कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। ताकि युवाओं का अलग अलग क्षेत्र में विकास हो सके।

इस अवसर पर जन बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष राकेश टोंगर ने बताया की यदि देश के प्रत्येक नागरिक को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी हो इसके लिए देश के युवाओं को इस अभियान का हिस्सा बनाना होगा और बाल अधिकारों की सुनिश्चित में एक कदम बढ़ाना होगा। इस अवसर पर राहुल वर्मा, प्रवेश, शेफली, गौरव, अभिषेक देशवाल आदि मौजूद रहे।

व्यापारी से दस लाख ठगने वाला आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आपको बताते चले की पकड़ा गया आरोपी प्रेमचन्द निवासी गढ़मुक्तेश्वर हापुड उत्तर प्रदेश का रहने वाला है, जिसका साला व मुख्य आरोपी नरेश ऑटो चलाने का काम करता है। बीकानेर राजस्थान के खोवा व्यापारी अक्सर उसी का ही ऑटो किराए पर लेकर जाते थे। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि अपने साले नरेश के साथ मिलकर योजना बनाई थी कि बिकानेर, राजस्थान से, बीकानेर मिष्ठान भंडारों पर कुछ व्यापारी खोवा सप्लाई करने के लिए आते हैं। व्यापारी बाद मे अपने खोवा की पेमेंट मिष्ठान भंडारों से इकट्ठा करते है। जिसके लिए वो मुख्य आरोपी नरेश का ऑटो किराए पर लेते है। जैसे ही वे दुकानों से रुपये इकट्ठा करेंगे मुख्य आरोपी ऑटो लेकर फरार हो जाएगा।

पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक योजना के अनुसार मुख्य आरोपी नरेश दिनांक 16 नवम्बर को व्यापारियों ने जब अपनी सभी पेमेंट इकट्ठी कर ली तब थाना कोतवाली एरिया से आरोपी ने व्यापारियों को धोखा देते हुए, ऑटो में रखे 10 लाख रुपये लेकर ऑटो सहित फरार हो गया था। आरोपी ने यह रुपए गढ़मुक्तेश्वर जाकर अपने जीजा प्रेमचन्द को दे दिए। योजना के अनुसार प्रेमचन्द घटना वाले दिन पहले ही नरेश के बच्चों को मानेसर गुड़गांव से किराए का मकान खाली करके हापुड उत्तर प्रदेश लेकर चला गया।

बेहतर ढंग से निबटना होगा आतंकवाद से

चूंकि वैश्विक स्तर पर धार्मिक रूप से अभिप्रेरित हमले बढ़ते जा रहे हैं, इस अवधारणा को त्यागना होगा कि एक के लिए आतंकवादी दूसरे के लिए स्वतंत्रता सेनानी हो सकता है।

सुधीर हिन्दवान
(लेखक राजनीतिशास्त्र के प्रोफेसर हैं।)

विएना में हुई गोलीबारी की घटनाएं धार्मिक अस्मिता के जानबूझकर किए जाने वाले गलत निर्वचन के घृणित परिणाम हैं। इस प्रकार के विमर्श की परिणिति फ्रांस में इतिहास के एक शिक्षक का सिर काटे जाने एवं नाइस में तीन निरपराध लोगों को चाकू मारे जाने आदि हिंसक घटनाओं के रूप में हुई है। इन सभी घटनाओं से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि पश्च-आधुनिक आतंकवाद आमतौर से सारे विश्व तथा खासकर यूरोप में प्रभावी होने की संभावना है। ये हमले उन बहुत से सामाजिक-राजनीतिक एवं वैश्विक मुद्दों की याद दिलाते हैं जिनसे यूरोप का सामना हुआ है। आस्ट्रियाई चांसलर सेबास्टियन कुर्ज ने पहले ही जो हटिंगटन के सभ्यताओं के संघर्ष सिद्धांत की ओर संकेत किया था वह सच होता नजर आ रहा है। उसने एक इस्लामवादी आतंकी द्वारा किए गए आतंकी हमले को हमारी जीवन शैली, हमारे लोकतंत्र के प्रति घृणा भाव से प्रेरित करार दिया।

धार्मिक रूप से प्रेरित ऐसे प्रतिकारी हमलों में बढ़ोतरी आतंकवाद के एक घातक दौर के आरम्भ का सूचक है। यूरोप की सीमाओं पर आब्रजन एवं मानव तस्करी के उठते ज्वार ने फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के समक्ष गंभीर प्रचालन सामग्री संबंधी एवं सुरक्षा चुनौतियां पेश की हैं। निस्संदेह ये यूरोप के नेताओं के लिए निर्धारक पल हैं। अब समय आ गया है कि देशों द्वारा समस्या का सामने से मुकाबला करने के लिए परिष्कृत कार्यतंत्र विकसित करें क्योंकि इसने पहले से ही विविध देशों के बीच तनाव को जन्म दिया है और वैश्विक स्तर पर मानव व्यापार एवं शरणार्थियों की समस्या को पेचीदा बना दिया है। कुछ इलाकों में, प्रवासियों एवं शरणार्थियों की समस्याओं का परिणाम तंग हालत के रूप में सामने आया है। शरणार्थियों का प्रवाह, जो अफगानिस्तान व उजबेकिस्तान में व्याप्त अशांति के कारण भागकर आए हैं, उन्होंने मध्य एशिया गणतंत्रों में विद्यमान हिंसा व अपराध की समस्याओं में नए आयाम जोड़ दिए हैं। वैश्वीकरण के दौर में, दुनिया छोटी व एकीकृत होती जा रही है लेकिन अपने अंदरूनी विरोधाभासों के कारण, यह टुकड़ों में विभाजित होकर अत्यधिक साम्प्रदायिक स्थान का रूप लेती जा रही है।

हालिया घटनाओं को अलग-थलग करके नहीं देखा जा सकता। इतिहास ऐसी विविध त्रासद घटनाओं का गवाह रहा है। चंद वर्ष पूर्व, ओकलाहोमा शहर में नागरिकों पर बमबारी, जिसमें 200 लोग हताहत हुए थे, ने दुनियाभर को हिला दिया था। टोक्यो के उक उपमार्ग पर मुख्य ट्रेन स्टेशन में हुए एक रहस्यात्मक गैस हमले में 12 लोग मारे गए और लगभग 5,000 घायल हुए थे। इससे भी खतरनाक संकेत मिलते हैं। ऐसे सभी कृत्य उन योजनाओं के हिंसक चरम परिणितियां थीं जिन्हें आतंकवादियों द्वारा सावधानीपूर्वक अंजाम दिया गया था। इसी प्रकार, भारत, रूस, स्पेन, यूके, अमेरिका, इटली, इस्राइल, और चीन समेत दुनिया के अधिकतर देश किसी न किसी प्रकार आतंकवादी गतिविधियों के कारण मुसीबतें झेल रहे हैं। यद्यपि हिंसा स्वयं में निंदनीय है, शायद ही कभी कोई आतंकवादी हमला शून्य प्रभाव वाला होता है, जिसका कोई गहन प्रभाव न पड़ता हो। और हिंसा का ढांचा प्राय: समाज तथा सामाजिक दशाओं में स्थित होता है, जो न केवल उन्हें पैदा करती हैं बल्कि पोषित एवं पुनर्स्थापित भी करती हैं। हिंसा की पुनरावृत्ति समाज के राज निकाय का लक्षण होती है, जो विविध खतरों एवं तनावों से परिपूर्ण होती है।

प्राय:, सामाजिक दशाएं जो संघर्षों को जन्म देती हैं उनके बाहरी निर्देशांक होते हैं। बहुत से विशेषज्ञों के लिए धार्मिक रूप से प्रेरित सोच से प्रेरित आतंकवाद से निबटने, उन नई चुनौतियों के कारण है जो पश्च आधुनिक जगत के सामने आ रही हैं और इनका कारण वे अतीत की गलतियां हैं कि काले को तब तक काला नहीं कहा गया जब तक मुसीबत स्वयं उनके पिछवाड़े आकर खड़ी नहीं हो गई। बहुत से समाज विज्ञानियों के लिए एक वैश्वीकृत जगत में आतंकवाद से निबटना, शक्ति की मिति अत्यधिक दृश्य, अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के असमान ढांचे पर निर्भर करता है। विश्व के विभिन्न हिस्सों में सामाजिक-आर्थिक दशाओं के बीच ऐसे अंतरसंबंध दैनिक रूप से और अधिक स्वाभाविक होते जा रहे हैं। एक अन्य स्तर पर, पश्च शीत युद्ध अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक-आर्थिक व्यवस्था अभी भी शक्ति के खेल की शिकार है जो दुनिया पर तत्कालीन बड़ी ताकतों ने थोपा था। संपूर्ण पश्चिमी एशियाई क्षेत्र में अमेरिका व उसके सहयोगी देशों द्वारा बुने गए शक्ति संजाल ने लगभग प्रत्येक राज्य में

बदलते परिवेश में, सुरक्षा तंत्र एवं पुलिस को आतंरिक सुरक्षा बनाए रखने के मामले में दशकों के अनुभव पर आधारित तकनीकी एवं पेशेवर विशेषज्ञों को साथ लाकर गतिविधियों का विविधीकरण करना चाहिए। जब तक हम आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार नहीं करते, हमें केवल सतही किस्म की राहत ही मिल पाएगी और आतंकवाद का कुल परिणाम बढ़ता जाएगा।

विरोधी ताकतों के आक्रोश को भड़काया जहां अमेरिका के स्वार्थ आधारित संबंध थे। इस प्रकार, क्योंकि समाज वैश्वीकृत हुए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी अंतर-समाजीय अंतरक्रियाओं के द्वारा अपारदर्शिता के आवरण हटाए गए, अल्प विकसित देशों में लोग अपनी निम्न सामाजिक-आर्थिक दशा के लिए बड़ी ताकतों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। सारी दुनिया में चंद देशों द्वारा समर्थित आतंकवादी संगठनों के बीच एक सुगम सहयोग का अंतरराष्ट्रीय संजाल रहा है। उदाहरण के लिए, कश्मीर में आतंकवाद फैलाने में पाकिस्तान की संलिप्तता तथा जापान की रेड आर्मी का इटली की रेड ब्रिगेड के साथ सहयोग को ही ले लीजिए। कभी-कभी यह मीडिया द्वारा की जाने वाली व्यापक कवरेज है जो आतंकवाद के लिए औचित्य मुहैया कराती है और उसके बढ़ावा देकर समस्या को बढ़ाती है। यह शास्त्रीय उदाहरण है कि कैसे कुटिल मीडिया प्रबंधन आतंकवाद का का प्रतिकार करने के नैनिक विरोध के स्तर को क्षीण कर सकता है। ताजा उदाहरण है अल कायदा, आईएसआईएस और लश्करे तैय्यबा के बीच घृणित गठजोड़। उनके घातक संयोजन ने शांति और सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।

यूरोपीय देशों ने अकेले ही 1990 के बाद से 8,500 आतंकवादी घटनाएं देखी हैं, जो कुल वैश्विक घटनाओं के 29 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करती हैं। 2016 के बाद से स्थिति और भी निर्बल हो चुकी है और यूरोपीय देशों में अवैध पलायन के मामले इसके उदाहरण हैं। भयावह प्रभावों के साथ आधुनिक आतंकवाद के उभार की परिणिति राष्ट्रीय कानून-व्यवस्था मशीनरी को मजबूत करने की मांग में परिणित हुई है। पुलिस तथा सुरक्षा एजेंसियों पर दबाव बढ़ता जा रहा है। लेकिन वर्तमान कानून अभी भी कई समस्याएं प्रस्तुत करते हैं। आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए पुलिस तथा अर्ध सैनिक बलों के इस्तेमाल से ये आशंकाएं पैदा हुई हैं कि इसकी परिणिति आम जनता के दमन के रूप में हो सकती है। आश्चर्यजनक रूप से, आतंकवाद की एक उचित कानूनी परिभाषा अभी भी निश्चित होना बाकी है। आतंकवाद के दमन हेतु एक साझा रणनीति विकसित करने को लेकर विविध सरकारों के बीच बढ़ती खाई को उसमें निहित खतरे की क्षमता के संदर्भ में देखे जाने की आवश्यकता है। आतंकवाद के दमन हेतु यूरोपीय कन्वेंशन भी अनुच्छेद-5 और अनुच्छेद-13 से प्रतिबंधित है, जो कई आधारों पर किसी आतंकवादी के प्रत्यारोपण से इनकार करता है। एक ऐसे माहौल में जहां आतंकी हिंसा अंतरनिहित है और दुनिया निराशाजनक रूप से विविध कानूनों में विभाजित है, सभी देशों को आतंकवाद से निबटने के लिए अपने राष्ट्रीय विशेषाधिकारों को त्याग देना चाहिए।

राज्य प्रायोजित आतंकवाद को नियंत्रित करने के लिए बहुत से प्रयास किए गए हैं, जैसे कि आर्थिक प्रतिबंधों के द्वारा, लेकिन अभी तक वे किसी आम सहमति पर नहीं पहुचे हैं चाहे राष्ट्रीय स्तर पर हो या वैश्विक स्तर पर। पिछले दो दशकों के दौरान, बढ़ती नशीले पदार्थों की तस्करी एवं नशे के तस्करों व आतंकवादियों के बीच कायम खतरनाक अपवित्र गठजोड़ के चलते आंतरिक राज्य सुरक्षा संजालों के लिए गंभीर समस्याएं पैदा हुई हैं और विभिन्न देश स्वयं को संगठित कर ऐसे गठजोड़ के विरुद्ध लड़ाई छेड़ने को विवश हो गए हैं। मगर कठोर नशीले पदार्थ विरोधी कानूनों का क्रियान्वयन मात्र प्रभावी नहीं हो सकता जब तक न्यायिक प्रक्रिया को त्वरित कार्यवाही हेतु सुधारा नहीं जाएगा। आतंकवाद से संबंधित अनिश्चितताओं की निरंतरता ने विविध देशों को आतंकवाद के विरुद्ध मनोवैज्ञानिक लड़ाई छेड़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।

नाटो देशों तथा जापान द्वारा कुछ वर्ष पूर्व आयोजित लंदन आर्थिक सम्मेलन आतंकवाद के उन्मूलन के लिए एक और भूचिन्ह साबित हुआ है, जिसमें निर्णय लिया गया था कि जब तक हम आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार नहीं करेंगे, केवल सतही राहत मिल सकती है लेकिन हिंसा बढ़ती रहेगी। सामान्य जागरूकता एवं आतंकवादी कृत्यों के खिलाफ जन समर्थन संगठित करना काफी उपयोगी हो सकता है। यद्यपि पुलिस तथा सशस्त्र बलों को स्थानीय समस्याओं के लिए बेहतर सूचित निर्णय लागू करना वांछनीय है, मगर एक खतरा निश्चित रूप से है कि सरकार का यह प्रयास उनको मिलने वाले लाभों को क्षीण कर सकता है जो इसके योग्य हैं और इस प्रकार शांति तथा मोलभाव की संभावना भी क्षीण हो सकती है।

चूंकि वैश्विक स्तर पर धार्मिक रूप से अभिप्रेरित आतंकवादी हमले बढ़ते जा रहे हैं, ऐसे में इस अवधारणा को त्यागना होगा कि एक के लिए आतंकवादी दूसरे के लिए स्वतंत्रता सेनानी हो सकता है। स्थानीय जनता को निजी समस्या की कीमत पर भी कानून क्रियान्वयन मशीनरी के साथ सहयोग करना चाहिए तथा विविध देशों द्वारा आतंकी मनोवृत्ति पर नियंत्रण हेतु त्वरित एवं कठोर निर्णय लेने चाहिए। बदलते परिवेश में, सुरक्षा तंत्र एवं पुलिस को आतंरिक सुरक्षा बनाए रखने के मामले में दशकों के अनुभव पर आधारित तकनीकी एवं पेशेवर विशेषज्ञों को साथ लाकर गतिविधियों का विविधीकरण करना चाहिए। इस बाबत सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू है सुरक्षा आवश्यताओं की प्रत्याशा की क्षमता विकसित किया जाना। इसके लिए सुरक्षा स्थितियों की निगरानी हेतु विशेषीकृत पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की आवश्यकता है। जब तक हम आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार नहीं करते, हमें केवल सतही किस्म की राहत ही मिल पाएगी और आतंकवाद का कुल परिणाम बढ़ता जाएगा।

भारतीय बीज उद्योग का विकास

कृषि-निवेश उद्योग के एक क्षेत्र के रूप में भारतीय बीज उद्योग का तेजी से विकास हो रहा है। पिछले चार दशकों में यहां खोज व विकास जीवन्त रूप से आगे बढ़ा है।

इंद्रशेखर सिंह
(लेखक भारतीय राष्ट्रीय बीज संघ के निदेशक हैं।)

पिछले 50 साल में भारतीय बीज उद्योग ने तेजी से विकास किया है। उसने हजारों पुरुषों व महिलाओं की लगातार विशेषज्ञता बढ़ाई है तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत शोध एवं विकास-आरएंडडी ढांचा तैयार किया है। भारत में विविधतापूर्ण कृषि-जलवायु स्थितियां, उच्च स्तरीय तकनीकी विशेषज्ञता, प्रशिक्षित व कुशल श्रमशक्ति, उपयुक्त भूमि तथा कृषि के लिए समुचित मात्रा में सूर्य का प्रकाश उपलब्ध है। इसलिए भारत में दुनिया को प्रमुख बीज सप्लाई केन्द्र के रूप में विकसित होने की असाधारण क्षमता है। हम सभी प्रकार की फसलों, सब्जियों, चारों व फूलों के बीज सप्लाई कर सकते हैं। हालांकि, नए व उभरते हुए बिजनेस आपरेटिंग माडलों व प्रक्रियाओं पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है जिनका संबंध तकनीकी हस्तक्षेपों से है। 'आत्मनिर्भर कृषि' के अंग के रूप में भारतीय बीज उद्योग को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

कृषि-निवेश उद्योग के उप-क्षेत्र के रूप में भारतीय बीज उद्योग पिछले चार दशकों से खोज एवं विकास के मामले में सर्वाधिक जीवन्त है। उसने भारतीय किसानों की उत्पादकता व मुनाफे में काफी वृद्धि की है। बीज कानून, नया बीज कानून 1988 तथा 2002 की राष्ट्रीय बीज नीति ने गुणवत्तापूर्ण बीजों के लिए संतुलित विधायी ढांचा प्रदान किया है। इससे इस क्षेत्र में निजी क्षेत्र की सहभागिता को बढ़ावा मिला है जिसका आधार मूल रूप से सरकारी बीज व्यवस्थायें हैं। लेकिन सुधारों व नीतिगत हस्तक्षेपों को आगे बढ़ाने के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। बीज उद्योग को और मजबूत करने के लिए नई तकनीकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें नई व बेहतर पौध किस्मों के विकास के लिए फास्टट्रैक ब्रीडिंग कार्यक्रम में मालीक्यूलर-मार्कर आधारित चयन दृष्टिकोण शामिल है। गुणवत्ता आंकलन व्यवस्था के रूप में बायोतकनीकी व मालीक्यूलर दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। उभरते क्षेत्र के रूप में बायोतकनीक व नैनो तकनीक का प्रयोग उत्पादकता तथा किसानों का मुनाफा बढ़ाने के लिए हो सकता है। इसका अर्थ जैविक चीजों से बीजों का शोधन शामिल है। बीज उद्योग इसे बड़े पैमाने पर लागू कर सकता है।

भारतीय बीज उद्योग वैश्विक रूप से प्रतियोगी, निर्यातोन्मुख तथा आत्मनिर्भर उद्योग बन सकता है। खासकर एशियाई, अफ्रीकन, पूर्वी यूरोपीय व दक्षिण अमेरिकी देशों को बीजों का निर्यात बढ़ाया जा सकता है जहां भारत जैसी कृषि-जलवायु परिस्थितियां हैं। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर ध्यान देना होगा। अधिकांश देश बीज निर्यात के लिए सैनिटरी व फाइटोसैनिटरी प्रमाणों के आधार पर अनुमति देते हैं। आयात करने वाला देश यह सुनिश्चित करता है कि बीज उसके कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल हों। वर्तमान समय में बीज उद्योग को निर्यात के लिए खास प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है, जबकि इसकी संभावना प्रति वर्ष 5 बिलियन डालर की है। भारत अनेक उपयुक्त कृषि-जलवायु परिस्थितियों वाले देशों में सस्ते दामों पर बीजों का निर्यात कर सकता है। इसके लिए निम्न प्रोत्साहन दिए जा सकते हैं :

निर्यातित बीजों की कीमत के 20 प्रतिशत प्रोत्साहन पर विचार करना चाहिए क्योंकि दवा व वस्त्र उद्योग में इस प्रकार के प्रोत्साहन लंबे समय से उपलब्ध हैं और इन्होंने शुरुआती स्तर पर निर्यात बढ़ाने में योगदान किया है। पांच साल बाद इन प्रोत्साहनों को घटा कर 10 प्रतिशत किया जा सकता है। अगले पांच वर्षों के लिए इस हेतु 100 करोड़ तथा उसके बाद अगले 6 से 10 साल के लिए 100 करोड़ रुपये का आबंटन काफी होगा। किसी अन्य देश में बीज किस्म मूल्यांकन पर होने वाले खर्च की प्रतिपूर्ति भी उचित नीति है। इस पर भी विचार किया जा सकता है क्योंकि बीज कंपनियों को किस्मों के मूल्यांकन पर भारी खर्च करना पड़ा है और यह निर्यात आदेश पाने की पूर्व शर्त है। सरकार को इस खर्च की कम से कम 75 प्रतिशत प्रतिपूर्ति करनी चाहिए। निर्यात उद्देश्यों से पौध किस्म मूल्यांकन प्रतिपूर्ति के लिए अगले 10 वर्ष हेतु 100 करोड़ रुपये का प्राविधान काफी होगा। बीज उत्पादक आयात करने वाले देशों की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं और इससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ सकता है। इसलिए उनको 30 प्रतिशत सब्सिडी से पुरस्कृत किया जा सकता है। भारत में लंबे समय से बीज निर्यात प्रोत्साहन परिषद की कमी अनुभव की जा रही है। सरकार को व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन परिषद के अंतर्गत एक उद्योग प्रतिनिधि को नियुक्त कर सुनिश्चित करना चाहिए कि उत्पादित कृषि बीजों का कम से कम 10 प्रतिशत निर्यात हो।

भारत में मुख्यत: तीन बीज उत्पादन केन्द्र हैं। लेकिन हम अपनी विविधतापूर्ण कृषि-जलवायु परिस्थितियों के चलते अफ्रीका से एशियान देशों तक की मांग पूरी कर सकते हैं। सरकार को विशेष कृषि क्षेत्रों में निर्यात उद्देश्य से ब्रीडिंग के लिए भारतीय और विदेशी बीज कंपनियों को अनुमति देने की आवश्यकता है। ये क्षेत्र एसईजेड की तरह काम कर सकते हैं। उनको ड्राई डॉक, परिवहन सुविधाओं, बीज परीक्षण सुविधाओं तथा तेजी से निर्यात हेतु अन्य सुविधायें दी जा सकती हैं। अनुमतियां तेजी से प्राप्त करने के लिए एक सिंगिल विंडो व्यवस्था काउंटर भी यहां बनाया जा सकता है।

'आत्मनिर्भर कृषि' या आत्मनिर्भर बीज उद्योग के लिए सार्क बाजारों तथा सार्क देशों के बीच बेहतर आर्थिक संबंधों की आवश्यकता है। सरकार और उद्योग को एकसाथ आगे आ कर सार्क बीज फोरम का गठन करना चाहिए जो इस उप महाद्वीप में बिजनेस सुगमता को प्रोत्साहित करने के साथ ही बिना किसी बाधा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार सुनिश्चित करेगा। यह संस्था सार्क देशों के बीच नीति एवं नियामक पैरोकारी के लिए केवल आर्थिक मामलों पर काम करने वाली होनी चाहिए। यदि हम यह अभियान आगे बढ़ा सके तो भारतीय बीज उद्योग की असाधारण प्रगति सुनिश्चित होगी।

जलवायु परिवर्तन वैश्विक स्तर पर तेजी से बीजों की मांग में बदलाव कर रहा है। बहुत जल्दी ही अनेक देशों के पास इस संकट से निपटने के लिए वित्तीय संसाधनों का अभाव हो सकता है। लेकिन भारत सारी दुनिया के लिए बीज शोध का केंद्र बन सकता है। हमारा विविधतापूर्ण जलवायु परिवेश हमें ऐसी नई किस्में विकसित करने का अवसर प्रदान करता है जो अनेक देशों के उपयुक्त हों। सही समय पर आने वाली एक या दो किस्मों से भी किसी देश की किस्मत बदल सकती है और इससे भारत को करोड़ों डालर की आमदनी सुनिश्चित हो सकती है।

जलवायु परिवर्तन वैश्विक स्तर पर तेजी से बीजों की मांग में बदलाव कर रहा है। बहुत जल्दी ही अनेक देशों के पास इस संकट से निपटने के लिए वित्तीय संसाधनों का अभाव हो सकता है। लेकिन भारत सारी दुनिया के लिए बीज शोध का केंद्र बन सकता है। हमारा विविधतापूर्ण जलवायु परिवेश हमें ऐसी नई किस्में विकसित करने का अवसर प्रदान करता है जो अनेक देशों के उपयुक्त हों। सही समय पर आने वाली एक या दो किस्मों से भी किसी देश की किस्मत बदल सकती है और इससे भारत को करोड़ों डालर की आमदनी सुनिश्चित हो सकती है। इसलिए सरकार को भारतीय आरएंडडी कंपनियों के लिए विकास अनुदान की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि वे भावी चुनौतियों का सामना करने योग्य बन सकें। उनको अफ्रीका, लैटिन अमेरिका व एशियान देशों का बीज बैंक बनने के लिए मांग का आंकलन करना होगा। सरकार अफ्रीकी देशों के साथ साझेदारी कर उनके बीज आरएंड डी की हमारे लिए आउटसोर्सिंग कर सकती है। इससे खोज को बढ़ावा मिलेगा तथा कम विकसित देशों की पहुंच सस्ते शोध व बीजों तक बन सकेगी।

खिचड़ी की चर्चा

वैसे तो सत्ता के गलियारे में खाने पीने की किसी चीज की चर्चा होना अजीब सा लगता है लेकिन हकीकत यह है कि इन दिनों एक आईएएस अधिकारी के घर में बनी खिचड़ी की चर्चा जोरों पर है। यह अधिकारी मुख्यमंत्री के बहुत करीबी हैं और अपनी हर छोटी बडी बात इनसे साझा करते हैं। यही वजह है कि सीएम दफ्तर में इनकी धमक अपने अन्य वरिष्ठ अफसरों से कहीं ज्यादा है।सत्ता के गलियारे में खिचड़ी की चर्चा के पीछे की वजह जानने की कवायद में पता चला कि इस अधिकारी को अभी हाल में एक दिन भोर से लेकर देर रात तक मुख्यमंत्री आवास पर रहना पड़ा। इस दिन इस अधिकारी के घर से लंच आया। बताते हैं कि मौका निकाल कर यह अधिकारी जब सीएम आवास पर लंच करने जा रहे थे तभी मुख्यमंत्री भी आ गये और उन्होने लंच शेयर किया। लंच में खिचड़ी भी थी जो मुख्यमंत्री को बहुत पसंद आयी। कुछ दिन तो बात दबी रही लेकिन एक दिन खुद सीएम ने टीम 11 की बैठक में इस अधिकारी की खिचड़ी की तारीफ कर दी। बस यही से खिचड़ी पर चर्चा छिड़ गई और इन दिनों सत्ता के गलियारे में अक्सर खिचड़ी की चर्चा सुनी जा सकती है।

रवायत निभाते

लखनऊ के नवाबों के किस्से तो एक से बढ़कर एक हैं ही। ये किस्से पूरे अवध में फैले हुए हैं लेकिन इन किस्सों के बीच इस दौर में आन बान और शान दिखाना भारी पड़ रहा है। बात आंखों देखी है। अब अपने आखिरी नवाब साहब को ही ले लीजिए। आज के जमाने में मतलब तो कुछ निकलता नहीं पर अपनी परम्परा का आज भी पालन करते हुए यदा कदा सार्वजनिक तौर पर दिख जाते हैं। अभी हाल ही में 100 साल का सफर पूरा कर रहे संस्थान में एक ऐतिहासिक यात्रा के दौरान नवाब साहब अपनी चिर परिचित शैली में बग्घी पर सवार दिखाई दिए। वैसे मौका तो था दूसरा मगर नवाब साहब को देखकर लगा कि अभी भी वह कुछ परम्पराओं का निर्वहन बखूबी कर रहे हैं और अपनी पदवी से आने वाली पीढ़ी को अहसास भी करा रहे हैं।

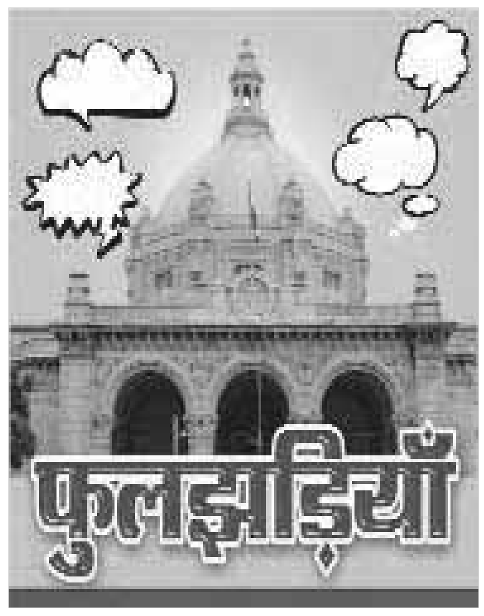

ओम हुआ गुम

समाज में ओम का बड़ा महत्व रहा है। ओम के स्वर से जीवन प्रकाश मय हो जाता है लेकिन आजकल समाजवाद में ओम का कोई महत्व नहीं रह गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि ओम कहीं दूर अंधकार में खो सा गया है। इसीलिए उसका प्रकाश कहीं भी दिखाई नहीं पड़ रहा है। कभी समय था जब इसी ओम के प्रकाश की समाजवाद में काफी धमक थी। ओम का विशाल स्वरूप दूर से ही दिखाई पड़ जाता था लेकिन उस दौरान समाजवाद काफी मुलायम हुआ करता था पर अब वही समाजवाद काफी कठोर सा दिखता है। इसीलिए शायद इस मौजूदा समाजवाद को ओम के प्रकाश की आवश्यकता नहीं है। शायद यही कारण है कि काफी लंबे समय से समाजवाद में ओम का प्रकाश दिखाई नहीं पड़ा है । अंधकार में लुप्त हुआ पड़ा है। ऐसा प्रतीत होता है कि ओम का प्रकाश मौजूदा समाजवाद में अपना विश्वास नहीं बना पा रहा है वहीं दूसरी ओर अपने मूल स्वभाव को भूल कर आधुनिकता की दौड़ में शामिल समाजवाद ओम के प्रकाश की अहमियत को नजरअंदाज किये अंधकार की ओर भागता जा रहा है।

हम से बढ़कर कौन

बॉस के आगे कर्मचारियों में एक दूसरे से बेहतर साबित करने की होड़ तो सभी ने देखी होगी लेकिन सूबे में महाराज जी के सामने दो मंत्रियों में अपने आप को बेहतर साबित करने की होड़ मची हुई है। दोनों मंत्रियों के विभाग यूपी में निवेश को बढ़ाने की जिम्मेदारी संभाले हैं। एक मंत्री महोदय जो कि धार्मिक नगरी से आते हैं वह यूपी के परंपरागत उत्पादों को लेकर यूपी में निवेश बढ़ाने के लिए लगे हुए हैं जबकि दूसरे माननीय कारखानों के शहर कहे जाने वाले जिले से आते हैं। उनके पास भी निवेश बढ़ाने की जिम्मेदारी है। एक मंत्री महोदय से मीडिया से बात करके अपनी उपलब्धि गिनाई तो दूसरे मंत्री महोदय ने अगले दिन लखनऊ लौटकर महाराज जी की तारीफ करते हुए निवेश की बात कही। बहरहाल इन सब के बीच कुछ अधिकारी जरूर मौज काट रहे है क्योंकि मामला हमसे बढ़कर कौन साबित करने वाला जो ठहरा।

फाइल-एक खोज

एलडीए के नये बड़े साहब अभी कुछ समझ पाते कि आवास, प्लाटों से संबंधित तीस हजार फाइल लापता हो गयी। साहब ठहरे नये नवेले। समझ नहीं आया क्या एक्शन लें। लेकिन बिना एक्शन लिए काम भी नहीं चलता। फिर क्या था। साहब ने सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दे डाला। अब भला साहब को कौन बताए कि जो मुलाजिम सांसद, विधायक और माफियाओं से नहीं डरते, तीसरी आंख उनका क्या बिगाड़ेगी। मुख्यमंत्री का यह विभाग अब भला इनके अर्दब में कैसे आए। यही नहीं कई बार मुख्यमंत्री की फटकार के बाद कुछ दिनों के लिए राम राज्य विभाग में जरूर आता है लेकिन समय बीतते ही रावण राज्य कायम हो जाता है। फिर यह तो एक जिले के शीर्ष अधिकारी मात्र हैं। सीएम का विभाग कैसे सुधरेगा। यह विभाग ऐसी मांद है जहां एक से बढ़कर एक बब्बर शेर रहते हैं। कुछ भी कहो साहब ने तीस हजार फाइलों को ढूंढने में अपनी फौज लगा दी है और साथ ही तकनीक की भी मदद ली जा रही है।

सुनील पांडेय होंगे नए प्रधान मुख्य वन संरक्षक

लखनऊ। भारतीय वन सेवा 1984 बैच के अधिकारी सुनील पाण्डेय प्रदेश के नए प्रधान मुख्य वन संरक्षकए वन्यजीव होंगे। वह डॉ. राजीव कुमार गर्ग का स्थान लेंगे जो अगले माह 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सुनील पांडेय की नियुक्ति को स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर इस पदस्थापना की जानकारी दी है।

जिला विकास अधिकारी, संभल निलंबित

लखनऊ। अनुशासनहीनता और स्वेच्छाचारिता का व्यवहार सम्भल के जिला विकास अधिकारी को भारी पड़ गया। अनुशासनहीनता के आरोपों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल के जिला विकास अधिकारी रामसेवक को निलंबित करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर इस कार्रवाई की जानकारी दी है। निलंबित किये गये जिला विकास अधिकारी पर उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करनेए आईजीआरएस अंतर्गत आख्या प्रेषित न करनेए अधीनस्थों से अभद्रता करने और बगैर समुचित अनुमति के जनपद मुख्यालय से बाहर जाने सहित अनुशासनहीनता और स्वेच्छाचारिता के अनेक आरोप प्रथमदृष्टया सिद्ध हुए हैं। जवाब मांगे जाने पर भी आरोपी अधिकारी की ओर से जवाब नहीं दिया गया। यही नहीं पूर्व की तैनाती के दौरान भी रामसेवक पर मनमानी करने के तमाम मामले सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से इनको निलंबित करने का आदेश दिया है। प्रकरण की गहन जांच के लिए संयुक्त विकास आयुक्तए बरेली मंडल को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

किसान दलालों व बिचैलियों के हाथों कम दामों पर धान बेचने को मजबूर

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार बार-बार अनुरोध करने के बावजूद भी किसानों को धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिलाने में पूरी तरह असफ्ल साबित हो रही है और किसान दलालों एवं बिचैलियों के हाथों 900-1100 रुपए (नौ सौ से ग्यारह सौ रुपए) प्रति कुंतल में धान बेंचने को मजबूर हो गया है जबकि धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1868 रुण् प्रति कुंतल निर्धारित किया गया हैए और यह कोई चोरी छिपे नहीं हो रहा है बल्कि खुलेआम किसान के साथ यह लूट हो रही है । उत्तर प्रदेश सरकार खुलेआम चलने वाली इस लूट को क्यों नहीं रोकती और क्यों नहीं किसानों को उनका अधिकार दिलाती। तिवारी ने कहा है कि बड़े. बड़े दावे तथा बड़ी-बड़ी बातें करने वाली प्रदेश सरकार के सामने किसानों के साथ खुलेआम यह लूट हो रही हैए और प्रदेष सरकार इसे रोकने में पूर्णत: असफल है। प्रदेश सरकार दावे करती थी कि प्रदेश में इतना उत्पादन हुआ है इतना विक्रय होगा। आखिर वे दावे कहां हैं घ् किसानों के हकों पर क्रय केन्द्रों की मिलीभगत से डाका डाला जा रहा हैए जहां पर कभी बोरे के नाम पर खरीददारी नहीं होती है तो कोई अन्य बहाना बनाकर किसानों को दलालों और बिचैलियों के हाथों धान बेंचने को मजबूर किया जाता है और किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य 1868 रुण् प्रति कुंतल से काफी कम कीमत 900-1100 रुपए (नौ सौ से ग्यारह सौ रुपए) प्रति कुंतल में धान बेंचने को मजबूर हो जाता है।

कोविड की जंग जीतने को दो कदम आगे सोचें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना की जंग जीतने के लिए इससे दो कदम आगे की सोच रखे जाने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्यों विशेष रूप से दिल्ली में कोविड.19 की सेकेंड वेव के मद्देनजर प्रदेश में पूरी सतर्कता बरती जाए। कोविड.19 से बचाव व उपचार की प्रभावी व्यवस्था को बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कहा कि कोविड.19 से बचाव के संबंध में लोगों को लगातार जागरूक किया जाए। इस काम में उपयोग किए जा रहे पब्लिक एड्रेस सिस्टम को और सक्रिय किया जाए। कोविड.19 से बचाव के संबंध में लोगों को जागरूक करने के लिए गृहए ग्राम्य विकास, नगर विकास, राजस्व, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास विभागों के पब्लिक एड्रेस सिस्टम का उपयोग किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि लोग मास्क को अनिवार्य रूप से लगाएं, इसके लिए प्रत्येक जिले में डीएमए एसएसपी व एसपी और सीएमओ के साथ विभिन्न संगठनों व स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ एक बैठक करें। उन्होंने मास्क न पहनने वालों पर प्रवर्तन की कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। कोविड.19 की चेन को तोड़ने में मेडिकल टेस्टिंग की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे ध्यान में रखकर प्रदेश में टेस्टिंग कार्य पूरी क्षमता से संचालित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रतिदिन किए जाने वाले मेडिकल टेस्ट में एक तिहाई आरटीपीसीआर और शेष दो तिहाई टेस्ट रैपिड एंटीजन विधि से हों। उन्होंने कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग और सर्विलांस सिस्टम को मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाहरी राज्य से आने वाले लोगों की प्रभावी कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग की जाए। रेलवे स्टेशन और एअरपोर्ट पर कोरोना के दृष्टिगत स्क्रीनिंग की जाए। एम्बुलेंस सेवा को पूरी सक्रियता से संचालित किया जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों व मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को प्रतिदिन सुबह कोविड चिकित्सालय और शाम को इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में अनिवार्य रूप से बैठक कर कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-संजीवनी एप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

राज्यपाल को मुख्यमंत्री ने दी जन्मदिन की बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शनिवार को राजभवन में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्वाती सिंह, मुख्य सचिव आरके तिवारी, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी, सूचना आयुक्त किरणबाला, मनकामेश्वर मंदिर की महन्त दिव्यागिरी एवं प्रख्यात लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने भेंटकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी राज्यपाल को जन्मदिन की बधाई दी। राज्यपाल ने आज राजभवन के गुलमोहर क्लब में उद्यमिता विकास संस्थान, लखनऊ तथा आसमा हुसैन इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलॉजी के सहयोग से राजभवन परिवार की महिलाओं के लिए प्रदेश सरकार की योजना (एक जिला-एक उत्पाद)के अन्तर्गत आयोजित 3 माह के चिकनकारी एवं जरदोजी के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यहां महिलाएं कुछ न कुछ सीखने का प्रयास करने जा रही हैं। हम इधर.उधर अपना समय बर्बाद कर देते हैंए उसमें से थोड़ा सा समय निकालकर सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी बच्चियों में कौशल एवं क्षमता है और उन्हें नया सीखने के लिए सतत प्रयास करना चाहिए।

जातिवाद-क्षेत्रवाद व वंशवाद की राजनीति करने वालों को जनता नकार रही है: राधा मोहन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह ने शनिवार मुरादाबाद में बरेली मुरादाबाद शिक्षक क्षेत्र के विधान परिषद चुनाव को लेकर पार्टी पदाधिकारियों की बैठक को सम्बोधित किया। राधा मोहन सिंह ने कहा कि जातिवाद, क्षेत्रवाद और वंशवाद की राजनीति करने वाले दलों को जनता लगातार नकार रही है। मोदी-योगी के नेतृत्व में भाजपा सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास का जो मंत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिया उसी को आत्मसात करते हुए भाजपा सरकार काम कर रही है।

प्रदेश प्रभारी ने बैठक में उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का अवाहन किया कि वे मोदी-योगी की सरकारों द्वारा किये गए लोककल्याणकारी योजनाओं का लेखा-जोखा लेकर विधान परिषद चुनाव के लिए मतदाताओं से सम्पर्क व संवाद स्थापित करें। राधा मोहन सिंह ने कहा कि विधान परिषद के चुनाव में मतदाताओं से सम्पर्क व संवाद जीत का आधार बनेगा। पार्टी में उत्तर प्रदेश में स्नातकों एवं शिक्षकों को अपने से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से स्नातक एवं शिक्षक क्षेत्र के विधान परिषद के चुनावों में अपने प्रत्याशी खड़े किये हैं। प्रदेश प्रभारी ने कहा कि शिक्षक स्नातक क्षेत्र के विधान परिषद के इस चुनाव में मतदाताओं का आशीर्वाद व समर्थन भाजपा को मिलेगा और पार्टी ऐतिहासिक विजय प्राप्त करेगी। प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने बैठक में उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ता स्कूल, कालेजों और मतदाताओं के घर-घर जाकर भाजपा प्रत्याशी को वोट देने की अपील करें। मतदाताओं से व्यक्तिगत सम्पर्क व संवाद पार्टी की जीत का मार्गप्रशस्त करेगा।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कमी में परिवार नियोजन सेवाओं की अहम भूमिका: जय प्रताप सिंह

लखनऊ। प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने शनिवार को कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भी परिवार नियोजन सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। समुदाय स्तर पर परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता और स्वीकार्यता बढ़ाने पर योगी सरकार का पूरा जोर है। एक अनूठी पहल के तहत अब हर माह की 21 तारीख को खुशहाल परिवार दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह पूरे प्रदेश में शुरू हुए खुशहाल परिवार दिवस के शुभारंभ अवसर पर ने संयुक्त जिला चिकित्सालयएजनपद सिद्धार्थ नगर में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में परिवार नियोजन सेवाओं की समुदाय स्तर पर निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए परिवार नियोजन साधनों की ग्राह्यता को बढ़ाना बहुत जरूरी है। इस पहल के तहत लक्षित समूह के परिवार नियोजन के साधन अपनाने पर खास ध्यान दिया जाएगा। पहली जनवरी के बाद प्रसव वाली वे महिलाएं जो उच्च जोखिम गर्भावस्था के रूप में चिन्हित गयीं थींए नव विवाहित दम्पति ;जिनका विवाह इस साल जनवरी के बाद हुआ हैद्ध और वह योग्य दम्पति जिनके तीन या तीन से अधिक बच्चे हैं। इन्हें लक्षित समूह में शामिल कर खुशहाल परिवार की जानकारी से परिचित कराया जाएगा। इससे पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने जागरूता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और फीता काटकर दिवस का उद्घाटन किया।

मत्स्य विभाग उत्तर प्रदेश को मिला बेस्ट इनलैंड स्टेट का देश में प्रथम पुरस्कार मिला

लखनऊ। विश्व मात्स्यिकी दिवस के अवसर पर मत्स्य विभागए उत्तर प्रदेश को बेस्ट स्टेट कैटिगरी में ष्बेस्ट इनलैण्ड स्टेटष् का देश में प्रथम पुरस्कार मिला है। शनिवार को मत्स्य विकास मंत्री लक्ष्मी नारायण चैधरी जी ने यह पुरस्कार भारत सरकार के मत्स्य पालनए पशुपालन और डेयरी मंत्रालयए एवं राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्डए हैदराबाद के तत्वावधान में एपी शिंदे सिम्पोसियम हॉलए एनएएससी कॉम्प्लेक्सए पूसाए नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में भारत सरकार के मत्स्य पालनए पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री प्रताप चन्द्र सारंगी द्वारा ग्रहण किया । उत्तर प्रदेश को मत्स्य उत्पादकता एवं उत्पादन में वृद्धि के दृष्टिगत बेस्ट स्टेट कैटिगरी में बेस्ट इनलैण्ड स्टेट की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार के रूप में 10 लाख रूपयेए प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुए है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के पशुधनए मत्स्य विकास एवं दुग्ध विकास मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण चैधरी जी द्वारा उत्तर प्रदेश में एफएफपीओ के गठनए प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत संचालित किये जाने वाले कार्यक्रमों हेतु अधिक से अधिक केन्द्रीय सहायता उपलब्ध कराये जाने हेतु बल दिया गया। उन्होनें प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार उत्तर प्रदेश को मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और मछुआ समुदाय के उत्थान के लिए दृढ़संकल्पित और निरन्तर प्रयत्नशील है। उन्होनें कहा कि मत्स्य विकास के क्षेत्र में राज्य सरकार की प्रभावी व दूरदर्शी नीतियों का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश को बेस्ट स्टेट कैटिगरी में बेस्ट इनलैण्ड स्टेट का देश में प्रथम पुरस्कार मिला है।

भाजपा सरकार को जनसामान्य के स्वास्थ्य और जीवन की कोई चिंता नहीं

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार को जनसामान्य के स्वास्थ्य और जीवन की कोई चिंता नहीं है। प्रदेश में अवैध शराब का कारोबार सत्ता के संरक्षण में चल रहा है। मुख्यमंत्री जी के बड़बोलेपन के बावजूद जहरीली शराब का धंधा दो गुनी रफ्तार से चल रहा है। अब तक दर्जनों लोग जहरीली शराब पीकर अपनी जान गंवा बैठे हैं। शराब माफ्यिाओं के हौंसले इतने बढ़े हुए है कि वे सरकारी कायदे कानूनों को ठेंगा दिखाते हुए तस्करी और अवैध शराब की बिक्री खुलेआम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि प्रदेश में पुलिस और आबकारी विभाग की जानकारी में ही अवैध ढंग से शराब की तस्करी और जहरीली शराब बनाने और बेचने का काम हो रहा है। बाराबंकी में 12 लोगों की मौत हुई है। जहरीली शराब पीकर हापुड़ कोतवाली क्षेत्र में 12 लोगों की मौत हुई। सहारनपुर में 64 मौतें हुई जबकि फ्रिोजाबाद में 2 लोग मरे। प्रयागराज के फूलपुर क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से 6 लोगों की मौत हो गई। इटावाए रामपुरए जालौन में भी भी मौतें हुई है। नकली जहरीली शराब पीकर मौतों का यह सिलसिला बदस्तूर जारी है। पहले भी कई दर्दनाक घटनाएं हो चुकी हैं परन्तु कोई इनसे सबक नहीं लेता है। भाजपा सरकार की संवेदनहीनता की हद है कि नकली शराब के धंधेबाजों पर नकेल कसने में वह अब तक गम्भीर नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसमें विभागीय संलिप्तता की भी जांच कर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

रेलवे ओवरब्रिज और फ्लाईओवर के कार्यों को तेजी से कराने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को जनवरी में खोलने की योजना: अवनीश कुमार अवस्थी

यूपी सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को सरकार जनवरी में शुरू करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसलिए इस प्रोजेक्ट की हर सप्ताह समीक्षा और प्रतिदिन मानीटरिंग की जा रही है। शनिवार को यूपीडा के सीईओ अवनीश कुमार अवस्थी ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का स्थलीय निरीक्षण किया और अधिकारियों को जनवरी तक काम पूरा करने के लिए निर्देश दिए। सबसे पहले अवनीश अवस्थी ने लखनऊ स्थित चांदसराय से निरीक्षण की शुरुवात की और एक्सप्रेसवे के पैकेज 1 के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। यहां पर बनने वाले रेलवे ओवर ब्रिज का निरीक्षण करते हुए उन्होंने निर्देशित किया की निर्माण कार्य मे तेजी लाई जाए तथा रेलवे विभाग से यथावश्यक अनुमति प्राप्त कर जनवरी के अंत तक कार्य पूर्ण कर लिया जाए। इसके साथ ही फ्लाईओवर व रेलवे ओवर ब्रिज के अप्रोच के लिए आरई वाल को 15 जनवरी तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त श्री अवस्थी ने एक्सप्रेसवे पर निर्माणाधीन टोल प्लाजा का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दशा मे 31 मार्च 2021 तक टोल प्लाजा का निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए तथा जिन उपकरणों को विदेश से मंगाया जाना है उनको मंगाने की प्रक्रिया तत्काल प्रारम्भ की जाए। एक्सप्रेसवे के पैकेज 1 के निरीक्षण के दौरान श्री अवस्थी ने खेतों में कार्यरत कुछ महिलाओं से वार्ता की तथा एक्सप्रेसवे के विषय में उनकी राय पूछी तो महिलाओं नें एक्सप्रेसवे के निर्माण को लेकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की है। इन महिलाओं में शामिल मिथिलेश ने बताया कि इस एक्सप्रेसवे के बन जाने से काफी फायदा होगा। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे एनएच 56 को ऊपर से क्रास कर रहा है। अत: इन जगहों पर फ्लाईओवर के गर्डर लांचिंग के लिए एनएचएआई से अनुमति प्राप्त कर सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कार्य कराने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजर को श्री अवस्थी ने निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान श्री अवस्थी ने चेनेज 13230 पर डीबीएम तथा बीसी के कार्य की जांच अपने समक्ष करायी। उन्होने कोर कटिंग कराकर कार्य को मानक के अनुरूप पाया। अवनीश अवस्थी ने पैकेज 2 का दौरा किया और संरचनाओं के कार्यों की जांच की तथा परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और 26 जनवरी 2021 तक पूर्वांचल एक्सप्रेसवे परियोजना को पूरा करने और यातायात के लिए खोलने के लिए संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया। पैकेज 3 में रायबरेली अयोध्या मार्ग पर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के चैनेज पर बनने वाले फ्लाईओवर पर गर्डर लॉन्चिंग का कार्य मुख्यकार्यपालक अधिकारी के सम्मुख किया गया।

इसके साथ ही उनके द्वारा अन्य स्ट्रक्चर्स के काम को पूरा करने की समय सीमा के बारे में पूछा गया जिसके बारे में प्रोजेक्ट मैनेजर एप्को और पीआईयू 3 के अधिशासी अभियंता द्वारा सभी स्ट्रक्चरर्स के कार्य को दिसम्बर 2020 तक पूरा कर लिए जाने की बात कही गई। उल्लेखनीय है कि लखनऊ के चांदसराय से गाजीपुर के हैदरिया तक कुल 341 किलोमीटर लम्बे एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य इन दिनों तेजी से किया जा रहा है वर्तमान में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का 64 प्रतिशत भौतिक कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस एक्सप्रेसवे को जनवरी 2021 में यातायात के लिए खोलने की योजना है।

वोट के लिए देशहित को दांव पर लगाने वालों को बेनकाब करें बीजेपी कार्यकर्ता

- कांग्रेस देश की एकता व सामाजिक ताने-बाने में आग लगाने की सजिश में जुटे हैं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

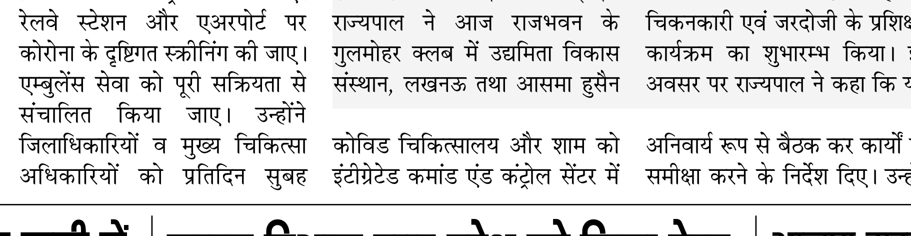

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार देश व प्रदेश के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। दूसरी ओर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल देश की एकता व अखण्डता और सामाजिक ताने-बाने में आग लगाने की साजिश में जुटे हुए हैं।

एमएलसी चुनाव को लेकर पार्टी मुख्यालय पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हम सब ने देखा था कि प्रदेश में उपचुनाव से पहले किस तरह विपक्षी दलों ने उत्तर प्रदेश में जातीय हिंसा भड़काने का कुचक्र रचा था लेकिन योगी सरकार की दक्षता से उनके मंसूबे सफ ल नही हो सके। उत्तर प्रदेश की जनता ने भी उपचुनावों में विपक्ष को नकार कर उनके कुचक्र का करारा जबाब दिया। इन सब के बावजूद अब कांग्रेस शान्ति की ओर लौट रहे जम्मू-कश्मीर को अशान्त कर और अलगाववादियों के हौसलों को बढाने के लिए गुपकार समझौते का अंग बनी हुई है। जिस चीन और पाकिस्तान के खिलाफ हमारे जवान लड़ रहे है और पूरा देश उन जवानों के पीछे खड़ा है। वहीं गुपकार में शामिल दल धारा 370 की बहाली के लिए चीन और पाकिस्तान की मदद लेने की बात कर रहे है। उन्होंने कहा कि वोट हित के लिए देश हित को दांव पर लगाने वाली इन पार्टियों का चेहरा जनता के बीच जाकर बेनकाब करने का काम कार्यकर्ता करें।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि शिक्षक, स्नातक क्षेत्र के लिए विधान परिषद चुनाव में मतदाता देश का वह शिक्षित तबका है जो नीतियों के निर्माण व क्रियान्वयन में अपना योगदान देता है। वह विपक्ष के दोहरे रवैये और कुत्सित राजनीति को भली-भांति समझता है। हमें पार्टी प्रत्याशी के विजय के संकल्प के साथ प्रत्येक मतदाता से सम्पर्क व संवाद स्थापित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ-सबका विकास व सबका विश्वास के मूलमंत्र पर काम करते हुए लोककल्याण के कार्य कर रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का अवाहन किया कि वे पूर्व की भांति विधान परिषद के चुनावों में भी प्रत्येक मतदाता से व्यक्तिगत सम्पर्क व संवाद स्थापित करें। उन्होंने कहा कि हम मोदी-योगी सरकार द्वारा जनहित में किये गए कार्यों और कार्यकर्ताओं के परिश्रम के बल पर विधान परिषद के चुनावों में भी विजय हासिल करेगें।

योगी सरकार शराब माफियाओं पर नकेल कसने में नाकाम: प्रियंका

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार जहरीली शराब का धंधा कर रहे माफियाओं पर नकेल कसने में नाकाम रही है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि यूपी में लखनऊए फ्रिोजाबादए हापुड़ए मथुराए प्रयागराज समेत कई जगहों पर जहरीली शराब से मौतें हुई हैं। आगराए बागपत मेरठ में जहरीली शराब से मौतें हुई थीं। प्रियंका ने पूछा है कि आखिर क्या कारण है कि कुछ दिखावटी कदमों की बजाय सरकार जहरीली शराब के माफ्यिाओं पर कार्रवाई करने में नाकाम रही है। कौन जिम्मेदार है। गौरतलब है कि राजधानी लखनऊ समेत राज्य के अन्य जिलों में जहरीली शराब के कारण जनहानि की घटनाओं में पिछले कुछ दिनो में इजाफा हुआ है। सरकार ने इस पर गंभीर रूख अपनाते हुये पुलिस को शराब माफ्यिाओं के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए है।

चेन्नई की सड़क पर पैदल चले शाह

भाषा। चेन्नई

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को यहां लोगों को आश्चर्यचकित करते हुए अपने समर्थकों का अभिवादन करने के लिए प्रोटोकॉल को तोड़ते हुए अपने वाहन से बाहर निकले और हवाई अड्डे के बाहर व्यस्त जीएसटी रोड पर पैदल चलने लगे। शाह शहर की दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे है। उन्होंने महानगर के लोगों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उनके लिए तमिलनाडु में होना बड़ी बात है। शाह को दिन में तमिलनाडु सरकार के एक कार्यक्रम में भाग लेना है जहां वह चेन्नई मेट्रो रेल के दूसरे चरण समेत 67 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंग और आधारशिला रखेंगे। दिल्ली से पहुंचने के तुरन्त बाद शाह की अगवानी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी, उप मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम, मंत्रिमंडल के वरिष्ठ सदस्यों और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एल मुरुगन और अन्य लोगों ने की। हवाई अड्डे से बाहर निकलने के बाद शाह की कार अचानक रूकी और वह भाजपा और अन्नाद्रमुक कार्यकर्ताओं का अभिवादन करने के लिए कुछ दूर पैदल चले। शाह के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए है। दौरे के दौरान उनके अगले साल अप्रैल-मई में प्रस्तावित तमिलनाडु विधानसभा चुनावों पर राज्य भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक करने की संभावना है। इस बीच शाह ने ट्वीट कर प्यार और समर्थन के लिए शहर का धन्यवाद किया। उन्होंने जीएसटी रोड पर पदयात्रा की वीडियो क्लिप के साथ एक ट्वीट में कहा, तमिलनाडु में होना हमेशा शानदार रहा है। इस प्यार और समर्थन के लिए चेन्नई को धन्यवाद।

द्रमुक के पूर्व सांसद के पी रामलिंगम भाजपा में शामिल हुए

एजेंसी। चेन्नई (तमिलनाडु)

द्रमुक के पूर्व सांसद के पी रामलिंगम शनिवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए और उन्होंने कहा कि वह इस द्रविड़ दल से निष्कासित किए गए नेता एम के अलागिरि को भगवा पार्टी से जुड़ने के लिए राजी करने का प्रयास करेंगे। रामलिंगम भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चेन्नई यात्रा से पूर्व यहां पार्टी कार्यालय में तमिलनाडु के पार्टी मामलों के प्रभारी एवं पार्टी महासचिव सी टी रवि और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एल मुरुगन की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए।लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रह चुके रामलिंगम ने कहा कि वह अलागिरि को भाजपा में शामिल होने के लिए राजी करने को प्रयास करेंगे। हालांकि, पार्टी में शामिल होने या नहीं होने का फैसला अलागिरि ही करेंगे। रामलिंगम को पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने को लेकर इस साल के प्रारंभ में द्रमुक से निलंबित कर दिया गया था। उन्हें पार्टी की कृषि शाखा के सचिव पद से भी हटा दिया गया था। उन्होंने कोरोना वायरस महामारी पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक की पार्टी की मांग के विरूद्ध राय प्रकट की थी। भाजपा में रामलिंगम का स्वागत करते हुए रवि ने ट्वीट किया, यह बहुत बड़ा संकेत है कि द्रमुक के पूर्व सांसद डॉ. के पी रामलिंगम उस दिन भाजपा में शामिल हुए जिस दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चेन्नई आ रहे हैं। इससे न केवल द्रमुक और उसका आधार कमजोर होगा बल्कि पूरे राज्य में भाजपा मजबूत होगी। कुछ साल पहले जब करुणानिधि के उत्तराधिकारी के तौर पर द्रमुक प्रमुख के पद के लिए जंग छिड़ गई थी तब 66 वर्षीय रामलिंगम अलागिरि के खेमे में थे।

कोलकाता के गंगा घाट पर छठ पूजा के दौरान उगते सूरज की पूजा करते भक्तगण

'तृणमूल कांग्रेस और भगवा दल को एक ही खाने में नहीं रखा जा सकता'

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में भाजपा को राजनीतिक दुश्मन नंबर एक करार देते हुए भाकपा (माले) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने शनिवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस और भगवा दल को एक ही खाने में नहीं रखा जा सकता और वाम व कांग्रेस को पश्चिम बंगाल में पहले सबसे बड़े खतरे का मुकाबला करना चाहिए। उन्होंने रेखांकित किया कि पश्चिम बंगाल में विभाजनकारी ताकतों का मुकाबला करने के लिए माकपा में भाजपा विरोधी आक्रमकता की कमी है। भट्टाचार्य ने इसके साथ ही कहा कि कांग्रेस को इन दोनों पार्टियों के गठबंधन में प्रमुख भूमिका नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि इससे वामदल को बहुत लाभ नहीं होगा। उन्होंने दावा किया कि भगवा दल का सामना करना इस समय देश के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने सभी लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष ताकतों का आह्वान किया कि अगले साल अप्रैल-मई महीने में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रधान राजनीतिक दुश्मन के तौर पर लें। उन्होंने कहा, बिहार के विपरीत, जहां केंद्र और राज्य में एक ही गठबंधन की सरकार थी, पश्चिम बंगाल की स्थिति अलग है जहां तृणमूल कांग्रेस सत्ता में है। तृणमूल कांग्रेस की कार्यप्रणाली ठीक नहीं है और हमें उसका भी विरोध करना होगा। भट्टाचार्य ने के साथ साक्षात्कार में कहा, लेकिन एक बात स्पष्ट कर दूं कि तृणमूल कांग्रेस और भाजपा को एक ही खाने में नहीं रखा जा सकता। पश्चिम बंगाल में भाजपा को प्रधान राजनीतिक शत्रु के रूप में पहचान की जानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर राज्य में गैर भाजपा सरकार है जो कुशासन और

भ्रष्टाचार से घिरी हुई है, इसके बावजूद लोगों को भगवा दल का विरोध करना चाहिए। उन्होंने कहा, मुख्य ध्यान भाजपा पर होना चाहिए। भगवा पार्टी बड़ा खतरा है। भट्टाचार्य ने रेखांकित किया कि जब लालू प्रसाद यादव नीत पार्टी बिहार की सत्ता में थी तब माकपा (माले) लिब्रेशन राजद के साथ-साथ भगवा दल के खिलाफ लड़ी थी। माकपा के कुछ नेताओं द्वारा तृणमूल कांग्रेस को पहले हराने संबंधी बयान पर भट्टाचार्य ने कहा कि यह अव्यवहारिक रुख है। उन्होंने कहा, अगर आप इस सिद्धांत के साथ जाते हैं कि भाजपा का मुकाबला करने के लिए पहले तृणमूल कांग्रेस को हराना चाहिए तब तो इस समय केंद्र सरकार का विरोध करने की जरूरत नहीं है। हमें भाजपा को सभी राज्यों में आने का इंतजार करना चाहिए और इसके बाद विरोध शुरू करना चाहिए। यह अव्यावहारिक रुख है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार वाम दलों और पूरे लोकतांत्रिक ढांचे के लिए बड़ा खतरा है। भट्टाचार्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल की स्थिति पर संदर्भ से अलग रहकर विचार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत में कोई पार्टी नहीं है जो भाजपा से अधिक खतरनाक है। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में इससे ज्यादा स्याह दौर नहीं आया। कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ने राज्य में भाजपा को कड़ी टक्कर नहीं देने पर वैचारिक कॉमरेड माकपा की निंदा की। उन्होंने कहा, माकपा में भाजपा विरोधी आक्रमकता नहीं दिख रही है। पश्चिम बंगाल में वाम के उदय की जरूरत है और इसके लिए संघर्ष और जन आंदोलन की जरूरत है। माकपा उम्मीदों पर खरा उतरने में असफल हुई है। पश्चिम बंगाल में वाम-कांग्रेस गठबंधन पर भट्टाचार्य ने कहा कि इससे पुरानी पार्टी (कांग्रेस) को अधिक लाभ हुआ। उन्होंने कहा, माकपा अपनी रणनीतिक समझ का इस्तेमाल कांग्रेस के साथ गठबंधन में कर रही है लेकिन इसके नतीजे दिखाते हैं कि कांग्रेस को अधिक लाभ हो रहा है। माकपा को अपना आधार फिर से बढ़ाना चाहिए। पश्चिम बंगाल में वाम की कीमत पर भाजपा का आधार बढ़ रहा है।बिहार चुनाव के नतीजों जहां पर कांग्रेस ने महागठबंधन में खराब प्रदर्शन के बारे में संकेत करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि पुरानी पार्टी को नेतृत्व नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में वाम-कांग्रेस गठबंधन में कांग्रेस बड़े भाई की भूमिका में आने की कोशिश कर रही है। यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है जहां एक दशक पहले तक वाम दल सत्ता में थे।

क्विक न्यूज

प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन मामले में कश्मीर में कई स्थानों पर छापेमारी की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जम्मू कश्मीर बैंक मे कथित संदिग्ध लेन देन से जुड़ी धन शोधन जांच के सिलसिले मे कश्मीर मे शनिवार को कई स्थानो पर छापेमारी की।केन्द्रीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत श्रीनगर मे छह और अनतंनाग जिले मे एक स्थान पर छापेमारी की। ईडी ने बताया कि उसने मोहम्मद इब्राहिम डार, मुर्तजा एंटरप्राइजेज, आजाद एग्रो ट्रेडर्स, एम एंड एम कॉटेज इंडस्ट्रीज और मोहम्मद सुल्तान तेली के यहां छापेमारी की। ए आतिथ्य और कृषि-आधारित उद्योगो, सिविल निर्माण और रियल एस्टेट व्यवसायो मे शामिल है।उन्होने बताया कि, छापेमारी के दौरान धनशोधन के सबूत मिले है क्योंकि बैंक खातो का इस्तेमाल संदिग्ध लेनदेन के लिए किया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि उसकी जांच में अब तक सामने आया है कि जेएंडके बैंक मे खोले गए इन बैंक खातो मे से कई लेनदेन वास्तविक नही थे और इन खातो का उपयोग धनशोधन के उद्देश्य से किया गया था।

मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में तेंदुए की खाल के साथ दो लोग गिरफ्तार किए गए

भोपाल। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के एक गांव में कथित रूप से तेंदुए की खाल रखने के मामले मे दो लोगो को गिरफ्तार किया गया है। उपवन संरक्षक (वन्य प्राणी) रजनीश सिंह ने शनिवार को बताया कि मुखबिर की सूचना पर शहडोल जिले के ग्राम जैतपुर मे खपरखुटा नाला के पास दो लोगो की घेराबंदी कर तलाशी ली गई और उनके पास से तेंदुए की दो खाल बरामद हुई है। उन्होने कहा कि गिरफ्तार किए गए आरोपियो की पहचान महावीर सिंह गौड़ (निवासी कोटाडोल, जिला कोरिया, छत्तीसगढ़) और सूर्य प्रताप सिंह गौड़ (निवासी परसिली, जिला सीधी, मध्यप्रदेश) के रूप की गई है। सिंह ने बताया कि आरोपियो के पास से खाल के अलावा एक मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया है और मामले मे आगे की कार्वाई की जाएगी।

महबूबा का आरोप : केंद्र डीडीसी चुनावों में गैर-भाजपा दलों की हिस्सेदारी को कर रहा है बाधित

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को केंद्र पर आरोप लगाया कि वह जम्मू कश्मीर में जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनावों में भाजपा के अलावा अन्य राजनीतिक दलों की हिस्सेदारी को बाधित कर रहा है। नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी सहित घाटी की प्रमुख पार्टियो ने आरोप लगाया है कि चुनावों मे सबको समान मौका नही मिल रहा है। उनका आरोप है कि प्रशासन उनके उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार करने की अनुमति नही दे रहा है और उन्हें उन्हें आवासो मे नजरबंद कर रहा है। पीडीपी प्रमुख ने ट्वीट कर कहा, भारत सरकार डीडीसी चुनावो में गैर-भाजपा दलों की हिस्सेदारी को बाधित कर रहा है। पर्याप्त सुरक्षा होने के बावजूद पीडीपी नेता बशीर अहमद को सुरक्षा के नाम पर पहलगाम में रोक लिया गया। आज नामांकन का अंतिम दिन है और उनकी रिहाई के लिए डीसी अनंतनाग से बात की है। पुलिस ने कहा है कि उम्मीदवारों को सामूहिक सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है और सुरक्षित क्षेत्रों में रखा गया है क्योंकि हर उम्मीदवार को सुरक्षा दे पाना कठिन है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा कि उम्मीदवारो को दोहरी सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है। सुरक्षा बल उस क्षेत्र की भी सुरक्षा करते है जहाँ वे प्रचार करने के लिए जाना चाहते हैं।

मालदा विस्फोट पर प्रतिक्रिया देने पर पश्चिम बंगाल के गृह विभाग ने मुझे निशाना बनाया: राज्यपाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने शनिवार को राज्य के गृह विभाग पर मालदा की एक फैक्टरी मे विस्फोट पर उनकी प्रतिक्रिया को लेकर उनपर निशाना साधने का आरोप लगाया। इस विस्फोट में छह लोगो की जान चली गई थी। राज्यपाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल के संवैधानिक प्रमुख पर आरोप लगाते हुए ट्वीट करना बहुत बड़ी धृष्टता, संविधान का निरादर है और यह इस बात का संकेत है कि नौकरशाही राजनीतिक रूप से बंधक है। धनखड़ ने नौ नवंबर को मालदा के शुजापुर में विस्फोट होने के बाद से प्रशासन से अवैध बम निर्माण को नियंत्रित करने को कहा था। गृह विभाग ने किसी का नाम लिए बगैर ट्वीट किया था कि यह धमाका निर्माण प्रक्रिया के दौरान हुआ और उसका अवैध बम बनाने से कोई लेना-देना नही है, जैसा कि कुछ लोगो द्वारा गैर जिम्मेदाराना ढंग से बताया गया। उसने कहा कि यह तथ्यात्मक रूप से सही होने का वक्त है। राज्यपाल ने अपने ट्वीटो मे राज्य प्रशासन पर कथित राजनीतिक तरफदारी को लेकर निशाना साधा। धनखड़ ने ट्वीट किया, राज्यपाल पर आरोप लगाते हुए बंगाल के गृह विभाग द्वारा किए गए ट्वीट असमर्थनीय है और इसे कतई सही नही ठहराया जा सकता है।

जम्मू कश्मीर में लोकतंत्र को बाधित करने के लिए सुरक्षा का इस्तेमाल किया जा रहा : अब्दुल्ला

भाषा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नवगठित गुपकर गठबंधन के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को गठबंधन के उम्मीदवारों के साथ किए जा रहे व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए कहा कि केंद्रशासित प्रदेश में लोकतंत्र को बाधित करने के लिए बहाना के रूप में सुरक्षा का उपयोग किया जा रहा है। श्रीनगर से लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर के चुनाव आयुक्त के के शर्मा को लिखे दो पृष्ठों के पत्र में कहा कि कुछ चुनिंदा लोगों को सुरक्षा प्रदान करना और बाकी को वस्तुत: नजरबंद करना लोकतंत्र में व्यापक हस्तक्षेप के समान है। उन्होंने पत्र में लिखा है, मैं आगामी डीडीसी चुनावों के बारे में आपको लिख रहा हूं। एक अजीब और अनोखी विशेषता सामने आई है। गुपकर गठबंधन द्वारा उतारे गए उम्मीदवारों को सुरक्षा के नाम पर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया रहा है... उन्हें चुनाव प्रचार करने की अनुमति नहीं है, वे उन लोगों के संपर्क से पूरी तरह से दूर हैं, जिनसे उन्हें वोट मांगना है। उन्होंने कहा कि गुपकर गठबंधन में शामिल पार्टियां विगत में सत्ता में रही हैं और उन्हें सरकार चलाने का अवसर मिला है और वे हिंसा से घिरे स्थान पर सुरक्षा को लेकर उत्पन्न चुनौतियों से वाकिफ हैं। अब्दुल्ला ने कहा, ये चुनौतियां नई नहीं हैं, बल्कि पिछले तीन दशकों से दुखद रूप से बनी हुई हैं। लेकिन सरकार के पास ऐसी व्यवस्था थी, जो सभी उम्मीदवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करती थीं।

भुवनेश्वर में पूर्व मुख्यमंत्री हरेकृसना मेहताब के जन्मोत्सव के दौरान कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार

महाराष्ट्र में दो भाइयों के बीच धर्मांतरित मां के अंतिम संस्कार को लेकर हुआ मतभेद

भाषा। ठाणे

महाराष्ट्र के पालघर में कुछ साल पहले ईसाई धर्म अपना चुकी एक महिला को उसके एक बेटे ने हाल ही में दफनाया जबकि उसके दूसरे बेटे ने सांकेतिक रूप से उसका दाह संस्कार किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह घटना पालघर जिले में वडा तहसील के अवांडे गांव में दो दिन पहले हुई। दिवंगत महिला के दो बेटों के बीच इस बात को लेकर विवाद हो गया कि उसका अंतिम संस्कार कैसे किया जाए। एक बेटा ईसाई है जबकि दूसरा बेटा हिंदू है। पुलिस उपनिरीक्षक दिलीप पवार ने कहा, 65 वर्षीय फुलाई धाबड़े की 18 नवंबर की रात को मृत्यु हो गई। वह, उनके पति महादू और छोटा बेटा सुधान कुछ साल पहले ईसाई बन गए थे जबकि उनके बड़े बेटे सुभाष ने हिंदू ही रहना पसंद किया। पवार ने कहा, वृद्धा की मौत के बाद भाइयों के बीच इस बात को लेकर विवाद हो गया कि उनका अंतिम संस्कार कैसे किया जाए। एक असामान्य स्थिति पैदा हो गई क्योंकि दोनों भाइयों में से प्रत्येक ने इस बात का जिद किया कि वह जिस धर्म का पालन करता है, उसी के अनुसार उनकी मां का अंतिम संस्कार किया जाए। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में गांव वाले इकट्ठा हो गए लेकिन दोनो भाइयों में कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं था। पुलिस के अनुसार स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस पाटिल (पुलिस और ग्रामीणों के बीच समन्वयक) वडा थाने पहुंचा और उसने वहां सारी बात बताई। पवार ने बताया, पुलिस अधिकारी सुधीर सांखे गांव में पहुंचे और उन्होंने परिवार के सदस्यों से चर्चा की। यह तय किया गया कि महिला को ईसाई परंपरा के अनुसार दफनाया जाए। फिर वसाई के समीप पाचू द्वीप पर पार्थिव शरीव को दफना दिया गया। पवार ने कहा, लेकिन दूसरा बेटा मानने को तैयार नहीं था। उसने चिता पर एक गुड़िया रखकर सांकेतिक दाह संस्कार किया।

केरल के राज्यपाल ने विवादास्पद पुलिस अधिनियम संशोधन अध्यादेश को मंजूरी दी

तिरुवनंतपुरम। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने महिलाओं और बच्चों के विरूद्ध साइबर हमलों को रोकने के लिए राज्य की माकपा नीत सरकार द्वारा लाए गए केरल पुलिस अधिनियम संशोधन अध्यादेश को मंजूरी दे दी है। वैसे विपक्ष ने इस अध्यादेश से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बाधित होने का आरोप लगाया है। राजभवन के सूत्र ने इस बात की पुष्टि की कि राज्यपाल ने इस दक्षिणी राज्य में व्यापक विवाद को जन्म देने वाले इस अध्यादेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। सूत्र ने बताया कि राज्यपाल कोविड-19 से मुक्त होकर हाल ही में राजभवन लौटे हैं। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि यह संशोधन पुलिस को और शक्ति देगा एवं प्रेस की आजादी में कटौती करेगा। हालांकि, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यह कहते हुए इस आरोप का खंडन किया कि यह निर्णय व्यक्तियों की छवि बिगाड़ने के लिए सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे कारकों के आधार पर लिया गया है। पिछले महीने राज्य मंत्रिमंडल ने धारा 118 ए को शामिल करने की सिफारिश करके पुलिस अधिनियम को और सशक्त बनाने का फैसला किया था।इस संशोधन के अनुसार, जो कोई भी सोशल मीडिया के माध्यम से किसी पर धौंस दिखाने, अपमानित करने या बदनाम करने के इरादे से कोई सामग्री डालता है अथवा प्रकाशिताप्रसारित करता है उसे पांच साल तक कैद या 10000 रुपए तक के जुर्माने या फिर दोनों सजा हो सकती है।

शिवेसना के लिए राजनीति केवल चुनावों तक सीमित है: आदित्य ठाकरे

- स्कूल फिर से खोले जाने के संबंध में भ्रम को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर बरसे भाजपा विधायक
- शिवसेना के विधान परिषद सदस्य के खिलाफ आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मामला दर्ज

भाषा। ठाणे

महाराष्ट्र के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने शनिवार को कहा कि शिवसेना कभी भी राजनीति नहीं करती है और चुनाव खत्म हो जाने के बाद पार्टी के लोग काम पर वापस लौट आते हैं लेकिन अन्य लोग हमेशा राजनीति में शामिल रहते हैं। ठाकरे ने एक कार्यक्रम में कहा, हमारे लिए, राजनीति केवल चुनावों तक सीमित है। एक बार चुनाव समाप्त हो जाने के बाद, हम काम पर वापस लौट आते हैं, लेकिन अन्य लोग हमेशा राजनीति में शामिल होते हैं। उन्हें ऐसा करने दें। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के पुत्र आदित्य ने कहा कि समृद्धि महामार्ग या मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे परियोजना अगले साल पूरी होने की संभावना है। उन्होंने कहा, हर महीने हम एमटीएचएल (ट्रांस-हार्बर लिंक), कोस्टल रोड, वर्ली-सेवरी कनेक्टर जैसी विभिन्न परियोजनाओं का जायजा लेते हैं। उधर महाराष्ट्र के पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री और भाजपा नेता आशीष शेलार ने शनिवार को राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि 23 नवंबर से स्कूलों को पुन: खोले जाने को लेकर अभिभावकों में व्याप्त भ्रम दूर करने के लिए वह अपेक्षित प्रयास नहीं कर रही है। राज्य सरकार ने स्थानीय इलाकों में कोरोना वायरस की स्थिति को ध्यान में रखते हुए नौवीं से बारहवीं कक्षाओं के लिए स्कूल पुन: खोले जाने की अनुमति दी है। शेलार ने संवाददाताओं से कहा स्कूल खोलना महत्वपूर्ण है या नहीं, यह तय करने में स्थानीय अधिकारियों की भूमिका रहेगी लेकिन राज्य सरकार खुद कुछ करने जा रही है या नहीं ? क्या सरकार शिक्षकों, अभिभावकों, अधिकारियों और स्कूल कर्मियों के प्रतिनिधियों से चर्चा कर ठोस रुख अपनाएगी ? राज्य स्तर पर मचे हाहाकार को लेकर छात्र डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं लेने के सरकार के फैसले और विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने में विलंब को लेकर छात्र पहले ही परेशान हैं। शेलार ने सरकार पर शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों के साथ संवाद नहीं करने का आरोप लगाया।वहीं अमरावती संभाग से शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक दिसम्बर को होने वाले चुनाव के वास्ते शिवसेना के उम्मीदवार श्रीकांत देशपांडे के खिलाफ आदर्श आचार संहिता का कथित तौर पर उल्लंघन करने के लिए मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

भारत का लक्ष्य 30 से 35 फीसद कम कार्बन उत्सर्जन करना: मोदी

भाषा। गांधीनगर

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गांधी नगर के पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि देश 30 से 35 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस दशक में प्राकृतिक गैस के इस्तेमाल को चार गुना बढ़ाने और अगले पांच साल में तेल शोधन क्षमता दोगुना करने का प्रयास चल रहा है।

मोदी ने पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय (पीडीपीयू) के दीक्षांत समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस से संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज, देश कार्बन उत्सर्जन को 30 से 35 प्रतिशत कम करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। जब मैंने इसके बारे में दुनिया को बताया तो उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया और इस बात को लेकर उनमें कौतूहल था कि क्या भारत इस लक्ष्य को हासिल कर सकेगा। मोदी ने कहा कि इस दशक में प्राकृतिक गैस के इस्तेमाल को चार गुना बढ़ाने के प्रयास जारी है और इसके साथ ही अगले पांच साल में तेल शोधन क्षमता दोगुना करने पर काम हो रहा है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश नवीनीकरण ऊर्जा उत्पादन के लिए तय लक्ष्य को समय से पहले हासिल कर लेगा। मोदी ने कहा कि आज प्रति यूनिट लागत (सौर ऊर्जा की) पहले के 12 से 13 रुपए से कम होकर दो रुपए से कम पर आ गई है। आज सौर ऊर्जा देश की प्राथमिकता बन गई है। हम 175 गीगावाट नवीनीकरण ऊर्जा उत्पादित करने को प्रतिबद्ध हैं और मुझे भरोसा है कि हम इस लक्ष्य को वर्ष 2022 से पहले हासिल कर लेंगे। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही वर्ष 2030 तक हमारा लक्ष्य 450 गीगावाट नवीनीकरण ऊर्जा उत्पादित करने का है, यह लक्ष्य बड़ा है पर इसे समय से पहले हासिल कर लेंगे... इसके बारे में मैं आश्वस्त हूं। मोदी ने कहा कि गैस और तेल क्षेत्र में ही इस दशक करोड़ों रुपए का निवेश होना है, जो इस क्षेत्र में अनुसंधान, उत्पादन अन्य पहलुओं में स्नातक करने वाले विद्यार्थियों के लिए अवसर पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा क्षेत्र में स्टार्टअप माहौल को मजबूत करने का कार्य जारी है और इस उद्देश्य के लिए विशेष कोष आवंटित किया गया है। मोदी ने कहा कि अगर आपके पास कोई विचार, उत्पाद और सिद्धांत है और उसपर आप आगे बढ़ना चाहते हैं तो यह कोष आपके लिए एक अच्छा मौका है और सरकार की तरफ से उपहार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना वायरस की वजह से पैदा हुए मुश्किल हालात के बावजूद स्नातक कर रहे विद्यार्थियों की याद रखना चाहिए कि उनकी ताकत और क्षमता चुनौतियों से बड़ी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपना विश्वास नहीं खोएं।

मोदी ने कहा कि समस्या से अधिक महत्वपूर्ण आपका उद्देश्य, प्राथमिकता और आपकी प्रतिबद्धता है। ऐसा नहीं है कि आप अपने जीवन में पहली बार चुनौती का सामना कर रहे हैं और यह आखिरी चुनौती भी नहीं है। ऐसा नहीं है कि सफल व्यक्ति के पास समस्या नहीं होती है लेकिन जो इन चुनौतियों को स्वीकार करते हैं और उन्हें हराते हैं वे सफल होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वतंत्रता संग्राम के दौर को याद करने कहा कि कैसे लोगों ने इसके लिए अपनी जान की कुर्बानी दी। मोदी ने विद्यार्थियों से उसी तरह आत्मनिर्भर भारत का सिपाही बनने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो जीवन में सफल होते हैं उनमें जिम्मेदारी का भाव होता है। उन्होंने कहा कि देश के लिए, बहुत कुछ करने को है लेकिन आपकी प्रतिबद्धता, अपका लक्ष्य खंडित नहीं होना चाहिए। आप देखते हैं कि वे ही जीवन में सफल होते हैं जो जवाबदेही के भाव के साथ कुछ करते हैं जबकि असफल वे होते हैं जो बोझ के भाव से ग्रस्त होते हैं। 21 सदी के युवा को स्पष्ट उद्देश्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। सिद्धांत ऐसा होना चाहिए जिसे कोई बाधा बदल नहीं सके। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से सकारात्मक नतीजों के लिए स्थाई प्रयास करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत इसका उदाहरण है जिसमें छोटी सी कोशिश को करोड़ों लोगों ने आंदोलन में तब्दील कर दिया। अपने संबोधन में मोदी ने याद किया कि कैसे घरेलू और कृषि फीडर (बिजली वितरण व्यवस्था) को अलग करने से गुजरात के घरों में 24 घंटे की बिजली आपूर्ति संभव हुई। प्रधानमंत्री ने पीडीपीयू के आठवें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष में पांच आधुनिक सुविधाओं का लोकार्पण किया। इस मौके पर मोदी ने राज्य सरकार को पेट्रोलियम विश्वविद्यालय का नाम बदलकर ऊर्जा विश्वविद्यालय करने का सुझाव दिया।

भाजपा ने असम में सहयोगियों के साथ संबंधों की समीक्षा की

नई दिल्ली। भाजपा ने असम विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है और पार्टी अपने सहयोगियों के साथ संबंधों की समीक्षा कर रही है। भाजपा की प्रदेश इकाई अपने प्रमुख गठबंधन सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) के नियंत्रण वाली कुछ सीटों पर दावा कर सकती है, वहीं एक अन्य सहयोगी बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के साथ उसके संबंधों में तनाव की स्थिति है। बीपीएफ के एकमात्र राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल हो सकते हैं जबकि आगामी बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद (बीटीसी) चुनावों को लेकर दोनों पार्टियों के बीच मतभेद हैं। शुक्रवार रात को दो घंटे तक चली बैठक में असम के मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की गई जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, असम के सीएम सर्बानंद सोनोवाल, भाजपा महासचिव बी एल संतोष तथा दिलीप सैकिया, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रंजीत दास, असम के मंत्री तथा नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) के संयोजक हिमंत बिस्व सरमा आदि शामिल हुए।

बिहार चुनाव में भाजपा की जीत मोदी के कोविड प्रबंधन पर मुहर

भाषा। शिमला

शिमला में शनिवार को एक रैली को संबोधित करते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव और अन्य राज्यों में उपचुनावों में भाजपा की जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल कोविड प्रबंधन पर जनता की मुहर है। भाजपा अध्यक्ष अपने गृह राज्य के दो दिन के दौरे पर हैं। उन्होंने कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए केंद्र द्वारा उठाए गए अनेक कदमों का जिक्र करते हुए बिलासपुर के लेहनू में कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र ने इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा की है। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि नड्डा ने बाद में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के साथ बिलासपुर जिले के कोठीपुरा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा निर्माण कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में नड्डा ने कहा कि निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। नड्डा ने इस बात पर संतोष जताया कि कोविड-19 के संकट के बावजूद एम्स का निर्माण अगले साल दिसंबर तक पूरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस दिसंबर में एमबीबीएस की कक्षाएं शुरू करने के लिए प्रयास होने चाहिए। नड्डा ने कहा कि गर्व की बात है कि हिमाचल प्रदेश के 18 डॉक्टरों का चयन एम्स के लिए किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के लिए एम्स को मंजूरी देने तथा संस्थान के निर्माण के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष नड्डा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि एम्स राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा।

तमिलनाडु में वैज्ञानिकों ने एक कलाकृति में खोजा सबसे पुराना नैनो ढांचा

भाषा। नई दिल्ली

वैज्ञानिकों ने दुनिया में सबसे पुरानी ज्ञात मानव निर्मित नैनो वस्तु की खोज तमिलनाडु के कीलाडी में पुरातत्व स्थल से मिले मिट्टी के बर्तन पर लगी विशेष काले रंग की परत में खोजी है। यह मिट्टी का बर्तन करीब 600 ईसा पूर्व का है। अनुसंधानकर्ताओं के इस अध्ययन को हाल में जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित किया गया है। इसमें खुलासा किया गया है कि मिट्टी के बर्तन पर चढ़ाई गई परत कार्बन नैनो ट्यूब (सीएनटी) की बनी है, जिसकी वजह से यह 2600 साल बाद भी सुरक्षित है। इसके साथ ही उन उपकरणों के बारे में सवाल पैदा हो गया है, जिसका इस्तेमाल उस दौर में इन बर्तनों को बनाने के दौरान उच्च तामपान पैदा करने के लिए किया जाता था। तमिलनाडु के वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) के वैज्ञानिकों सहित अनुसंधानकर्ताओं की टीम ने कहा कि मिट्टी के बर्तन पर मिली परत अबतक मिला सबसे पुराना नैनोढांचा है।अनुसंधान पत्र के सह लेखक और वीआईटी में कार्यरत विजयानंद चंद्रशेखरन ने कहा, इस खोज से पहले हमारी जानकारी के मुताबिक सबसे पुराने नैनो ढांचे आठवीं या नवीं शताब्दी के थे। उन्होंने कहा कि कार्बन नैनो ट्यूब कार्बन परमाणुओं का ढांचा होता है जो एक व्यवस्थित क्रम में होते हैं। चंद्रशेखरन ने कहा कि पुरानी कलाकृति के ऊपर लगी परत सामान्य तौर पर टूट-फूट जाती और वातावरण में बदलाव की वजह से इतने लंबे समय तक नहीं टिकती। उन्होंने कहा कि लेकिन मजबूत ढांचे की वजह से कार्बन नैनो ट्यूब की परत 2,600 साल से अधिक समय तक बनी रही। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम के नैनो पदार्थ वैज्ञानिक और इस अनुसंधान से असबद्ध एम एम शैजूमोन ने कहा कि कार्बन नैनो ट्यूब में उच्च उष्मा और विद्युत वाहकता, मजबूती सहित कई विशेष गुण होते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन उस समय लोगों ने जानबूझकर कार्बन नैनो ट्यूब की परत नहीं चढ़ाई बल्कि निर्माण की प्रक्रिया के दौरान उच्च तामपान होने की वजह से संयोगवश यह हुआ होगा।

संक्रमण दर में गिरावट जारी: सरकार

- देश में अब तक कोविड-19 के 13 करोड़ से अधिक नमूनों की जांच

भाषा। नई दिल्ली

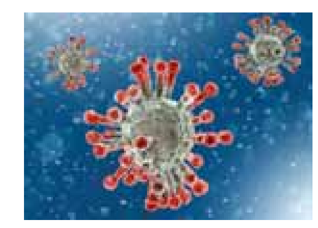

देश में कोविड-19 का पता लगाने के लिए अब तक 13 करोड़ से अधिक नमूनों की जांच की जा चुकी है जिसमें आखिरी के एक करोड़ नमूनों की जांच महज 10 दिन में की गई है, वहीं संक्रमण की दर कम बनी हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार प्रतिदिन 10 लाख से ज्यादा जांच कराने की प्रतिबद्धता के अनुरूप पिछले 24 घंटे में 10,66,022 नमूनों की जांच की गई और इस तरह भारत में कुल मामलों की समग्र जांच संख्या बढ़कर 13,06,57,808 हो गई। मंत्रालय ने कहा कि लोगों के संक्रमित होने की राष्ट्रीय दर शनिवार को 6.93 प्रतिशत रही, जो सात प्रतिशत के स्तर से कम है। वहीं, शुक्रवार को संक्रमण की दर मात्र 4.34 प्रतिशत थी। जांच बड़ी संख्या में हो रही है और संक्रमण की पुष्टि की दर में गिरावट आई है।

मंत्रालय ने कहा कि प्रतिदिन औसतन 10 लाख से ज्यादा नमूनों की जांच से संक्रमण की पुष्टि की समग्र दर को कम स्तर पर कायम रखा जा सका है और इस तरह इसमें फिलहाल गिरावट का रुख दिख रहा है। पिछले करीब एक करोड़ कोविड-19 नमूनों की जांच मात्र 10 दिन की अवधि में की गई। मंत्रालय के अनुसार समस्त भारत की तुलना में 24 राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों में प्रति 10 लाख की आबादी पर अधिक जांच कराई गई। वे 12 राज्य केन्द्र शासित प्रदेश जहां राष्ट्रीय औसत की तुलना में प्रति 10 लाख की आबादी पर कम जांच कराई गई हैं, उन्हें जांच के स्तर को पर्याप्त रूप से बढ़ाने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान 46,232 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। उसने कहा कि प्रतिदिन संक्रमण के पुष्ट मामलों की दर 4.34 प्रतिशत पर रहना दर्शाता है कि कुल आबादी के बीच बड़ी संख्या में नमूनों की जांच कराई गई है। अमेरिका और यूरोप के देशों में संक्रमण के मामलों में लगातार हो रही वृद्धि की तुलना में भारत महामारी को फैलने से रोकने के लिए सतर्कता के साथ हर संभव कदम उठा रहा है। उसने कहा, उत्तर भारत के कुछ राज्यों में कोविड-19 के मामलों में हुई वृद्धि को देखते हुए केन्द्र ने सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को जांच की संख्या बढ़ाने की सलाह दी है। भारत में फिलहाल 4,39,747 मरीज उपचाराधीन हैं, जो भारत में अब तक सामने आए कुल संक्रमितों का 4.86 प्रतिशत हैं।

मंत्रालय ने कहा कि भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान 49,715 नए रोगी ठीक होकर घर लौटे हैं और इस तरह ठीक हुए रोगियों की कुल संख्या 84,78,124 हो गई है। रोगियों के ठीक होने की दर आज 93.67 पर आ गई है। उसने कहा कि इलाज करा रहे रोगियों की संख्या और संक्रमणमुक्त हुए रोगियों की संख्या का अंतर क्रमशः बढ़ रहा है और यह 80,38,377 पर आ गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार ठीक होने वाले रोगियों के 78.19 प्रतिशत मामले 10 राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों से हैं। दिल्ली में 8,775 लोग कोविड-19 से ग्रस्त होने के बाद ठीक हुए हैं। महाराष्ट्र में 6,945 और केरल में 6,398 नए रोगी ठीक हुए हैं।

उसने कहा कि नए मामलों में 77.69 प्रतिशत 10 राज्यों केन्द्र शासित प्रदेशों से हैं। दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान 6,608 मामले आए हैं। केरल में 6,028 नए मामले सामने आए हैं, जबकि महाराष्ट्र में शुक्रवार को 5,640 नए मामलों का पता चला था। मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटे में इस रोग से हुई 564 लोगों की मौत के मामलों में से 82.62 प्रतिशत मामले 10 राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों से हैं। मौत के नए मामलों में से 27.48 प्रतिशत मामले महाराष्ट्र से हैं जहां 155 संक्रमितों की मृत्यु हो गई। दिल्ली में भी 118 लोगों की मौत हो गई जो कुल मामलों का 20.92 प्रतिशत हैं।

कर्नाटक के सीएम ने जबरन बंद के खिलाफ चेतावनी दी

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा ने शनिवार को कन्नड समूहों से बंद के फैसले को वापस लेने को कहा, साथ ही जबरन बंद लागू करने को लेकर चेतावनी दी। बता दें कि कर्नाटक के कन्नड समूहों ने मराठा विकास निगम (एमडीसी) के गठन के खिलाफ पांच दिसंबर को राज्य बंद का आह्वान किया है। एदियुरप्पा ने कहा, मैं हर वह कदम उठाने के लिए तैयार हूं जो कन्नड भाषियों के लिए जरूरी है लेकिन किसी को भी बंद बुलाने का अधिकार नहीं है और लोग इसका समर्थन नहीं करेंगे। यहां संवाददाताओं से बातचीत में एदियुरप्पा ने कहा कि वह कहीं भी जबरन बंद कराने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि मैं पुतले जलाने और दुर्व्यवहार पर नजर रख रहा हूं और हमें सख्त कदम उठाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन करें लेकिन सरकार इसे दूसरा रंग देने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी। उल्लेखनीय है कि कन्नड समर्थक संगठनों की शुक्रवार को हुई बैठक में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पांच दिसंबर को राज्यव्यापी बंद बुलाने के फैसले पर आगे बढ़ने का निर्णय किया गया। संगठनों ने इसके साथ ही एमडीसी के गठन के फैसले को वापस लेने के लिए सरकार को 30 नवंबर तक का अल्टीमेटम दिया। बंद को गैर जरूरी करार देते हुए एदियुरप्पा ने स्पष्ट किया कि मराठा विकास निगम का मराठी भाषा से कोई लेना देना नहीं है बल्कि राज्य में रह रहे मराठा समुदाय के लिए इसका गठन किया गया है।

आगामी सत्र को लेकर बिरला ने कहा

सीसीपीए करेगी फैसला सभी दलों से करेगी चर्चा

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर संसद के शीतकालीन सत्र एवं बजट सत्र के संयुक्त रूप से आयोजित होने से जुड़ी चर्चा पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि शीतकालीन सत्र के बारे में राजनीतिक मामलों संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीपीए) फैसला करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब भी आगामी सत्र आयोजित होगा तो सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए जाएंगे।

बिरला के मुताबिक, संविधान दिवस के मौके पर 25 और 26 नवंबर को गुजरात के केवड़िया में पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन होगा जिसका उद्घाटन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे और इसके समापन सत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे। आगामी शीतकालीन सत्र से जुड़े सवाल पर बिरला ने संवाददाताओं से कहा, जहां तक इस सत्र का सवाल है तो सीसीपीए इस बारे में फैसला करती है। सीसीपीए यह फैसला करते हुए सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ चर्चा करेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना का संकट लगातार बढ़ रहा है। यह सबकी चिंता का विषय है। लेकिन सीसीपीए की बैठक में फैसला होगा। जब भी फैसला होगा उसकी जानकारी आप लोगों को (मीडया) दी जाएगी।

अगले साल बजट सत्र में सुरक्षा के इंतजाम जुड़े एक सवाल पर बिरला ने कहा, परिस्थिति के अनुसार लोकसभा व्यापक इंतजाम करती है। जब कभी बजट सत्र होगा तो हम सुरक्षा के व्यापक इंतजाम के साथ सत्र चलाएंगे। ऐसी चर्चा है कि दिल्ली में कोरोना संकट के बढ़ने के कारण संसद का शीतकालीन सत्र और बजट सत्र संयुक्त रूप से हो सकता है। हालांकि बिरला ने इस पर कुछ भी स्पष्ट रूप से नहीं कहा। सूत्रों का कहना है कि कई सांसदों ने दिल्ली में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष को अवगत कराया है कि वे अगले कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजधानी में आने में असमर्थ होंगे। बिरला ने पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कहा, राष्ट्रपति इस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देव व्रत और मुख्यमंत्री विजय रुपाणी इसमें शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 26 नवंबर को इस सम्मेलन के समापन सत्र को डिजिटल रूप से संबोधित करेंगे। बिरला ने कहा कि संसद के नए भवन का कार्य आरंभ हो गया है और आजादी के 75 साल पूरा होने के मौके पर 2022 में नए भवन में सत्र का आयोजन होगा। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 23 नवंबर को यहां बी डी मार्ग पर सांसदों के लिए बने 76 आवासों का उद्घाटन करेंगे।

उत्तराखंड में देश का पहला मॉस गार्डन तैयार

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड में नैनीताल जिले के खुर्पाताल में भारत का पहला मॉस गार्डन विकसित किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्य वन संरक्षक संजीव चतुर्वेदी ने बताया कि इस गार्डन को उत्तराखंड वन विभाग की अनुसंधान सलाहकार समिति द्वारा सीएएमपीए योजना के तहत पिछले साल जुलाई में मंजूरी दी गई थी। उन्होंने बताया कि देश के पहले मॉस गार्डन का उद्घाटन शुक्रवार को प्रसिद्ध जल संरक्षण कार्यकर्ता राजेंद्र सिंह ने किया।

उन्होंने कहा कि मॉस एक तरह की काई होती है जो दीवारों और पेड़ों पर हरे रंग की दिखाई देती है। इसका औषधि में बहुतायत में इस्तेमाल होता है। राज्य वन विभाग की अनुसंधान इकाई के प्रमुख चतुर्वेदी ने कहा कि उद्यान विकसित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य मॉस और अन्य ब्रायोफाइट्स की विभिन्न प्रजातियों का संरक्षण करना और पर्यावरण में इसके महत्व से लोगों को अवगत कराना है। मॉस गार्डन, खुर्पाताल में मॉस की लगभग 30 विभिन्न प्रजातियां और कुछ अन्य ब्रायोफाइट प्रजातियां हैं।

उन्होंने बताया कि यहां पाई जाने वाली दो प्रकार की मॉस प्रजातियां यानी ह्योफिला इन्वोल्टा (सीमेंट मॉस) और प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ (आईयूसीएन) की लाल सूची में शामिल ब्राचिथेलेशियम बुकानानी फिगर है। उन्होंने कहा कि यहां 1.2 किलोमीटर के क्षेत्र में मॉस की विभिन्न प्रजातियां हैं और इनके सबंध में वैज्ञानिक जानकारी प्रदर्शित की गई है।

पेज 1 का शेष

पाक को...

जैश-ए-मोहम्मद के चार आतंकवादी मारे गए थे। मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी जख्मी हो गए थे। ट्रक ड्राइवर भाग निकलने में कामयाब रहा था। पुलिस के मुताबिक आतंकवादी किसी बड़े हमले की साजिश रच रहे थे और वे कश्मीर घाटी की ओर जा रहे थे जहां इस माह के अंत में स्थानीय चुनाव होने वाले हैं। पीएम मोदी ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल और अन्य के साथ एक बैठक की थी। मोदी ने ट्वीट किया था कि हमारे सुरक्षा बलों ने एक बार फिर बहादुरी का प्रदर्शन किया। सतर्कता बरतने के लिए उनका शुक्रिया, उन्होंने जम्मू-कश्मीर में बुनियादी स्तर पर लोकतांत्रिक चुनावों को निशाना बनाने की कोशिशों को नाकाम कर दिया।

तमिलनाडु में...

बाहर समर्थकों का अभिवादन स्वीकार करने के लिए प्रोटोकाल दरकिनार कर अपने वाहन से बाहर निकले और व्यस्त जीएसटी रोड पर पैदल ही चलने लगे। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और तमिलनाडु के प्रभारी सीटी रवि और मुरुगन साथ-साथ चल रहे थे। इससे पहले दिल्ली से चेन्नई पहुंचने पर केंद्रीय गृह मंत्री की राज्य के मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी, उपमुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम, वरिष्ठ मंत्रियों, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एल. मुरुगन और अन्य लोगों ने अगवानी की। अपनी इस यात्रा के दौरान शाह राज्य के भाजपा पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे और अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले चुनावों को लेकर चर्चा करेंगे।

कामेडियन भारती...

की। इस मामले में एनसीबी ने अलग से एक एफआईआर दर्ज की है। दोनों से यह भी पूछा गया कि उनके किस-किस ड्रग पेडलर से संपर्क हैं। एनसीबी इसके पहले पूछताछ के लिए कई मशहूर कलाकारों को बुला चुका है। इनमें सारा अली खान, दीपिका पादुकोण, श्रद्धा कपूर और रकुल प्रीत सिंह शामिल हैं।

सिविल सेवा...

हैं। प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके होस्टल तक भोजन एवं अन्य आवश्यक चीजें कर्मचारियों द्वारा मुहैया करायी जा रही हैं। ये कर्मचारी पर्याप्त सुरक्षा उपायों से सुसज्जित हैं। अकादमी के निदेशक संजीव चोपड़ा ने बताया कि अकादमी, देहरादून जिला प्रशासन एवं उत्तराखंड सरकार का स्वास्थ्य विभाग इस चुनौती से निपटने के लिये साथ मिल कर काम कर रहे हैं। चोपड़ा ने शनिवार को बताया कि सभी गैर-आवश्यक विभागों को बंद कर दिया गया है।

कल से...

लिए किसान संगठनों ने अपनी बैठक की। भारतीय किसान मंच के अध्यक्ष बूटा सिंह शादीपुर ने यहां बैठक के बाद मीडिया से कहा कि पंजाब के हित को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केंद्र या पंजाब सरकार के दबाव में नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र ने हमारे मुद्दों का हल नहीं किया, तो हम फिर से रेल पटरियों को बाधित करेंगे। किसान नेताओं ने कहा कि वे 26-27 नवंबर को 'दिल्ली चलो' मार्च के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी जाएंगे। बीकेयू (डकौंडा) के अध्यक्ष बूटा सिंह बुर्जगिल ने कहा कि टोल प्लाजा, रेलवे स्टेशनों के बाहर, शॉपिंग मॉल और भाजपा नेताओं के आवासों के बाहर विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। ट्रेन सेवाओं के स्थगित होने से खेती के लिए उर्वरकों और ताप बिजलीघरों के लिए कोयले की आपूर्ति के अलावा धान खरीद भी प्रभावित हुयी है। किसान संगठनों पर उद्योगों का भी दबाव है, जिन्हें राज्य में मालगाड़ियों के नहीं चलने से करीब 30,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पंजाब प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने किसान संगठनों के फैसले का स्वागत करते हुए किसानों और राज्य के हित में मिलकर काम करने के लिए सभी पक्षों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'हम पंजाब को जलने नहीं देंगे, हम भाजपा को ग्रामीण-शहरी या धार्मिक रेखाओं पर पंजाब को विभाजित नहीं करने देंगे।'

उप्र में...

भी जिले में अवैध शराब नहीं बिकनी चाहिए। वहीं, अवैध एवं कच्ची शराब का निर्माण व उसकी बिक्री रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव, आबकारी संजय आर भूसरेड्डी के मुताबिक सर्दियों में कई लोग घरों में अनियमित ढंग से कच्ची शराब बनाते हैं। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने आबकारी विभाग की टीम गठित की है। इसके तहत प्रत्येक जनपद में 15 दिनों का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि प्रदेश में किसी भी रूप में अवैध और कच्ची शराब का निर्माण और उसकी बिक्री बंद हो। इस सम्बन्ध में सभी जनपदों में आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान के लिए आबकारी विभाग की टीम को जिला स्तर पर आवश्यकतानुसार पुलिस विभाग भी सहयोग करेगा जिससे हर हाल में अवैध कच्ची शराब का निर्माण, बिक्री एवं उसके परिवहन पर प्रभावी रोक लगायी जा सके। अपर मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर स्थित ढाबों पर विशेष नजर रखने को कहा है क्योंकि टैंकर द्वारा अल्कोहल चोरी की घटना को यहीं अंजाम दिया जाता है। यदि किसी जिले में अपेक्षा के अनुरूप प्रवर्तन की कार्रवाई नहीं की जाती है तो सम्बन्धित जिला आबकारी अधिकारी के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

सौ साल...

है। मैं भारत को इस सांस्कृतिक विरासत को लौटाने को लेकर सक्रिय कदम उठाने को लेकर रेजिना विश्वविद्यालय के प्रति आभारी हूं। विश्वविद्यालय ने कहा कि अपनी गहन छानबीन के आधार पर मेहरा इस निष्कर्ष पर पहुंचीं कि 1913 में अपनी भारत यात्रा के दौरान मैकेंजी की नजर इस प्रतिमा पर पड़ी और जब एक अजनबी को मैकेंजी की इस मूर्ति को पाने की इच्छा का पता चला तो उसने वाराणसी में गंगा के घाट पर उसके मूल स्थान से उसे चुरा लिया।

आयुर्वेद के...

में गैर-महत्वपूर्ण अंगों से धातु और गैर-धातु बाहरी निकायों को हटाने की अनुमति दी जाएगी। एमएस (आयुर्वेद) शलाक्य तंत्र के तहत आयुर्वेद चिकित्सक ग्लूकोमा जैसे पलकों के रोगों से संबंधित इलाज कर सकते हैं और मोतियाबिंद सर्जरी सहित विभिन्न सर्जरी करने के लिए भी उन्हें प्रशिक्षित किया जा सकता है। ये चिकित्सक आंख में एनेस्थेसिया समेत नाक, कान, और दंत से संबंधित विभिन्न प्रकार की सर्जरी भी कर सकते हैं।

उत्तराखंड सरकार अंतरधार्मिक विवाह पर प्रोत्साहन राशि के आदेश को ठीक करेगी

देहरादून। उत्तराखंड में अंतरधार्मिक विवाह पर प्रोत्साहन राशि बांटे जाने पर मचे बवाल के बाद प्रदेश सरकार ने शनिवार को कहा कि इस मामले में जारी आदेश को ठीक करने की कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के सलाहकार आलोक भट्ट द्वारा सोशल मीडिया में जारी एक बयान में कहा गया है कि संशोधन की कार्रवाई में समय लगेगा पर इस आदेश को ठीक कर दिया जाएगा। उत्तराखंड सरकार के अंतरधार्मिक विवाह करने वाले दंपतियों को पचास हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दिए जाने के मामले ने तब तूल पकड लिया जब टिहरी के समाज कल्याण अधिकारी ने इस संबंध में जानकारी देने हेतु एक प्रेस नोट जारी किया। वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश से अलग होने के बाद उत्तराखंड में इससे संबंधित नियमावली को जस की तस स्वीकार कर लिया गया था जिसमें ऐसे विवाह करने वाले दंपतियों को 10,000 रुपए दिए जाते थे। वर्ष 2014 में उत्तराखंड की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इसमें संशोधन कर इस प्रोत्साहन राशि को बढाकर 50,000 रुपए कर दिया। अंतरधार्मिक के अलावा अंतरजातीय विवाह करने वाले दंपतियों को भी यह प्रोत्साहन राशि दी जाती है। प्रदेश के सामाजिक कल्याण विभाग के अधिकारियों ने यहां बताया कि यह प्रोत्साहन राशि सभी कानूनी रूप से रजिस्टर्ड अंतरधार्मिक विवाह करने वाले दंपतियों को दी जाती है। अंतरधार्मिक विवाह किसी मान्यता प्राप्त मंदिर, मस्जिद, गिरिजाघर या देवस्थान में संपन्न होना चाहिए।

देशभर में कोरोना का कहर लगातार जारी, कई राज्यों में तेजी से बढ़ रहा है संक्रमण

गुजरात में एक दिन में रिकॉर्ड मामले, नौ की मौत

● **एक ही दिन में आए 1515 नए संक्रमण के केस**

भाषा। नई दिल्ली

गुजरात में शनिवार को कोरोना वायरस के एक दिन में सबसे अधिक 1,515 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,95,917 हो गई। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। इससे पहले राज्य में 25 सितंबर को एक दिन में सर्वाधिक 1,442 मामले सामने आए थे।

विभाग ने बताया कि कोविड-19 से दिन के दौरान नौ और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 3,846 पहुंच गई। विभाग ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इसी अवधि में स्वस्थ हुए 1,271 लोगों को अस्पतालों से छुट्टी दी गई। राज्य में अब तक स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या 1,78,786 पहुंच गई है। वहीं गोवा में शनिवार को कोविड-19 के 116 नए मरीज सामने आए जिसके बाद राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 46,748 हो गई। वहीं, संक्रमण से तीन और मरीजों की मौत हो जाने से मृतक संख्या बढ़कर 675 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि शनिवार को कोविड-19 के 147 मरीजों को अस्पतालों से छुट्टी दी गई जिसके साथ ही अबतक 44,812 मरीज संक्रमणमुक्त हो चुके हैं। फिलहाल 1,261 मरीज उपचाराधीन हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को 1850 नमूनों की जांच की गई। अबतक 3,31,599 नमूनों का कोविड-19 परीक्षण किया गया है। दूसरी ओर झारखंड में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण से दो और व्यक्तियों की मौत हो गई, जिसके चलते राज्य में इस संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 939 हो गई है, जबकि संक्रमण के 185 नए मामले सामने आने के बाद राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या अब बढ़कर 1,07,157 हो गई। स्वास्थ्य विभाग की शनिवार जारी रिपोर्ट के अनुसार राज्य में पिछले 24 घंटे में दो संक्रमित मरीजों की मौत हो गई, जिससे राज्य में संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 939 हो गई। इसके अलावा राज्य में संक्रमण के पिछले 24 घंटे में 185 नए मामले सामने आए, जिन्हें मिलाकर अब राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या 1,07,157 हो गई है।

झारखंड में 1,03,624 लोग अब तक ठीक होकर अपने घरों को लौट चुके हैं। इसके अलावा 2,594 अन्य संक्रमितों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में जारी है, जबकि 939 अन्य लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में राज्य के गुमला और धनबाद में एक-एक संक्रमित की मौत हुई। पिछले 24 घंटे में कुल 15,122 नमूनों की जांच की गई, जिनमें से 185 संक्रमित पाए गए। इन संक्रमितों में से रांची में 74, पूर्वी सिंहभूम में 25 और धनबाद में 17 नए संक्रमित पाए गए।

वहीं आंध्र प्रदेश में शनिवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के 1,160 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही राज्य में संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 8,61,092 तक पहुंच गई। राज्य में अब तक 95.43 लाख नमूनों के परीक्षण किए जा चुके हैं। राज्य सरकार द्वारा जारी ताजा बुलेटिन में कहा गया है कि 1,765 मरीज स्वस्थ हो गए वहीं सात मरीजों की मौत हो गई। इसमें कहा गया है कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 15,000 से घटकर 14,770 हो गई। अब तक 8,39,395 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और 6,927 मरीजों की मौत हो गई है।

हिन्दुत्व का अर्थ है सहिष्णुता: फडणवीस

● **पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के बयान पर किया पूर्व मुख्यमंत्री ने पलटवार**

भाषा। नागपुर

भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि हिंदुत्व का मतलब सहिष्णुता है। भाजपा नेता का यह बयान पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के उस बयान के संदर्भ में आया है जिसमें उन्होंने एक दिन पहले कहा था कि कोरोना वायरस संकट से पहले ही भारतीय समाज दो महामारियों- धार्मिक कट्टरता और आक्रामक राष्ट्रवाद का शिकार हो गया था।

अंसारी के बयान के संबंध में पूछे गए एक सवाल पर फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, हिंदुत्व कभी भी कट्टर (विचारधारा) नहीं रहा है। यह हमेशा सहिष्णु रहा है। हिंदुत्व इस देश में जीवन जीने का प्राचीन तरीका है। हिंदुओं ने कभी किसी पर या किसी भी देश या किसी राज्य पर हमला नहीं किया।

पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि हिंदू धर्म ने हमेशा सहिष्णुता सिखाई है और इस वजह से भारत में विभिन्न पंथों और जातियों के लोग शांति से रहते आए हैं।

कोरोना वायरस महामारी के बीच महाराष्ट्र के कुछ शहरों में 9 वीं से 12वीं कक्षाओं के लिए स्कूलों को फिर से खोले जाने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में विपक्ष के नेता ने गंभीरता से विचार करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा, "राज्य सरकार को अन्य राज्यों के अनुभव को ध्यान में रखना चाहिए, जहां स्कूलों के फिर से खोलने पर कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि हुई।

राजस्थान की एक गौशाला में 78 गायों की मौत

जयपुर। राजस्थान के चुरू जिले की एक गौशाला में शुक्रवार शाम से अब तक 78 गायों की मौत होने का मामला सामने आया है। यह घटना सरदारशहर में बिल्युबास रामपुरा की श्रीराम गोशाला की है। अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार शाम के बाद से इस गोशाला में 78 गायों की मौत हो चुकी है जबकि कुछ अन्य भी बीमार हैं। पशुपालन एवं चिकित्सा विभाग की टीमें मौके पर मौजूद हैं। विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जगदीश बरबड़ ने बताया कि गोशाला में शुक्रवार शाम को गाएं अचानक बीमार होने लगी। रात में 78 गायों ने दम तोड़ दिया। कुछ और गाएं भी बीमार हैं। हालांकि उनमें से ज्यादातर की हालत ठीक है। उन्होंने बताया कि संभवत: कुछ विषाक्त चीज खाने के कारण ऐसा हुआ। चारे के नमूने लेकर उसे जांच के लिए भेजा गया है।

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली

निविदा संख्या MCF-MD16532-CAD-2020-01, नियत तिथिः– 11.12.2020
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/अभिकल्प, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली लालगंज द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिये:– निविदा सूचना संख्या MCF-MD16532-CAD-2020-01, नियत तिथि:– 11.12.2020 के माध्यम से खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है– **कार्य का नाम:**– एमसीएफ में 12 महीने में, कार्य के अनुसार एलएचबी कोच के ड्रॉइंग्स का डिजिटाइजेशन।, **कार्य की अनुमानित लागत (रुपया में):**– रु. 9,32,20,000.00 (नौ करोड़ बत्तीस लाख बीस हजार केवल रुपये मात्र), **धरोहर राशि सबसे पास 100 के गुणक:**– रु. 6,16,100.00 (छह लाख सोलह हजार एक सौ मात्र), **निविदा प्रपत्र का मूल्य** :– रु. 10,000.00।, **कार्य समापन की अवधि:**– 12 माह, • **निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय:**– 11.12.2020 को 15.30 बजे। • **विस्तृत निविदा** सूचना, टर्म्स एवं कंडीशन आदि की जानकारी भारतीय रेल के पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/अभिकल्प
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

प्रचार अभियान के दूसरे दिन स्टालिन गिरफ्तार

● **कोविड-19 महामारी से संबंधित सामाजिक दूरी के नियमों का उल्लंघन करने तथा बिना इजाजत प्रचार करने आरोप में गिरफ्तार**

भाषा। नागापट्टिनम

द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की युवा इकाई के अध्यक्ष उदयनिधि स्टालिन को अगले साल होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के 75 दिन के प्रचार अभियान के दूसरे दिन यहां गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा कि उन्हें नागापट्टिनम में मछुआरों के गांव अक्काराइपेट्टाई में गिरफ्तार किया गया। उदयनिधि ने गांव का दौरा कर विश्व मत्स्य दिवस पर मछुआरों से बात की थी। इससे पहले दिन में तमिलनाडु के पूर्व मंत्री के एन नेहरू, यू माथीवनन, एमआरके पनीरसेलवम और अन्य के साथ उदयनिधि ने नाव से समुद्र में यात्रा की थी और इस दौरान मछुआरे भी उनके साथ थे।यात्रा के बाद जब ए लोग तट पर पहुंचे तो नागापट्टिनम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस दल ने उदयनिधि को कथित तौर पर कोविड-19 महामारी से संबंधित सामाजिक दूरी के नियमों का उल्लंघन करने तथा बिना इजाजत प्रचार करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। उन्हें एक स्थानीय विवाह समारोह सभागार ले जाया गया। द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने पार्टी के दिवंगत पूर्व प्रमुख एम करुणानिधि के जन्मस्थान यहां के निकट तिरुक्कुवलाई से कल प्रचार अभियान की शुरुआत की थी।

अनुशासनात्मक समिति मूर्ति की अर्जी पर गौर करेगी: शिवकुमार

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि पार्टी की अनुशासनात्मक समिति विधायक अखंड श्रीनिवास मूर्ति की उस अर्जी पर गौर करेगी जिसमें अगस्त में शहर में हिंसा के दौरान उनके घर पर हुए हमले में कथित संलिप्तता के लिए कुछ नेताओं के खिलाफ कारर्वाई की मांग की गई है।

मूर्ति ने कहा है कि उन्होंने पूर्व मेयर संपत राज और पुलकेशीनगर के पूर्व पार्षद अब्दुल रकीब ज़ाकिर को निष्कासित करने की मांग की है, जिनके नाम आरोप पत्र में है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने हालांकि किसी का नाम नहीं लिया और कहा कि उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद कार्वाई की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने मामले में सत्तारूढ़ भाजपा के दबाव में काम किया है। उन्होंने कहा, वह (मूर्ति) आए और मुझसे मिले, उन्होंने आरोप पत्र के आधार पर कुछ लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्वाई की मांग की है। शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा, मैंने उनकी समस्याएं सुनी हैं, वह दुखी हैं, मैं उनके दर्द को समझ सकता हूं। यहां तक कि अगर मैं उनकी जगह होता, तो मैं भी स्वाभाविक रूप से वैसा ही सोचता जैसा कि वह क्या सोच रहे है। उन्होंने उन लोगों के नाम नहीं लिए जिनके खिलाफ मूर्ति ने कार्वाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने कुछ नाम दिए हैं जिनके खिलाफ उन्हें संदेह है और जिनके नाम आरोप पत्र में हैं। मंगलवार की सुबह गिरफ्तार किए गए संपत राज पर डीजे हल्ली, केजे हल्ली और निकटवर्ती क्षेत्रों में 11 अगस्त के दंगों के दौरान मूर्ति के घर पर हमला करने के लिए उकसाने का आरोप है।

आय से अधिक संपत्ति मामले में शिवकुमार को सीबीआई का समन

बेंगलुरु। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि उन्हें आय से अधिक संपत्ति मामले में सीबीआई से समन मिला है और वह 25 नवम्बर को जांच एजेंसी के समक्ष पेश होंगे। उन्होंने कहा, यह सच है कि केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 19 नवंबर को समन जारी किया है। सीबीआई अधिकारी समन जारी करने के लिए मेरे घर आए थे, लेकिन हम यहां नहीं थे क्योंकि हम एक व्यक्तिगत कार्यक्रम में भाग लेने गए हुए थे। शिवकुमार ने कहा, अगले दिन सुबह जब मैं घर आया, तो उन्होंने मुझे समन जारी किया। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि सीबीआई ने उनसे 23 नवम्बर की शाम लगभग चार बजे पेश होने को कहा था लेकिन यह संभव नहीं होगा क्योंकि वह कांग्रेस विधायक दल के नेता सिद्धारमैया के साथ मास्की और बसवकल्याण विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे, जहां उपचुनावों की घोषणा जल्द होने की संभावना है। उन्होंने कहा, कल से मैं होस्पेट (बल्लारी), मास्की (रायचूर), बसवकल्याण (बीदर) का दौरा करूंगा। मैं 25 नवंबर को वापस आऊंगा। उन्होंने कहा, मैंने आधिकारिक तौर पर सूचित किया है कि मैं उस दिन दोपहर में उपस्थित हो सकता हूं और सीबीआई अधिकारियों से फोन पर बात भी की है और वे इसके लिए सहमत हुए हैं। गौरतलब है कि सीबीआई ने 74.93 करोड़ रुपए की आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों में शिवकुमार और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया था।

HDFC BANK
We understand your world
रिटेल पोर्टफोलियो मैनेजमेंट : प्लॉट नंबर 31, नजफगढ़ इंडस्ट्रियल एरिया, टावर-ए, प्रथम तल, शिवाजी मार्ग, मोती नगर, नई दिल्ली-110015

कब्जा सूचना परिशिष्ट 4 [नियम 8(1)]
जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने, एचडीएफसी बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनरनिर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के अधीन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना दिनांकित 22-08-2020 जारी की थीं, जिसमें कर्जदार (रों) 1. फोकस इमेजिंग ऐंड रिसर्च सेंटर प्राइवेट लिमिटेड इसके प्रबंध निदेशक डा. प्रशांत सरीन के माध्यम से, 2. डा. प्रशांत सरीन पुत्र श्री राम प्रसाद सरीन, 3. श्री विनोद कुमार शर्मा पुत्र श्री मिठन लाल, 4. श्रीमती रचना पुत्र श्री राय सिंह भादू से उक्त सूचना में वर्णित अनुसार बकाया राशि रू. 25,93,51,609/- (रू. पच्चीस करोड़ तिरानवे लाख इक्यावन हजार छह सौ नौ मात्र) का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति के 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।
कर्जदार उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार(रों) और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा 19 नवम्बर, 2020 को प्राप्त कर लिया है।
कर्जदार को विशेष रूप से और जनसाधारण को इस संपत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है और संपत्तियों के संबंध में कोई भी संव्यवहार एचडीएफसी बैंक लि. की बकाया राशि रू. 25,93,51,609/- (रू. पच्चीस करोड़ तिरानवे लाख इक्यावन हजार छह सौ नौ मात्र) पर ब्याज तथा व्यय एवं प्रभारों को जोड़कर तथा भुगतान की गई राशि, यदि कोई, घटाकर प्राप्त होने वाली शेष राशि चुकाने के बाद ही किया जा सकता है।
कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का वर्णन
(क) मिनिस्ट्री ऑफ वर्क्स हाउसिंग ऐंड सप्लाई सीएचबीएस लिमिटेड - सोसायटी, निर्माण विहार, दिल्ली-110092 के नाम से प्रसिद्ध - के लेआउट प्लान में स्थित सम्पत्ति सं. बी-184, परिमाप 180 वर्ग गज का सम्पूर्ण प्रथम तल और द्वितीय तल छत के अधिकार के साथ (श्री विनोद कुमार शर्मा द्वारा स्वाधिकृत)।
तिथि - 19-11-2020
स्थान : नई दिल्ली
प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

मुंबई के दादर बाजार में फैले कोरोना वायरस के लिए चलाए जा रहे अभियान में स्वास्थ्य कर्मी एक फल विक्रेता से बातचीत करते हुए

पटनायक ने लिखा हेमंत सोरेन को पत्र

भुवनेश्वर। ओड़िशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इच्छा बांध परियोजना को शीघ्र पूरा करने के वास्ते झारखंड के अपने समकक्ष हेमंत सोरेन से सहयोग मांगा है ताकि दोनों राज्यों के किसानों का फायदा हो सके। पटनायक ने सोरेन से ओड़िशा में बाढ़ की मुश्किलें कम करने के लिए मानसून के दौरान चांडिल बाध में जलाशय की पूर्ण क्षमता (एफआरएल) तक पानी का भंडारण सुनिश्चित करने की भी अपील की। सोरेन को लिखे पत्र में पटनायक ने कहा कि ओड़िशा की सुवर्ण रेखा सिंचाई परियोजना केवल तभी पूर्ण सिंचाई क्षमता का उपयोग कर पाएगी जब इच्छा बांध परियोजना झारखंड सरकार द्वारा पूरी कर ली जाए। इस पत्र की प्रति शनिवार को मीडिया को उपलब्ध कराई गई। पटनायक ने पत्र में लिखा, मैं यह जानकर खुश हूं कि झारखंड सरकार ने हाल ही इच्छा बांध निर्माण कार्य हाथ में लिया है।

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किल प्रकाश चंद सुपुत्र सोना राम निवासी E-164 जे.जे कॉलोनी मादीपुर, दिल्ली-110063 ने गलत चाल चलन के कारण अपने बेटे रवि उसकी धर्मपत्नी सोनू (पुत्रवधु) व उसके बच्चों ऋषभ व कनिष्का को अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है और रवि व उसके परिवार के साथ अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिए हैं। वर्तमान और भविष्य में मेरे मुवक्किल की किसी भी संपति पर इनका कोई अधिकार नहीं होगा। मेरे मुवक्किल प्रकाश चंद भविष्य में इनके किसी कार्य के लिए किसी प्रकार जिम्मेदार नहीं होंगे। Mohinder Dhawan (Advocate)
Bar Room 3, Civil Side Tis Hazari, Delhi-54

PUBLIC NOTICE
Munna Kumar R/o A-296, HM House to Umar Lal House, Bijwasan Village, Delhi-110061 were issued a charge sheet dated 29.11.2019 by Institute of Driving & Traffic Research for committing misconduct of "Continuously absenting from duties w.e.f. 5th September 2019 without any information and authorization" and for investigating the charges levelled a domestic enquiry was constituted and I was appointed as an enquiry officer. After my appointment, I, intimated you about the enquiry proceedings fixed for 03.10.2020, 14.10.2020 and 30.10.2020, however you failed to attend the enquiry proceedings and the letters sent to you returned with remarks "No such person at this address". Accordingly, you are now given a final chance to attend the enquiry fixed for 26.11.2020 at 2:30 P.M at IDTR, Adjoining ISBT, Sarai Kale Khan, Ring Road, New Delhi-110013.
Saurabh Munjal (Advocate) D-101, Pilot Court, Essel Tower, MG Road, Gurugram-122001.

सार्वजनिक सूचना :
सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि तीन आईडी कार्ड (आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड द्वारा श्री रविकान्त त्रिपाठी, लकी पांडे एवं नूर जहां को जारी किए गए जिनका आईडी कार्ड नंबर 14845, 10190 तथा 25929 है) दिनांक 18 नवम्बर को कहीं खो गए/गुम हो गए हैं। किसी भी व्यक्ति, जिसको उक्त आईडी कार्ड मिले, से उक्त आईडी कार्ड मैनेजर डेट सर्विसेज ऐंड मैनेजमेंट ग्रुप, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, एस.डी. टावर, रोहिणी, सेक्टर-8, नई दिल्ली-110085 को लौटाने का अनुरोध किया जाता है।
अतएव, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के सभी ग्राहकों को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वे उक्त आईडी कार्ड नंबर 14845, 10190 तथा 25929 धारक किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को कोई भुगतान नहीं करें। कृपया आगे सूचित हों कि उक्त आईडी कार्ड धारक किसी भी व्यक्ति को कोई भुगतान करने वाला व्यक्ति ऐसा अपनी स्वयं की लागत, जोखिम और खतरे पर ऐसा करेगा तथा आईसीआईसीआई बैंक किसी भी भुगतान के लिए बाध्य नहीं होगा तथा/अथवा जिम्मेदार नहीं होगा। कृपया आगे सूचित हों कि उक्त आईडी कार्ड धारक किसी भी व्यक्ति को कोई भुगतान करने वाला व्यक्ति ऐसा अपनी स्वयं की लागत, रिश और खतरे पर ऐसा करेगा तथा आईसीआईसीआई बैंक किसी भी भुगतान के लिए बाध्य नहीं होगा तथा/अथवा जिम्मेदार नहीं होगा।
तिथि : 21-11-2020
स्थान : दिल्ली वास्ते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

एच डी एफ सी बैंक
हम समझें आपकी दुनिया
रिटेल पोर्टफोलियो मैनेजमेंट : प्लॉट नंबर 31, नजफगढ़ इंडस्ट्रियल एरिया, टावर-ए, प्रथम तल, शिवाजी मार्ग, मोती नगर, नई दिल्ली-110015

कब्जा सूचना परिशिष्ट 4 खनियम 8(1).
जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने, एचडीएफसी बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनरनिर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के अधीन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना दिनांकित 22-08-2020 जारी की थीं, जिसमें कर्जदार (रों) 1. फोकस इमेजिंग ऐंड रिसर्च सेंटर प्राइवेट लिमिटेड इसके प्रबंध निदेशक डा. प्रशांत सरीन के माध्यम से, 2. डा. प्रशांत सरीन पुत्र श्री राम प्रसाद सरीन, 3. श्री विनोद कुमार शर्मा पुत्र श्री मिठन लाल, 4. श्रीमती रचना पुत्र श्री राय सिंह भादू से उक्त सूचना में वर्णित अनुसार बकाया राशि रू. 25,93,51,609/- (रू. पच्चीस करोड़ तिरानवे लाख इक्यावन हजार छह सौ नौ मात्र) का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति के 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी। कर्जदार उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार(रों) और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा 19 नवम्बर, 2020 को प्राप्त कर लिया है। कर्जदार को विशेष रूप से और जनसाधारण को इस संपत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है और संपत्तियों के संबंध में कोई भी संव्यवहार एचडीएफसी बैंक लि. की बकाया राशि रू. 25,93,51,609/- (रू. पच्चीस करोड़ तिरानवे लाख इक्यावन हजार छह सौ नौ मात्र) पर ब्याज तथा व्यय एवं प्रभारों को जोड़कर तथा भुगतान की गई राशि, यदि कोई, घटाकर प्राप्त होने वाली शेष राशि चुकाने के बाद ही किया जा सकता है। कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का वर्णन
ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली के ब्लॉक-एन में स्थित सम्पत्ति सं. 17-ए, परिमाप 289 वर्ग गज का सम्पूर्ण द्वितीय तल छत के अधिकार के साथ (श्रीमती रचना द्वारा स्वाधिकृत)।
तिथि - 19-11-2020
स्थान : नई दिल्ली
प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

विनायक वाणिज्य लिमिटेड
CIN: L52110DL1985PLC020109
पंजी. कार्यालय: फ्लैट नंबर 28, स्टिल्ट फ्लोर, देविका टावर 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019 फोन: 011-26212295
ई-मेल: vvanijya1985@gmail.com, वेबसाइट: www.vinayakvanijya.com

35वीं वार्षिक सामान्य बैठक का आयोजन, वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से
एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि **विनायक वाणिज्य लिमिटेड** ("कम्पनी") के सदस्यों की 35वीं वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) **मंगलवार, 15 दिसम्बर, 2020 को अप. 03.00 बजे** आईएसटी, कम्पनी अधिनियम, 2013 तथा सेबी (एलओडीआर) विनियमावली, 2015 और तदधीन जारी सर्कुलर्स के लागू प्रावधानों के अनुपालन में वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग (वीसी) अथवा अन्य ऑडियो विजुअल साधनों (ओएवीएम) के माध्यम से आयोजित की जाएगी, जिसमें एजीएम की सूचना में सूचीबद्ध व्यवसाय मदों का निष्पादन किया जाएगा। उक्त एजीएम की सूचना में अन्य के साथ वीसी के माध्यम से एजीएम में भाग लेने हेतु अनुदेश दिए गए हैं।
ई-मेल पता के पंजीकरण/अद्यतनीकरण की विधि :
सदस्यगण, जिनके शेयर डीमैट रूप में हैं तथा अभी तक अपनी ई-मेल आईडी पंजीकृत/अद्यतन नहीं करवाई है, उनसे अनुरोध है कि डीमैटीरियलाइज्ड शेयरों के मामले में एनएसडीएल/सीडीएसएल ("डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट") से सम्पर्क करें। सदस्यगण, जिनके शेयर भौतिक रूप में हैं, उनसे अनुरोध है कि अपनी ई-मेल आईडी'ज पंजीकृत करवाने के लिए अपना विधिवत हस्ताक्षरित अनुरोध पत्र हमारे आरटीए आरसीएमसी शेयर रजिस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड, बी-25/1, प्रथम तल, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, नई दिल्ली-110020 ("आरटीए") को प्रेषित करें अथवा alok.sharma@rcmcdelhi.com पर ई-मेल लिखें और साथ में पैन कार्ड और पता प्रमाण की स्व-सत्यापित प्रतियां संलग्न करें।
सदस्यों को एजीएम की सूचना में सूचीबद्ध व्यवसाय मदों पर अपना वोट रिमोटली डालने का अवसर प्रदान किया जाएगा। भौतिक शेयरधारकों अथवा उन शेयरधारकों, जिन्होंने अपनी ई-मेल आईडी पंजीकृत नहीं करवाई है, को रिमोट ई-वोटिंग/ई-वोटिंग सिस्टम द्वारा वोट डालने का तरीका, एजीएम की सूचना में उपलब्ध कराया जाएगा। एजीएम सूचना तथा वित्तीय वर्ष 2019-20 हेतु वार्षिक रिपोर्ट और उक्त वोटिंग के लिए लॉगइन विवरण सभी सदस्यों को कम्पनी/डीपी के पास पंजीबद्ध उनके ई-मेल पता पर, यथासमय, भेजा जाएगा।
35वीं एजीएम की उपरोक्त सूचना वार्षिक रिपोर्ट सहित कम्पनी की वेबसाइट नामतः www.vinayakvanijya.com पर तथा स्टॉक एक्सचेंजेज नामतः बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com पर उपलब्ध करवाई जाएगी।
वास्ते **विनायक वाणिज्य लिमिटेड**
हस्ता./-
आनंद प्रकाश
निदेशक
DIN: 06918487
तिथि: 21/11/2020
स्थान: नई दिल्ली

मछली पालन को दिया जाएगा खेती का दर्जा: भूपेश बघेल

● **मछली पालन के लिए मिल सकेगा कोऑपरेटिव बैंक से ब्याज मुक्त कर्ज**

संवाददाता। रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में मछली पालन को खेती का दर्जा देने के लिए पहल करेगी, जिससे खेती किसानी की तरह मत्स्य पालन के लिए भी कोऑपरेटिव बैंक से ब्याज मुक्त ऋण मिल सके।जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को विश्व मत्स्य दिवस के मौके पर आयोजित छत्तीसगढ़ मछुआरा समाज के सम्मेलन को अपने निवास कार्यालय से संबोधित किया। बघेल ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ में मछली पालन को खेती का दर्जा देने के लिए पहल करेगी। राज्य सरकार ने इसके लिए अधिकारियों को योजना बनाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती-किसानी की तरह मछली पालन के लिए कोऑपरेटिव बैंक से ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने और किसानों को दी जाने वाली बिजली दरों में छूट की भांति मछली पालन करने वाले लोगों को भी छूट देने के लिए पहल की जाएगी। बघेल ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में मछुआरा समाज को विभिन्न योजनाओं के तहत अनुदान सहायता दी जा रही है, लेकिन इससे उनकी आर्थिक स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि मछली पालन से जुड़े लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए जरूरी है कि वे वैज्ञानिक पद्धति से मछली पालन करें और उनके विक्रय का अच्छा प्रबंधन करें। इससे न सिर्फ मछुआरों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी, साथ ही छत्तीसगढ़ धान उत्पादन की भांति मछली उत्पादन में भी देश में प्रथम स्थान पर होगा।

प्रवर्तन निदेशालय अपनी दिन-प्रतिदिन विश्वसनीयता खो रहा है: माकपा

● **केंद्रीय एजेंसी पर लगाया सरकार को निशाना बनाने का आरोप, ईडी निदेशक के कार्यकाल को बढ़ाए जाने पर भी उठाए सवाल**

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल माकपा ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय एक ऐसी एजेंसी बन गई है जो दिन-प्रतिदिन अपनी विश्वसनीयता खो रही है और सोना तस्करी मामले की जांच करने आने वाले अन्य हर चीज की जांच कर रहे हैं तथा सरकार को निशाना बनाने और पलटने का प्रयास कर रहे हैं।

माकपा ने यह भी कहा कि केन्द्रीय जांच एजेंसी की विश्वसनीयता की इन तथ्यों की रोशनी में समीक्षा की जानी चाहिए कि ईडी के निदेशक के कार्यकाल को असाधारण तरीके से बढ़ाने को लेकर कानूनी विशेषज्ञों ने केंद्र की भाजपा सरकार की खुलेआम आलोचना की थी।

वामपंथी पार्टी ने एक बयान में आरोप लगाया कि सोना तस्करी मामले में केन्द्रीय जांच एजेंसी बार-बार वही बात दोहरा रही है जो विपक्षी दल कांग्रेस और भाजपा कह रहे हैं।

माकपा की यह प्रतिक्रिया मीडिया के एक वर्ग द्वारा निदेशालय के सूत्रों के हवाले से दी गई उस खबर के तत्काल बाद आई है, जिनमें कहा गया है कि सोना तस्करी मामले की आरोपी स्वप्ना सुरेश की जो कथित ऑडियो क्लिप सामने आई है, उसका उद्देश्य एजेंसी की छवि खराब करना है। कथित रूप से सुरेश की उस ऑडियो क्लिप में आरोप लगाया गया है कि केन्द्रीय जांच एजेंसियां मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ बयान देने के लिए उनपर दबाव डाल रही हैं। इस ऑडियो के सामने आने के बाद केरल की राजनीति में हंगामा खड़ा हो गया।

माकपा ने कहा, यह स्पष्टीकरण हास्यास्पद है कि इस कदम का मकसद प्रवर्तन निदेशालय की विश्वसनीयता को कमजोर करना है। पार्टी ने कहा कि मीडिया के एक वर्ग में सामने आई ईडी की कथित प्रतिक्रिया उजागर करती है कि एजेंसी केरल की वाम सरकार को पलटने की आपराधिक साजिश का भी हिस्सा है।

भौतिक कब्जे की सूचना
ICICI Bank
शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर 23, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली -110005

जबकि,
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (प्रतिभूत लेनदार, जिनके निबंधन में इसके उत्तराधिकारी एवं समनुदेश सम्मिलित होंगे) तथा कर्जदार एवं सह- कर्जदार, निम्न वर्णित (कर्जदार), जिनके निबंधन में उसके/ इसके/ उनके संबंधित [उत्तराधिकारी समनुदेश, वारिस]सम्मिलित होंगे, के मध्य निष्पादित हुए एक ऋण समझौते के अनुपालन में एक आवास ऋण सुविधा स्वीकृत की गई थी।
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निमाण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम) के अंतर्गत प्रतिभूत लेनदार (प्राधिकृत अधिकारी) के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002, (नियमावली) के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में अधिनियम की धारा 13 (2) के अंतर्गत मांग सूचनांए जारी की थी, जिसमें उक्त सूचनाओं की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर निम्न वर्णित कर्जदारों/ सह- कर्जदारों को ऋण समझौते के अनुपालन में देय तथा उक्त संबंधित मांग सूचनाओं में विशिष्ट रूप से वर्णितानुसार राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्जदार/ सह कर्जदार उक्त मांग सूचनाओं में अधियाचितानुसार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल हो चुके हैं एवं लापरवाही कर चुके हैं, अतएव एतद्द्वारा कर्जदारों/ सह- कर्जदारों तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उनको प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में यहां इसमें नीचे विवरणित संपत्तियों का भौतिक कब्जा ले लिया है। संपत्तियों के सांकेतिक कब्जे की तिथि सहित विवरण निम्न वर्णितानुसार हैं-

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ लोन खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ भौतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	राकेश कुमार जैन/ शिरोमणि जैन/ LBDEL00001174328	फ्लैट नंबर- D-180/C, श्याम पार्क एक्सटेंशन साहिबाबाद गाजियाबाद उत्तर प्रदेश/ कब्जे की तिथि-नवम्बर 19, 2020	जुन 29, 2012 ₹. 6,65,051.07/-	गाजियाबाद उत्तर प्रदेश

कर्जदारों/ सह- कर्जदारों को विशेष रुप से तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा प्रतिभूत संपत्ति के साथ संव्यवहार नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है तथा प्रतिभूत संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार मांग सूचनाओं में वर्णित राशियों तथा उन पर भावी ब्याज एवं लागत हेतु प्रतिभूत लेनदार के प्रभार के अधीन होगा। कृपया नोट करें कि कोई भावी सूचना जारी नहीं की जाएगी।
दिनांक: नवम्बर 21, 2020
स्थान: दिल्ली /एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
प्रतिभूत लेनदार

चंद्रशेखर ने 100वां जन्मदिन मनाया

नई दिल्ली। पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर रघुनाथ चंद्रशेखर शनिवार को 100 वर्ष के हो गए और वह जन्मदिन का शतकपूरा करने वाले तीसरे भारतीय क्रिकेटर बन गए। चंद्रशेखर ने सात प्रथम श्रेणी मैच खेले थे, उन्होंने महाराष्ट्र (1943-44 से 1946-47) और बम्बई (1950-51) का प्रतिनिधित्व किया था। विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर खेलने वाले चंद्रशेखर ने सात मैचों में 155 रन बनाए थे। उन्होंने तीन कैच लिये के साथ दो स्टंप भी किए थे।

जनवरी में लांच करेगी फिटनेस एप : खेल सचिव

नई दिल्ली। खेल सचिव रवि मित्तल ने शनिवार को कहा कि सरकार अगले साल जनवरी में एक ऐसा ऐप लाने की योजना बना रही है जिससे लोगों को अपने फिटनेस स्तर को जांचने और सुधार करने में मदद मिलेगी।

जोहानिसबर्ग ओपन में कट से चूके पूर्व चैम्पियन शुभंकर

जोहानिसबर्ग। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा जोहानिसबर्ग ओपन के दूसरे दौर के बाद कट से चूक गए जबकि उन्होंने 2017 में यह खिताब अपने नाम किया था। वह पिछले आठ टूर्नामेंट में पहली बार 36 होल में कट हासिल नहीं कर पाए।

गंगजी ने तीसरे दौर में इवन पार 71 का कार्ड खेला

मियाजाकी (जापान)। भारतीय गोल्फर राहिल गंगजी ने यहां डनलप फिनिक्स ओपन के तीसरे दौर में बैक नाइन में शानदार वापसी करते हुए इवन पार 71 का कार्ड खेला।

मलिक, हफीज, रियाज और आमिर को समान मैच फीस मिलेगी

कराची। सीनियर क्रिकेटरों शोएब मलिक, मोहम्मद हफीज, वहाब रियाज और मोहम्मद आमिर को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा केंद्रीय अनुबंध नही मिलने के बाद मैच फीस मे बढ़ोतरी की गई है। इन चारों खिलाड़ियों को सूचित किया गया है कि चूंकि उनके पास केंद्रीय अनुबंध नही है, इसलिए उन्हें अब ए श्रेणी के क्रिकेटरों को मिलने वाली मैच फीस मिलेगी।

पलानी को हराकर मनोज दशरथन तीसरे दौर में

चेन्नई। तमिलनाडु के मनोज दशरथन ने शनिवार को यहां अजय रस्तोगी स्मारक अखिल भारतीय ओपन स्नूकर चैम्पियनशिप 2020 के दूसरे दौर के मैच में अपने ही राज्य के पलानी पर 4-3 से जीत दर्ज की। दशरथन ने पहला सेट आसानी से जीता लेकिन पलानी ने अगले दो सेट जीतकर बढ़त कायम कर ली।

गुजराती का पहले दौर में फिरौजा से होगा सामना

चेन्नई। ग्रैंडमास्टर विदित एस गुजराती रविवार से शुरू हो रहे स्किलिंग ओपन ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी होंगे ।

आस्ट्रेलिया दौरे के लिए तैयार हूं : रोहित

हैमस्ट्रिंग बेहतर हो रही,उम्मीद है सब ठीक होगा

भाषा। नई दिल्ली

भारत की सफेद गेंद की टीम के उप कप्तान रोहित शर्मा के लिए उनकी हैमस्ट्रिंग चोट को लेकर हुआ हो-हल्ला भ्रमित करने के साथ मनोरंजक भी था क्योंकि वह हमेशा जानते थे कि यह चोट इतनी गंभीर नहीं थी और वह आस्ट्रेलिया दौरे के लिए खेलने के लिए तैयार होंगे।

रोहित को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान यह हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी जिसके कारण उन्हें इस महीने के शुरू में आस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम से बाहर कर दिया गया और कुछ ही दिन में वह क्रिकेट खेलने के लिए लौट गए जिससे अटकलों का दौर शुरू हो गया। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम में शामिल कर लिया गया। रोहित ने कहा, ईमानदारी से कहूं, मैं नहीं जानता कि क्या हो रहा था और लोग किसके बारे में बात कर रहे थे। लेकिन मैं रिकार्ड के लिए बता दूं कि मैं बीसीसीआई और मुंबई इंडियंस के साथ लगातार संपर्क में था। उन्होंने दर्द के बावजूद खेलते हुए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल फाइनल में 50 गेंद में 68 रन की पारी खेली। आस्ट्रेलिया जाने से पहले वह इस समय बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में 'स्ट्रैंथ एंड कंडिशनिंग' ट्रेनिंग कर रहे हैं। रोहित ने कहा, मैंने उन्हें (मुंबई इंडियंस) को बता दिया था कि मैं मैदान पर उतर सकता हूं क्योंकि यह छोटा प्रारूप है और मैं परिस्थितियों से अच्छी तरह से निपट लूंगा। एक बार मैंने निश्चित कर लिया तो बस उस चीज पर ध्यान लगाने की जरूरत थी जो मैं करना चाहता था। हैमस्ट्रिंग अब बिलकुल ठीक लग रही है। इसे मजबूत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लंबे प्रारूप में खेलने से पहले मुझे यह पूरी तरह से निश्चित करने की जरूरत है कि कोई भी प्रयास छूट नहीं गया, शायद यही कारण है कि मैं एनसीए में हूं। आईपीएल में प्लेऑफ में चोट के बावजूद खेलने को लेकर बातें शुरू हो गई थीं, इस पर उन्होंने कहा, मेरे लिए यह चिंता की बात नहीं थी कि कोई भी क्या बात कर रहा है कि वह आस्ट्रेलिया दौरे के लिए जा पाएगा या नहीं। एक बार चोट लगी तो अगले दो दिन मैंने सिर्फ यही देखने का प्रयास किया कि अगले 10 दिन में मैं क्या कर सकता था, क्या मैं खेल पाऊंगा या नहीं। पांच बार के आईपीएल चैम्पियन कप्तान ने कहा कि जब तक मैदान पर नहीं पहुंचते, तब तक पता नहीं चलता कि शरीर कैसे काम कर रहा है। लेकिन प्रत्एक दिन हैमस्ट्रिंग चोट की स्थिति बदल रही थी। यह जिस तरह से ठीक हो रही थी तो मैं आश्वस्त हो गया कि मैं खेल सकता हूं और मैंने उस समय मुंबई इंडियंस को इसके बारे में बता दिया।

मेरे आईपीएल प्रदर्शन ने इस आस्ट्रेलिया दौरे से दबाव हटा दिया: शमी

सिडनी। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन के बाद अच्छी लय में हैं जिससे वह बिना किसी दबाव के आस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ी टेस्ट श्रृंखला के लिए तैयारी कर पाए। शमी का यह आईपीएल सत्र सर्वश्रेष्ठ रहा जिसमें उन्होंने किंग्स इलेवन पंजाब के लिए 20 विकेट चटकाए जिसमें मुंबई इंडियंस के खिलाफ डबल सुपर ओवर मैच में पांच रन का शानदार बचाव करना भी शामिल रहा। शमी ने शनिवार को बीसीसीआई डॉट टीवी से कहा, आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब के लिए मेरे प्रदर्शन ने मुझे काफी आत्मविश्वास दिया और मुझे सही स्थिति में पहुंचा दिया। शमी को लगता है कि आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन ने उन पर से दबाव हटा दिया। उन्होंने कहा, सबसे बड़ा फायदा यह है कि मैं अब बिना किसी दबाव के आगामी श्रृंखला के लिए तैयारी कर सकता हूं। मेरे ऊपर कोई दबाव नहीं है। मैं इस समय काफी सहज हूं। उन्होंने कहा, मैंने लॉकडाउन में अपनी गेंदबाजी और अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। मैं जानता था कि आईपीएल का आयोजन होना ही है और मैं इसके लिए खुद ही तैयारी में जुटा था। शमी ने कहा कि इस दौरे पर टेस्ट मैच उनके लिए प्राथमिकता हैं और वह पिछले एक हफ्ते से ट्रेनिंग सत्र के दौरान कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह दौरा काफी लंबा होगा जिसकी शुरूआत सफेद गेंद के क्रिकेट से होगी जिसके बाद गुलाबी और लाल गेंद के टेस्ट खेले जाएंगे। मेरा ध्यान हमेशा लाल गेंद का क्रिकेट रहा है और मैं अपनी लेंथ और सीम मूवमेंट पर काम कर रहा हूं।

शेफील्ड शील्ड का अनुभव भारत के खिलाफ मददगार होगा: एगर

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के स्पिन आल राउंडर एशटन एगर ने कहा कि हाल में शेफील्ड शील्फ मैचों के दौरान का अनुभव उन्हें भारत के खिलाफ आगामी श्रृंखला में मदद करेगा। सत्ताईस वर्षीय एगर पिछली गर्मियों में आस्ट्रेलिया के सीमित ओवर के दोनों प्रारूपों में खेले थे लेकिन सितंबर में इंग्लैंड के दौरे पर वनडे टीम में जगह नहीं बना सके थे। अब वह शेफील्ड शील्ड के बाद पर्थ में दो हफ्ते के पृथकवास को पूरा करने के पश्चात रविवार से सीमित ओवर के साथी खिलाड़ियों के साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं और उन्हें उम्मीद है कि पिछले कुछ हफ्तों का अनुभव उन्हें आगामी श्रृंखला में मदद करेगा। एगर ने अक्टूबर-नवंबर में वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के लिए तीन मैचों में 10 विकेट लिए। उन्होंने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, मैंने तीन शील्ड मैचों में 150 ओवर के करीब गेंदबाजी की। मैंने कुछ कठिन विकेटों पर भी गेंदबाजी की। अच्छे विकेट पर बल्लेबाजों को आउट करने की कोशिश करने के बारे में सोचने के बाद आपको वनडे और टी20 श्रृंखला में वास्तव में सहायता मिलती है। एगर हालांकि दक्षिण अफ्रीका में मार्च में 50 ओवर का मैच खेलने के बाद वनडे में नहीं खेले हैं क्योंकि इसके बाद कोविड-19 महामारी के कारण स्थानीय लॉकडाउन लग गया। हां, मैंने काफी समय से सफेद गेंद का क्रिकेट नहीं खेला है लेकिन मुझे इससे ज्यादा चिंता नहीं है। वनडे टीम में जगह बनाना काफी मुश्किल है। मैंने टी20 क्रिकेट के लिए खुद के चयन के लिए सबकुछ कर दिया है। मैं इस प्रारूप में ज्यादा आत्मविश्वास से भरा महसूस करता हूं। एगर ने 27 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 30 विकेट चटकाए हैं जबकि अपने करियर में 13 वनडे में 10 विकेट हासिल किए हैं।

कोहली के लिए प्रेरणा कभी समस्या नहीं रही है : स्टोइनिस

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस ने कहा कि विराट कोहली मैदान में हर बार अपना शत-प्रतिशत देते है और उनकी टीम भारतीय कप्तान की चुनौती से निपटने के लिए उसी अंदाज में तैयारी कर रही है। कोहली हालांकि सीमित ओवरों के छह मुकाबले और एडीलेड मे खेले जाने वाले शुरुआती टेस्ट मैच के बाद पितृत्व अवकाश पर भारत वापस लौट जाएगें। ईएसपीनक्रिकइंफो के मुताबिक स्टोइनिस ने कहा, विराट की चिंता मत करिए। वह हर मैच में अपना सब कुछ देते है। शायद अतिरिक्त प्रेरणा होगी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि 110 प्रतिशत से अधिक कोई अतिरिक्त प्रेरणा होती है। देखते हैं। मुझे यकीन है कि वह (कोहली) जाने (भारत) के लिए तैयार होंगे। वह अपने बच्चे के जन्म के लिए घर जा रहे है, जो मेरी राय में सही फैसला है। इसलिए मुझे यकीन है कि वह अतिरिक्त प्रेरित होंगे। स्टोइनिस ने कहा कि कोच जस्टिन लैंगर और उनकी टीम के पास सफेद गेंद के क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक में शामिल भारतीय कप्तान का मुकाबला करने के लिए पूर्ण रणनीति होगी।

मोनाको ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पीएसजी को 3-2 से हराया

भाषा। पेरिस

किलियान एमबापे के अपने पूर्व क्लब के खिलाफ दो गोल भी फ्रेंच फुटबॉल लीग में शीर्ष पर चल रहे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के लिए काफी नहीं रहे जिसे 2-0 की बढ़त के बावजूद मोनाको से 3-2 से हार का मुंह देखना पड़ा। एमबापे ने पहले हाफ में दो गोल कर पीएसजी के लिए गोल की संख्या 99 कर ली। वह तीन साल पहले मोनाको से काफी बड़ी राशि के करार में पीएसजी से जुड़े थे। लेकिन मोनाको के लिए जर्मनी के फारवर्ड केविन वोलैंड ने ब्रेक के बाद दो गोल दाग दिए जबकि पूर्व स्पेनिश और बार्सिलोना के मिडफील्डर सेस्क फाब्रेगास ने 83वें मिनट में टीम के लिए पेनल्टी से विजई गोल किया। यह पीएसजी की सत्र की तीसरी हार थी, उसने पहले दो मैचों में मिली हार के बाद लगातार आठ जीत अपने नाम की थी। मोनाको इस जीत से पीएसजी (24) से चार अंक पीछे दूसरे स्थान पर पहुंच गया। शुक्रवार को अन्य मैच में रेनेस को बोरडेक्स से हार का सामना करना पड़ा।

हुएस्का ने ओसासुना से 1-1 से ड्रा खेला

पैम्पलोना। ओसासुना ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेनिश फुटबाल लीग के मुकाबले में हुएस्का से 1-1 से ड्रा खेला। हुएस्का के लिए सैंड्रो रमीरेज ने पांचवें ही मिनट में गोल कर 1-0 से बढ़त बना ली थी। लेकिन ओसासुना ने डिफेंडर डेविड गार्सिया के 68वें मिनट में किए गए गोल से स्कोर 1-1 कर दिया जो अंत तक बरकरार रहा। हुएस्का क्लब अभी तक एक भी मैच में जीत हासिल नही पाया है जिसने स्पेनिश लीग में वापसी के बाद सात मैच ड्रा खेले और तीन मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा।

साइक्लिस्ट ओम ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक दूरी सबसे तेज पूरी करने का रिकार्ड बनाया

मुंबई। नासिक के साइक्लिस्ट ओम महाजन ने साइकिल पर श्रीनगर से कन्याकुमारी तक की 3,600 किमी की दूरी शनिवार दोपहर आठ दिन सात घंटे 38 मिनट में पूरी कर रिकार्ड बनाया। अगले महीने 18 वर्ष के होने वाले ओम ने कन्याकुमारी पहुंचने के बाद पीटीआई से बात करते हुए कहा, मैं हमेशा साइक्लिंग करना चाहता था। लॉकडाउन शुरू होने के बाद मैंने एंड्योरेंस साइक्लिंग और आरएएएम (अमेरिका में रेस) में हिस्सा लेने का सपना देखना शुरू किया। छह महीने पहले, मैंने आरएएएम के लिए क्वालीफायर की ट्रेनिंग शुरू की जो नवंबर में होनी थी। लेकिन 600 किलोमीटर क्वालीफायर के बजाय ओम ने रेस एक्रोस इंडिया (भारत में रेस) करने का फैसला किया। उन्होंने पिछले हफ्ते श्रीनगर की ठंडी रात से शुरूआत करते हुए कन्याकुमारी तक का सफर पूरा किया। इस दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश में भारी बारिश और दक्षिण में भीषण गर्मी का सामना किया। श्रीनगर से कन्याकुमारी तक सबसे तेज साइकिल चलाने का रिकार्ड उनके अंकल महेंद्र महाजन के नाम था।

विदेशी खिलाड़ियों से मजबूत गोवा दिखाएगा दम

● छेत्री की अगुआई वाली बेंगलुरू के खिलाफ अभियान शुरू करेगी टीम

भाषा। मडगांव

नए मुख्य कोच और नए विदेशी खिलाड़ियों की मौजूदगी से मजबूत हुई एफसी गोवा की टीम रविवार को यहां बेंगलुरू एफसी के खिलाफ अपना इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) अभियान शुरू करेगी। नए लुक वाली एफसी गोवा इस बार पिछले प्रदर्शन से बेहतर करना चाहेगी जिसने एक भी बार आईएसएल ट्राफी अपने नाम नहीं की है जबकि वह 2018 और 2015 में उप विजेता रही थी। लेकिन इस बार कोच जुआन फेरांडो की टीम के लिए चीजें आसान नहीं होंगी। फेरांडो चाहते हैं कि क्लब आक्रामक फुटबॉल खेलना जारी रखे जो वे अपने पूर्व कोच सर्गियो लोबेरा के मार्गदर्शन में खेलते थे। फेरांडो ने कहा, हम आक्रामक फुटबॉल खेलना जारी रखेंगे। मेरे पद में यही चीज मुझे आकर्षित लगी क्योंकि मैं इसी तरह की फुटबॉल में भरोसा करता हूं। वहीं दूसरी ओर बेंगलुरू की टीम एक बार आईएसएल का खिताब अपने नाम कर चुकी है और वह भी जीत के साथ शुरूआत करना चाहेंगी जिसमें उसके स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री अहम भूमिका अदा करेंगे। बेंगलुरू टीम काफी बेहतरीन इकाई है और वह गोवा की टीम के लिए कड़ी प्रतिद्वंद्वी साबित होगी। छेत्री अकेले दम पर मैच का रूख बदल सकते हैं और मजबूत टीम के साथ बेंगलुरू एफसी को हराना किसी भी टीम के लिए टेढ़ी खीर होगी। टीम में अनुभवी गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू भी शामिल हैं जो छेत्री जितने ही महत्वपूर्ण है। फेरांडो ने मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बेंगलुरू एफसी को बहुत अच्छी टीम करार दिया लेकिन साथ ही कहा कि उनकी टीम काफी सकारात्मक है।

पिता के निधन के बाद भी ऑस्ट्रेलिया में रूकने का फैसला करने पर गांगुली ने सिराज की सराहना की

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने शनिवार को कहा कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को पिता के निधन के बाद शोक में डूबे परिवार के साथ होने के लिए भारत लौटने का विकल्प दिया गया था लेकिन उन्होंने राष्ट्रीय कर्तव्य के कारण ऑस्ट्रेलिया में रूके रहने का फैसला किया। सिराज के पिता मोहम्मद गौस 53 बरस के थे और फेफड़ों की बीमारी से जूझ रहे थे। बीसीसीआई से जारी विज्ञप्ति में शाह ने कहा, बीसीसीआई ने सिराज के साथ एक चर्चा की और दुख की इस घड़ी में उन्हें अपने परिवार के साथ होने के लिए भारत आने का विकल्प दिया गया। इस तेज गेंदबाज ने भारतीय दल के साथ बने रहने और अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों को निभाने का फैसला किया है। बीसीसीआई उनके दुख को साझा करता है और इस बेहद चुनौतीपूर्ण समय में सिराज का समर्थन करेगा। बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली ने त्रासदी की इस घड़ी में जीवटता और मजबूत मानसिकता दिखाने के लिए हैदराबाद के इस तेज गेंदबाज की सराहना की। मोहम्मद सिराज को इस परिस्थिति का सामना करने के लिए मजबूती मिले। मैं इस दौरे पर उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं। जबरदस्त जीवटता। एक क्रिकेटर के रूप में सिराज की सफलता में उनके ऑटो चालक पिता की अहम भूमिका रही, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने बेटे की महत्वाकांक्षाओं का समर्थन किया।

केंद्र ने 28 खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं के लिए 107.42 करोड़ रुपए की मंजूरी दी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 10 राज्यों में 28 खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 107.42 करोड़ रुपए का अनुदान मंजूर किया है। सरकार ने शनिवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से करीब 10 हजार लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में अंतर-मंत्रालई अनुमोदन समिति की आभासी बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। बैठक में राज्य मंत्री रामेश्वर तेली भी उपस्थित थे। समिति ने 320.33 करोड़ रुपए की लागत वाली इन परियोजनाओं की मदद के लिए 107.42 करोड़ रुपए का अनुदान देने की मंजूरी दी। इनमें से 20.35 करोड़ रुपए का अनुदान पूर्वोत्तर के राज्यों की 48.87 करोड़ रुपए की लागत वाली छह परियोजनाओं के लिए है।

पंजाब एंड सिंध बैंक जुटाएगा 5,500 करोड़ तक की राशि

नई दिल्ली। सरकारी क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक ने शनिवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने तरजीही आधार पर शेयर जारी कर 5,500 करोड़ रुपए तक की राशि जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बैंक ने कहा कि सरकार 2020-21 के दौरान शेयरों के तरजीही आवंटन के बदले 5,500 करोड़ रुपए की पूंजी डालने वाली है। निदेशक मंडल की यह मंजूरी इसी उद्देश्य से है। बैंक ने कहा कि इस राशि से उसे नियामकीय आवश्कताओं तथा वृद्धि के लिए जरूरी पूंजी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

बाइडन के आर्थिक विकल्पों को सीमित करने के आरोपों से म्नुचिन ने किया इनकार

वाशिंगटन। अमेरिका के वित्त मंत्री स्टीवन म्नुचिन ने निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा आर्थिक विकल्पों को सीमित करने की कोशिश के आरोपों से शुक्रवार को इनकार किया। म्नुचिन के ऊपर आरोप है कि वह फेडरल रिजर्व के द्वारा चलाए जा रहे कई आपात ऋण कार्यक्रमों को रोक रहे हैं। इससे कोरोना वायरस से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने में बाइडन के विकल्प सीमित हो रहे हैं। म्नुचिन ने एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा कि इन कार्यक्रमों का अच्छे से उपयोग नहीं किया जा रहा था। कांग्रेस इन कार्यक्रमों की धनराशि को छोटे व्यवसायों के अनुदान में पुन: आवंटित कर या बेरोजगारी मदद में बेहतर तरीके से इस्तेमाल कर सकती है।

हम कुछ भी रोकने का प्रयास नहीं कर रहे हैं। हमें कॉरपोरेट बांड खरीदने के लिए इन पैसों की जरूरत नहीं है। हम इन पैसों से उन छोटे व्यवसायों की मदद करना चाहते हैं, जो अभी भी बंद हैं। यह निर्णय कांग्रेस को कोरोना वायरस से संबंधित अन्य योजनाओं (कार्यक्रमों) में 455 अरब डॉलर का उचित तरीके से इस्तेमाल करने में मदद करेगा। फेडरल रिजर्व ने अपने कॉरपोरेट ऋण, नगर निगम ऋण और मेन स्ट्रीट ऋण कार्यक्रमों को बंद करने वाले म्नुचिन के कदम का शुरू में विरोध किया था, लेकिन बाद में फेड ने अपना रुख नरम कर लिया था। फेडरल रिजर्व की ओर से शुक्रवार को जारी एक पत्र में चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने कहा कि केंद्रीय बैंक आपात ऋण कार्यक्रमों को बंद करने के म्नुचिन के अनुरोध का पालन करेगा और बचे हुए धन को वापस वित्त मंत्रालय को दे देगा।

लगातार दूसरे दिन बढ़ी डीजल-पेट्रोल की कीमत

भाषा। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी के बीच करीब दो महीने की स्थिरता के बाद शनिवार को डीजल और पेट्रोल की कीमतें लगातार दूसरे दिन बढ़ाई गईं। पेट्रोल के दाम में 15 पैसे और डीजल में 20 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई।

पेट्रोल व डीजल जैसे ईंधनों का विपणन करने वाली कंपनियों की एक अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल की कीमत अब 81.23 रुपए से बढ़कर 81.38 रुपए प्रति लीटर हो गई है। इसी तरह डीजल का दाम 70.68 रुपए से बढ़कर 70.88 रुपए प्रति लीटर हो गया है। इससे पहले शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में क्रमश: 17 पैसे और 22 पैसे की वृद्धि की गई थी। यह पेट्रोल के दाम में 22 सितंबर के बाद और डीजल के दाम में दो अक्टूबर के बाद का पहला बदलाव था। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड अंतरराष्ट्रीय स्तर की मानक दर और विदेशी मुद्रा विनिमय दर के हिसाब से घरेलू बाजार में डीजल व पेट्रोल की खुदरा कीमतों में बदलाव करती हैं। हालांकि कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए इन कंपनियों ने कुछ समय के लिए कीमतों में संशोधन टाल दिया था। पेट्रोल के दाम 58 दिन और डीजल के दाम 48 दिन के लिए स्थिर रहे थे। मुंबई में शुक्रवार को पेट्रोल 87.92 रुपए से बढ़ाकर 88.09 रुपए प्रति लीटर और डीजल 77.11 रुपए से बढ़ाकर 77.34 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया था।

भारत में उपभोक्ताओं के लिए सुगम बदलाव को लेकर साझेदार हीरो के साथ काम कर रही हर्ले डेविडसन

नई दिल्ली। बाइक बनाने वाली अमेरिकी कंपनी हर्ले डेविडसन ने शनिवार को कहा कि वह भारत में उपभोक्ताओं के लिए सुगम बदलाव सुनिश्चित करने को लेकर अपनी साझेदार कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के साथ मिलकर काम कर रही है। हर्ले डेविडसन ने भारतीय बाजार के लिए हीरो मोटोकॉर्प के साथ साझेदारी की पिछले महीने घोषणा की थी। दोनों कंपनियों ने एक-दूसरे के वितरण नेटवर्क को आपस में जोड़ने का एक करार किया है। इसके तहत हीरो मोटोकॉर्प हर्ले डेविडसन के मोटरसाइकिलों की बिक्री करेगी और बिक्री के बाद की सेवा भी प्रदान करेगी। हीरो मोटोकॉर्प हर्ले डेविडसन के कल-पुर्जो तथा एसेसरीज की बिक्री करेगी। हर्ले डेविडसन के प्रबंध निदेशक (एशिया के उभरते बाजार तथा भारत) संजीव राजशेखरन ने एक बयान में कहा, हम भारत में अपना बिजनेस मॉडल बदल रहे हैं। हम हीरो मोटोकॉर्प के साथ अपनी आगे की यात्रा जारी रखने को लेकर उत्साहित हैं। हम अपने उपभोक्ताओं के लिए सुगम बदलाव सुनिश्चित करने की दिशा में हीरो मोटोकॉर्प के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

हीरो कोलैब्स पर साल भर मुहिम चलाएगी हीरो मोटोकॉर्प

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प अपने गठजोड़ मंच हीरो कोलैब्स पर कारोबारी परिचालन के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए साल भर कई मुहिम चलाने वाली है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी। कंपनी ने इस साल अप्रैल में हीरो कोलैब्स- दी डिजायन चैलेंज मुहिम की शुरुआत की थी।

इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस ने स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया

मुंबई। इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेस के बोर्ड ने शनिवार को दीनबंधु महापात्र को कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी। उनकी नियुक्ति 23 नवंबर से प्रभावी होगी। कंपनी ने एक बयान मे बताया कि महापात्र बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ है तथा उन्हें तीन दशकों से अधिक का अनुभव है।

टीडीआई इंफ्राटेक वाणिज्यिक परियोजना विकसित करेगी

नई दिल्ली। रियल्टी कंपनी टीडीआई इंफ्राटेक लिमिटेड ने शनिवार को कहा कि वह मोहाली मे एक वाणिज्यिक परियोजना विकसित करने के लिए 100 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। दिल्ली स्थित कंपनी ने एक बयान मे कहा कि परियोजना 1.38 एकड़ मे फैली होगी और इसमें कुल निर्मित क्षेत्र 1.5 लाख वर्ग फुट का होगा।

युनिलीवर का दावा, कोरोना वायरस को खत्म कर देता है उसका माउथवाश

नई दिल्ली। रोजर्मा के इस्तेमाल वाले उत्पाद (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी यूनिलीवर भारत में अपना माउथवॉश फॉर्मूलेशन पेश करने वाली है। कंपनी का दावा है कि इस माउथवॉश से 30 सेकेंड कुल्ला करने पर 99.9 प्रतिशत कोरोना वायरस समाप्त हो जाता है। कंपनी ने एक बयान में कहा, यूनिलीवर ने इस बात की पुष्टि की है, प्रयोगशाला में किए गए प्राथमिक परीक्षण बताते है कि सीपीसी टेक्नोलॉजी वाला उसका माउथवॉश फॉर्मूलेशन 30 सेकेंड कुल्ला करने पर कोविड-19 के लिए जिम्मेदार सार्स-सीओवी-2 वायरस को 99.9 प्रतिशत तक समाप्त कर देता है।

बुलढाणा की हिस्सेदारी खरीदेगी एयरटेल

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने सौर ऊर्जा कंपनी अवाडा एमएच बुलढाणा की 5.2 प्रतिशत हिस्सेदारी 4.55 करोड़ रुपए में खरीदने की शुक्रवार को घोषणा की।

ट्रंप सहित एपेक नेताओं ने मुक्त व्यापार पर सहमति जताई

भाषा। कुआलालंपुर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग मंच (एपेक) के नेताओं ने कोरोना वायरस के चलते कठिनाइयों का सामना कर रहीं अर्थव्यवस्थाओं को फिर से पटरी पर लाने के लिए मुक्त, खुले और गैर-भेदभावपूर्ण व्यापार और निवेश की दिशा में काम करने का संकल्प लिया। एपेक नेताओं ने 2017 के बाद से शुक्रवार को अपना पहला संयुक्त बयान जारी करने के लिए मतभेदों को अलग रखा, और 21 एपेक अर्थव्यवस्थाओं के बीच बड़े पैमाने पर मुक्त व्यापार समझौते और क्षेत्रीय एकीकरण को मजबूत बनाने पर सहमति जताई। इस साल की बैठक के मेजबान देश मलेशियाई के प्रधानमंत्री मोहिउद्दीन यासीन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमेरिका और चीन के व्यापार युद्ध, जिसके चलते अतीत में वार्ता बाधित हुई, वह कोविड-19 महामारी के कारण खत्म हो गया है। इस साल एशिया-प्रशांत क्षेत्र की वृद्धि दर में 2.7 प्रतिशत गिरावट की उम्मीद है, जो 2019 में 3.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

अभी नहीं बरत सकते ढिलाई: अंबानी

● कोविड-19 के खिलाफ अभियान में अहम मोड़ पर भारत

भाषा। गांधीनगर

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) मुकेश अंबानी ने शनिवार को कहा कि भारत कोरोना वायरस के खिलाफ अपनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि ऐसे मौके पर पहुंचकर अब ढिलाई नहीं बरती जा सकती है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किए गए साहसिक सुधारों से आने वाले वर्षों में तेजी से आर्थिक पुनरुद्धार होगा और तीव्र प्रगति होगी। अंबानी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब देश के कुछ हिस्सों में कोविड-19 के मामले फिर से बढ़ने लगे हैं। इसके कारण प्रशासन को पाबंदियां लगाने पर मजबूर होना पड़ रहा है। उदाहरण के लिए, अहमदाबाद में प्रशासन ने रात का कर्फ्यू लागू किया है जबकि दिल्ली जैसे शहरों में आवागमन पर कुछ पाबदियां लगाई गई हैं। अंबानी ने पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी के आठवें दीक्षांत समारोह में कहा, भारत ने कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश किया है। हम इस मोड़ पर ढिलाई नहीं बरत सकते। अंबानी इस संस्थान के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि भारत की एक प्राचीन भूमि है और इसने इतिहास में भी कई प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना किया है। भारत हर बार पहले से अधिक मजबूत होकर उभरा है, क्योंकि लचीलापन लोगों और संस्कृति में गहराई से निहित है। अंबानी ने समारोह को आभासी माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें कोविड-19 के बाद के काल में शानदार वृद्धि दिखाई दे रही है।

ट्रंप के चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप वाले मुकदमे औंधे मुंह गिर रहे अदालतों में

एपी। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक ओर तो चुनाव परिणामों को पलटने के अपने प्रयासों को तेज करने का संकल्प ले रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके द्वारा दी गई कानूनी चुनौतियों को देशभर के न्यायाधीश लगातार खारिज कर रहे हैं।ट्रंप का अभियान चुनाव में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के अपने आरोपों के समर्थन में कुछ सबूत पेश नहीं कर सका है ऐसे में अदालतों में ये मुकदमे ठहर नहीं पा रहे।

विशेषज्ञों का मानना है कि चुनाव में धोखाधड़ी जैसा कुछ नहीं हुआ है तथा ट्रंप नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन को जनवरी में पदभार संभालने से रोकने में कामयाब नहीं होंगे।इस हफ्ते एक दिन के भीतर ट्रंप और उनके रिपब्लिकन सहएगी तीन राज्यों में चुनाव परिणामों के प्रमाण-पत्र को रोकने की खातिर दर्ज करवाए गए मुकदमों में या तो हार गए या फिर वे मुकदमे खारिज कर दिए गए।एरिजोना में न्यायाधीश ने बृहस्पतिवार को रिपब्लिकन सदस्यों की ओर से चुनाव परिणामों के प्रमाण-पत्र को स्थगित करने की मांग करने वाले मुकदमे को खारिज कर दिया। इसी दिन जॉर्जिया के एक न्यायाधीश ने भी इसी तरह की मांग को लेकर दायर अनुरोध खारिज कर दिया। वहीं, मिशिगन में ट्रंप के अभियान ने अपना मुकदमा बृहस्पतिवार को

सत्ता हस्तांतरण के लिए संवैधानिक रूप से आवश्यक हर कदम उठाया: व्हाइट हाउस

भाषा। वाशिंगटन

व्हाइट हाउस की ओर से शुक्रवार को कहा गया कि राष्ट्रपति सत्ता हस्तांतरण कानून के तहत संवैधानिक रूप से जो भी आवश्यक है वह सब ट्रंप प्रशासन ने किया है।पूर्व उप राष्ट्रपति जो बाइडन को पेन्सिल्वेनिया, मिशिगन और विस्कोंसिन में जीत के बाद सात नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का विजेता घोषित कर दिया गया था। बाइडन के पास 306 इलेक्टोरल वोट हैं और ट्रंप के पास 232 इलेक्टोरल वोट। व्हाइट हाउस तक की दौड़ जीतने के लिए कम से कम 270 इलेक्टोरल वोट की जरूरत होती है।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कायली मैकनेनी ने संवाददाताओं से कहा, राष्ट्रपति सत्ता हस्तांतरण कानून यह बताता है कि चुनाव की आगे की प्रक्रिया में प्रशासन को क्या करना है। संवैधानिक रूप से जो भी आवश्यक है वह सब हमने किया है और करना जारी रखेंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा हार नहीं मानने तथा चुनाव प्रमाण पत्र के अभाव के कारण जनरल सर्विसेस एडमिनिस्ट्रेशन ने आगामी प्रशासन के लिए सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया सुगम बनाने की खातिर आवश्यक कदम नहीं उठाए हैं।

ब्राजील के एक स्टोर में बिखरे सामान को यथास्थान पर रखते कर्मचारी। गौरतलब है कि ब्लैक मैन सिल्वारिया की मौत के बाद लोगों ने किए थे हिंसक प्रदर्शन

बाइडन और हैरिस ने निम्न सदन की स्पीकर नैंसी पेलोसी और सीनेट नेता शूमर से मुलाकात की

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन और नवनिर्वाचित उपराष्ट्रति कमला हैरिस ने अमेरिकी कांग्रेस के निम्न सदन प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी और सीनेट में अल्पमत वाली पार्टी के नेता चक शूमर से मुलाकात की और कोविड-19 से प्रभावित परिवारों और छोटे कारोबारों को तुरंत मदद करने की अपनी साझी प्राथमिकता पर चर्चा की। डेलावेयर के विलमिंगटन में शुक्रवार को हुई बैठक के बाद सत्ता हस्तांतरण टीम ने एक बयान में कहा कि बाइडन, हैरिस, पेलोसी और शूमर ने अपनी पहली बैठक में कोविड-19 के बढ़ रहे मामलों और इसकी वजह से देशभर के समुदायों, नौकरीपेशा परिवारों और छोटे कारोबारों पर पड़ रहे दबाव पर चर्चा की। विज्ञप्ति के मुताबिक, वे इस बात पर सहमत हुए कि मौजूदा कांग्रेस का कार्यकाल खत्म होने से पहले एक राहत पैकेज को पारित करने की जरूरत है जिसमें कोविड-से लड़ने के लिए संसाधन, नौकरीपेशा परिवारों और छोटे कारोबार के लिए राहत, महामारी के खिलाफ लड़ रहे कर्मचारियों की तनख्वाह के लिए राज्यों और स्थानीय सरकार की मदद, बेरोजगारी बीमा का विस्तार और करोड़ों परिवारों के लिए वहनीय स्वास्थ्य सेवा की व्यवस्था होनी चाहिए।

जॉर्जिया के गवर्नर ने राज्य में बाइडन की जीत को सत्यापित किया

एपी। अटलांटा

जॉर्जिया के गवर्नर और शीर्ष चुनाव अधिकारी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति चुनाव के लिए हुए मतदान के नतीजों को सत्यापित कर दिया है, जिसमें रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प पर डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन की जीत को दिखाया गया है। गवर्नर के सत्यापन के साथ राज्य में राष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया समापन की ओर एक कदम और बढ़ गई है, जिसमें ट्रम्प और उनके समर्थकों ने धांधली का आरोप लगाया था। मंत्री ब्रैड राफ्फेंस्परगर ने 159 काउंटियों के नतीजों को प्रमाणित किया जिसमें करीब 50 लाख मत पत्रों की हाथ से गिनती की गई। नतीजों के मुताबिक बाइडन को 24.7 लाख मत मिले जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पक्ष में 24.6 लाख मत पड़े। वहीं, लिबरटेरियन प्रत्याशी जो जॉर्गेनसन को 62,138 मत मिले हैं। इस प्रकार बाइडन को ट्रम्प पर 12,670 मतों (या 0.25 प्रतिशत)से बढ़त है। प्रवक्ता कॉडी हॉल ने बताया कि शुक्रवार को रिपब्लिकन गवर्नर ब्रायन केम्प ने भी मतों के आधार पर राज्य से राष्ट्रपति निर्वाचन मंडल के लिए भेजे जाने 16 सदस्यों के निर्वाचन को सत्यापित कर दिया। संवाददाता सम्मेलन में केम्प ने सीधे तौर पर नतीजों का समर्थन नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने कहा कि कानूनी तौर पर नतीजों का सत्यापन जरूरी है। यह ट्रम्प अभियान के लिए अन्य कानूनी विकल्प तलाशने और अगर वे चुनते हैं तो अलग से दोबारा गिनती का मार्ग प्रशस्त करेगा।

अफगानिस्तान तभी सफल होगा जब डूरंड रेखा के पार से आतंकी गतिविधियां संचालित न हों : भारत

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

● भारत ने कहा कि आतंकवादियों को पनाह देने वालों की जवाबदेही तय होनी चाहिए और सुरक्षा परिषद को ऐसी ताकतों के खिलाफ स्पष्ट रूप से बोलना चाहिए

भारत ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए संयुक्त राष्ट्र से कहा है कि अफगानिस्तान तभी सफल हो सकता है जब डूरंड रेखा के पार से अब और आतंकवादी गतिविधियों का संचालन नहीं हो।

भारत ने कहा कि आतंकवादियों को पनाह देने वालों की जवाबदेही तय होनी चाहिए और सुरक्षा परिषद को ऐसी ताकतों के खिलाफ स्पष्ट रूप से बोलना चाहिए। डूरंड रेखा अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच 2,640 किलोमीटर लंबी सीमा है।संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने शुक्रवार को कहा, हमारा विचार है कि शांति प्रक्रिया और हिंसा साथ में नहीं चल सकते और हम तत्काल समग्र संघर्ष विराम का आह्वान करते हैं। अफगानिस्तान में दीर्घकालिक शांति के लिए हमें डूरंड रेखा के पार से संचालित आतंकवादियों की सुरक्षित पनाहगाहों को खत्म करना होगा। अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया को समर्थन देने में सुरक्षा परिषद की भूमिका विषय पर आयोजित एरिया फॉर्मूला बैठक में उन्होंने कहा कि अलकायदादाएश प्रतिबंध समिति के तहत एनालिटिकल सपोर्ट ऐंड सैंक्शन्स मॉनिटरिंग टीम की रिपोर्ट में यह रेखांकित किया गया है कि अफगानिस्तान में विदेश लड़ाके मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में हिंसा को खत्म करने के लिए आतंकवादियों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ना होगा।तिरुमूर्ति ने कहा, समय आ गया है कि सुरक्षा परिषद हिंसा और आतंकवादी ताकतों तथा कृत्यों के खिलाफ स्पष्ट रूप से बोले तथा आतंकवादी ठिकानों और उनकी सुरक्षित पनाहों के खिलाफ कार्वाई करे। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, अफगानिस्तान तभी सफल हो सकता है जब डूरंड रेखा के पार से आतंकवादी गतिविधियों का संचालन नहीं हो। अफगानिस्तान के भविष्य को आकार देने में आतंकवाद और हिंसा की कोई भूमिका नहीं हो सकती। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि अफगानिस्तान या क्षेत्र के किसी अन्य देश को खतरा पहुंचाने वाले आतंकवादियों को कोई पनाह नहीं दे। तिरुमूर्ति ने कहा कि आज अफगानिस्तान गंभीर स्थिति में है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासतौर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के लिए सभी संबंधित पक्षों को सही संदेश भेजना महत्वपूर्ण हैभारतीय राजदूत ने इस बात पर भी जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पिछले दो दशकों में मिले लाभों को गंवा नहीं सकता क्योंकि अब तक हुई प्रगति बहुत ही मेहनत से अर्जित की गई है।

कोविड-19 टीके को विकसित करने में अब तक मिली सफलता से उम्मीद की किरण दिखी : एंतोनियो गुतेरस

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरस ने कोविड-19 के लिए टीका विकसित करने में अब तक मिली सफलता को उम्मीद की किरण करार दिया है। उन्होंने टीके को हर किसी तक पहुंचाने पर जोर दिया और समूह-20 देशों से कोरोना वायरस का इलाज और दवा विकसित करने में वैश्विक साझेदारी का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि इस हफ्ते वैश्विक दवा कंपनियों फाइजर और बायोएनटेक ने घोषणा की थी कि उनके द्वारा विकसित संभावित कोविड-19 टीका 65 वर्ष से अधिक उम्र के मरीजों सहित 95 प्रतिशत तक प्रभावी है। गुतेरस ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, कोविड-19 टीके पर हाल में मिली सफलता उम्मीद की किरण है लेकिन यह उम्मीद की किरण हर किसी तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा, इसका अभिप्राय है कि वैश्विक स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए टीका सुनिश्चित किया जाना चाहिए- यह सभी के लिए और हर जगह सुलभ और वहनीय हो, यह लोगों का टीका हो। यह कोई धर्मार्थ नहीं है बल्कि यह महामारी से होने वाली मौतों को रोकने और वायरस को नियंत्रित करने का तरीका है। गुतेरस ने जोर देकर कहा, जीवन एकजुटता में ही निहित है। महासचिव ने कहा कि पिछले सात महीने में देशों ने टीका विकसित करने, जांच और चिकित्सा पद्धति तलाशने के लिए 10 अरब डॉलर का निवेश किया लेकिन 28 अरब डॉलर और निवेश की जरूरत है जिनमें से 4.2 अरब डॉलर इस साल के अंत तक चाहिए। उन्होंने टीके को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों और दुष्प्रचार पर भी चिंता जताई।

दोहा अंतरराष्ट्रीय एअरपोर्ट पर अमेरिकी विदेश सचिव माइक पेम्पियो व उनकी पत्नी का कतर एअरवेज के सीईओ अकबर-अल-बकर व अन्य अभिवादन करते हुए

वर्ष के अंत तक कोविड-19 के टीके की चार करोड़ खुराक उपलब्ध होंगी : व्हाइट हाउस

भाषा। वाशिंगटन

ट्रम्प प्रशासन पूरे देश में कोविड19 का टीका वितरित करने की योजना के साथ तैयार है और उसे अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन से इसके आवश्यक आपातकालीन इस्तेमाल का अधिकार मिलने का इंतजार है। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को इसके बारे में जानकारी दी।व्हाइट हाउस ने कहा है कि इस साल के अंत तक इस टीके की चार करोड़ खुराकें उपलब्ध होंगी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कायली मेकनैनी ने यहां संवाददाताओं को बताया, जहां तक टीके का सवाल है तो, हमारा मानना है कि इस साल के अंत तक इसकी चार करोड़ खुराक उपलब्ध होंगी। यह असाधारण है। उन्होंने कहा, यह केवल राष्ट्रपति की वजह से ही संभव हो सका है, जिन्होंने उसी समय कहा था कि मैं टीका ला रहा हूं, मैं कुछ नया करने जा रहा हूं। मैं इसका निर्माण करने जा रहा हूं। इससे कई अमेरिकियों की जान बचाने में सफलता मिलेगी। राष्ट्रपति ट्रम्प का

और उनके इस महान कार्य का शुक्रिया। मेकनैनी ने कहा कि हाल के दिनों में फाइजर एवं मॉडर्ना ने अपने टीके के विकास की उच्च सफलता के परिणाम के बारे में बताया है। उन्होंने बताया कि दोनों 90 प्रतिशत से अधिक प्रभावी है। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि मॉडर्ना 94.5 फीसदी प्रभावी है और और फाइजर 95 प्रतिशत। इस साल जुलाई में ट्रम्प प्रशासन ने ऑपरेशन वार्प स्पीड के तहत फाइजर को कोविड टीके के निर्माण एवं वितरण के लिए 1.95 अरब डालर देने पर सहमति जताई थी और अमेरिकियों को मुफ्त में यह टीका देने के लिए कहा था।

ट्रंप का सबसे बड़ा बेटा कोरोना वायरस से संक्रमित

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उनके प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले राष्ट्रपति समेत प्रथम परिवार के अन्य सदस्य भी कोविड-19 से पीड़ित रह चुके हैं।प्रवक्ता ने बताया कि ट्रंप जूनियर के कोविड-19 से पीड़ित होने की पुष्टि इस हफ्ते की शुरुआत में हुई और जांच की रिपोर्ट आने के बाद से वह अपने केबिन में पृथक-वास में हैं।प्रवक्ता ने कहा, अब तक उनमें संक्रमण के कोई लक्षण नहीं हैं और वह कोविड-19 संबंधी सभी चिकित्सकीय दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे हैं।

ट्रंप जूनियर (42) से पहले उनके छोटे भाई 14 वर्षीय बैरोन, पिता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एवं अमेरिकी प्रथम महिला मेलानिया भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। राष्ट्रपति उपचार के लिए कुछ दिन तक सेना के अस्पताल में भर्ती रहे थे।दरअसल ट्रंप जूनियर ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने पिता के समर्थन में गहन प्रचार किया था। उनकी महिला मित्र किम्बर्ली गुलिफॉयल को भी जुलाई में कोरोना वायरस संक्रमण हो चुका है। इस महीने की शुरुआत में व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज समेत राष्ट्रपति ट्रंप के अनेक सहायक कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं।अमेरिका में कोरोना वायरस के 1.18 करोड़ से अधिक मामले सामने आ चुके हैं जबकि संक्रमण के कारण यहां 2,53,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड ट्रैकिंग प्रोजेक्ट के अनुसार शुक्रवार को अमेरिका में कोविड-19 के 1,92,000 नए मामले सामने आए।

एशिया तथा दुनिया में लोगों को गायब करने के खिलाफ अमेरिकी सदन में लाया गया प्रस्ताव

वाशिंगटन। अमेरिका के दो शक्तिशाली सांसदों ने प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया है जिसमें एशिया समेत पूरी दुनिया में लोगों को गायब करने की घटनाओं को बंद करने की मांग की गई है। इस प्रस्ताव में श्रीलंका में तमिल भाषी लोगों और चीन में उईगर मुस्लिमों समेत सभी पीड़ितों के लिए न्याय और जवाबदेही का समर्थन किया गया है।यह प्रस्ताव कांग्रेस सदस्य ब्रैड शेरमैन और जैमी रस्किन लेकर आए हैं तथा इसमें अमेरिका द्वारा इंटरनेशनल कन्वेंशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ ऑल पर्सन्स फ्रॉम एन्फोर्स्ड डिसअपिरियंसेस का अनुमोदन करने की मांग की गई है।शेरमैन ने कहा, मानवाधिकारों के इस किस्म के उल्लंघनों के बारे में कुछ करने की जरूरत है। लोगों को गायब करने तथा मानवाधिकारों के अन्य उल्लंघनों के बारे में हमें अपनी आवाज उठानी चाहिए और इन्हें बंद करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। रस्किन ने कहा कि लोगों को गायब करने की समस्या एशिया तथा दुनिया के अन्य हिस्सों में मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन करने वाली है।प्रस्ताव में पाकिस्तान के सिंध समुदाय, श्रीलंका के तमिलों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, इंडोनेशिया में सुहार्तो शासन के पीड़ितों और चीन के उईगर मुस्लिमों के खिलाफ इस तरह के घृणित अपराध को रोकने तथा सभी पीड़ितों के लिए न्याय एवं जवाबदेही का समर्थन किया गया है। इस प्रस्ताव का एमनेस्टी इंटरनेशनल ने समर्थन किया है।

दक्षिण एशिया में कोविड-19 का स्वास्थ्य क्षेत्र से ज्यादा आर्थिक असर : रिपोर्ट

भाषा। वाशिंगटन

दक्षिण एशिया में कोविड-19 महामारी स्वास्थ्य क्षेत्र पर चुनौतियों के मुकाबले आर्थिक मोर्चे पर कहीं बड़ा संकट लेकर आई है। यह आकलन शीर्ष अमेरिकी थिंक टैंक ने अपनी रिपोर्ट में किया है। हडसन इंस्टीट्यूट थिंक टैंक ने शुक्रवार को नौ महीने कोविड-19 के : दक्षिण एशिया पर असर शीर्षक से रिपोर्ट जारी की, जिसके सह लेखक अमेरिका में पाकिस्तान के पूर्व राजदूत हुसैन हक्कानी और अर्पणा पांडे हैं। यह रिपोर्ट मई 2020 में जारी 30 पन्नों की रिपोर्ट कोलकाता से काबुल तक संकट: कोविड-19 का दक्षिण एशिया पर असर का अद्यतन संस्करण है।

हक्कानी ने कहा, दक्षिण एशिया पर कोविड-19 के आर्थिक परिणाम इस क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से भी अधिक साबित हो रहे हैं। विभिन्न दक्षिण एशियाई देश विभिन्न तरीकों से महामारी से निपटे हैं, लेकिन कुल मिलाकर आर्थिक कीमत स्वास्थ्य सेवाओं परिणामों से कहीं अधिक है।

उन्होंने कहा कि इन सभी देशों में स्वास्थ्य आधारभूत संरचना की खराब स्थिति है और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की बड़ी संख्या है, जो स्वास्थ्य संकटों से निपटने के लिए लड़ाई को कठिन बनाते हैं।हक्कानी ने कहा, "सामान्य जीवन में सुरक्षित वापसी और आर्थिक गतिविधियों की बहाली सुनिश्चित करने के लिए, दक्षिण एशियाई सरकारों को मानव पूंजी के विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करना होगा। रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान में कोविड-19 तेजी से बढ़ने के साथ मीडिया और राजनीतिक विरोधियों पर बंदिशें बढ़ रही हैं, अर्थव्यवस्था संकट में है और सेना की भूमिका बढ़ रही है।रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका में कर्ज संकट की स्थिति बद्तर हुई है और राजपक्षे बंधुओं की राजनीति और समाज पर पकड़ और मजबूत हुई है। इसी प्रकार बांग्लादेश आर्थिक रूप से क्षेत्र में दूसरा सबसे प्रभावित देश है और आय में असमानता और बढ़ी है। भारत के बारे में कहा गया है कि अमेरिका के साथ संबंध बढ़ रहे हैं लेकिन अर्थव्यवस्था की गति धीमी पड़ गई है, विरोध की आवाज दबाई जा रही है और भारत का लोकतंत्र विश्वसनीयता की चुनौती का सामना कर रहा है। वहीं, चीन के बारे में कहा गया कि वह इलाके के देशों के साथ अपना रणनीतिक और आर्थिक संबंध मजबूत करने में जुटा है।

काबुल में आवासीय इलाके पर मोर्टार दागे, आठ लोगों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी के कई हिस्सों में शनिवार को करीब 23 मोर्टार दागे गए, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 31 अन्य घायल हो गए। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता तारीक एरियन ने बताया कि दो कारों से मोर्टार दागे गए। तड़के हुए इस हमले की अभी तक किसी ने कोई जिम्मेदारी नहीं ली है। हमले में काबुल के रिहायशी इलाके वजीर अकबर खान को निशाना बनाया गया, जहां कई राजनयिक मिशन के आवास हैं।तालिबान ने तत्काल एक बयान जारी कर हमले में किसी तरह का कोई हाथ ना होने की बात कही है।

पायनियर
रविवार, 22 नवंबर, 2020
एजेण्डा

जो आप देते हैं वही पाते हैं, आप वही चीजें बनाते हैं जो आपसे बनती हैं
- जेनिफर लोपेज

कामिक्स के जरिए भारतीय कहानियों का पुनर्जन्म

हालिया वर्षों में, कामिक पुस्तकों ने भारत में पुनरुत्थान देखा है। डिजीटल तकनीक एवं सोशल मीडिया का आगमन अपने काम को अधिक आसानी के साथ रचने व उसे प्रोत्साहित करने में नए डिजाइनरों व कलाकारों की सहायता कर रहा है। प्रस्तुत है कर्णिका मिश्रा की रिपोर्ट

भारत कहानियों की भूमि है। हमारे प्राचीन अतीत की कथाएं विभिन्न माध्यमों व प्रारूपों में लोगों को सुनाई व पुन: सुनाई गयी हैं। हमने उन्हें बुजुर्गों से सुना है, उन्हें पिचवाई व फाड के भक्तिपूर्ण पन्नों के जरिए कला में चित्रित देखा है, रामलीला या कथकली में उनकी रोमांचकारी चित्रण को अनुभव किया है, यहां तक कि उन्हें दही हांडी जैसे त्योहारों में सजीव स्तर पर प्रस्तुत होते देखा है। रानी लक्ष्मीबाई जैसे आधुनिक ऐतिहासिक व्यक्तित्व भी हमारी कथावाचन परंपराओं का हिस्सा बन गए हैं। सचमुच, इतिहास की हमारी समझ, सांस्कृतिक व नैतिक संवेदनाएं हमारी मौलिक कहानियों द्वारा गढ़ी गयी हैं। नायक व नायिकाओं की किंवदन्तियों ने हमें अपने बाल्यकाल के वर्षों के दौरान प्रेरित किया है।

लिखित शब्द

भारत में मौखिक कथावाचन परंपराओं के साथ, लिखित प्रारूप भी सदियों से मौजूद रहा है। भारत में प्रिंटिंग आने के काफी पहले, भारतीयों ने अपनी कहानियों को भोजवृक्ष या ताड़ पत्रों हस्तलिपियों पर संरक्षित किया है। पंचतंत्र, दुनिया में सबसे प्राचीन कथाओं में से एक, को प्राचीन हस्तलिपियों तथा 18वीं सदी की हस्तलिखित रंगीन चित्रों वाले कागज संस्करणों दोनों में संरक्षित पाया गया है। समकालीन दौर में, वैदिक व पौराणिक साहित्य की प्राचीन कहानियां लगातार, हमें सूचित, शिक्षित व हमारा मनोरंजन करती रहीं खास कर जब वे नए प्रारूपों व माध्यमों को अपनाती हैं।

उल्लेखनीय चरित्रों एवं सार्वभौमिक रूप से प्रासंगिक कथानकों के विशाल स्मारकों वाला हिन्दू धर्म कलाकारों व लेखकों को जबरदस्त रचनात्मक खुराक प्रदान करता है। यह दुनिया में अकेला विशाल धर्म है जो अपने देवताओं की कलात्मक प्रस्तुतियों में अपार स्वतंत्रता प्रदान करता है। भारतीय चिंतन का अंतर्निहित आदर्शवाद न सिर्फ स्वीकार करता है, बल्कि नयी अभिव्यक्तियों को प्रोत्साहित करता है। इसके पाठों की व्यापकता वं उत्कृष्टता चित्रित माध्यमों में अद्भुत ढंग से रूपांतरित भी हुई है। इसीलिए यह आश्चर्यजनक नहीं है कि ये कथाएं आगे बढ़ने की प्रेरणा रहीं जिसने भारतीय कामिक उद्योग को 1960 दशक के बाद लगभग तीन दशकों तक सफलता व लोकप्रियता हासिल कराई।

कॉमिक जगत

भारत में कॉमिक पुस्तकें पश्चिम की तुलना में कुछ दशकों के बाद आईं। देश में प्रकाशित शुरूआती कामिक्स अमरीकी कामिक्स थीं। भारतीय कॉमिक्स ने, हालांकि अपना सबसे सफल दौर बाद में देखा जब अमर चित्र कथा हिन्दू साहित्य की अपनी सुदंरतम चित्रित श्रंखला के साथ आई और भारतीय इतिहास पारिवारिक नाम बन गया। कला और कथा का मिश्रण बीसवीं सदी के लिए भारत का सांस्कृतिक इतिहास सजीव स्तर पर लेकर आया और यह बच्चों शिक्षकों व अभिभावकों सबके बीच लोकप्रिय हो गया।

उस दौर में बच्चों की पत्रिका, क्लासिक चंदामामा, हालांकि पूरी तरह जो कॉमिक पुस्तक नहीं थी, मगर यह अपने चित्रणों के लिए प्रसिद्ध हुई और जिसने दीर्घकालीन मिथकी कहानियां प्रकाशित कीं जो सालों तक चलीं। इन कहानियों में राजा विक्रमादित्य और बेताल की कभी न समाप्त होने वाली कहानी शामिल थी जो प्राचीन सांस्कृतिक कृति बैताल पचीसी का रूपांतरण था, जिसने इस पत्रिका को व्यापक प्रसिद्धि दिलाई।

यह कहानी 1985 में टेलीविजन धारावाहिक की शैली में रूपांतरित हुई। यह बदलाव असाधारण रहा। क्यों कि टेलीविजन सेट्स की संख्या अगले दशक में उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गयी, और पढ़ना कम पसंदीदा शौक बन गया। विक्रम बेताल जैसी प्राचीन भारत की कहानियां, तथा रामायण और महाभारत जैसे धारावाहिक लोकप्रिय बने रहें लेकिन माध्यम बदल गया था। उसी दौरान सदी समाप्त हुई, अनेक कॉमिक पुस्तक प्रकाशनों का व्यापार खत्म हो गया।

दौर का संकेत

हालिया सालों में, कॉमिक पुस्तकों ने पुनरूत्थान देखा है। डिजीटल तकनीक एवं सोशल मीडिया का आगमन अपने काम को अधिक आसानी के साथ रचने व उसे प्रोत्साहित करने में नए डिजाइनरों व कलाकारों की सहायता कर रहा है। आज के कॉमिक कलाकार लगनशील सिरजक तथा स्मार्ट उद्यमी दोनों हैं। वे अपने द्वारा किए जाने वाले काम के प्रारूप को लेकर गहन लगाव से संचालित हैं लेकिन यह भी जानते हैं कि पाठकों तक प्रभावशाली पहुंच कैसे बनाई जाए। ग्राफिक नॉवेल अब बच्चों पर ध्यान केन्द्रित करने से आगे बढ़कर वयस्कों को लुभाने की कोशिश में है।

अपनी किताब, द इंडिक कोटेंट रीक्लेमिंग हेरिटेज थ्रू कल्चरल इंटरप्राइज के लिए शोध के दौरान मेरा सामना विमानिका कॉमिक्स नामक कॉमिक्स पुस्तक प्रकाशन से हुआ। उसके संस्थापक करन वीर अरोरा ने मुझे बताया कि इस प्रकाशन को शुरू करने की उनकी प्रेरणा की शुरूआत अत्यंत चुनौतीपूर्ण रही। उन्होंने कहा, '' मेरा तीन सूत्रीय एजेंडा था, सबसे पहला, दुनिया भर के युवा को भारतीय संस्कृति, विरासत व आध्यात्मिक मूल्यों के बारे में शिक्षित करना। दूसरा, मैंने ऐसे फार्मेट में कहानियों को साझा करने की आवश्यकता महसूस की जो युवा लोगों को अपील करती हो। और तीसरा एजेंडा था, मैं इन ग्राफिक उपन्यासों को अंततोगत्वा सजीव कार्रवाई तथा सुपरमैन व बैटमैन जैसे काल्पनिक फिल्मों की तरह रचना चाहता था।''

विमानिका की कहानियां गहन भारतीय पुराणशास्त्र हैं, लेकिन कला अत्यंत उत्कृष्ट है। एनिमेशन कलाकारों, लेखकों व संपादकों की टीम के अलावा, विमानिका में पुरात्वविद, शोधकर्ता व इतिहासकार भी हैं जो विषय को प्रामाणिक बनाए रखने में सहायता करते हैं। अरोरा कहते हैं कि वे ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं चुनते हैं जिन्होंने प्रभाव पैदा किया है, खासतौर पर वे घटनाएं जो व्यक्तिगत साहस की मिसाल पेश करती हैं। बकौल अरोरा, '' हमारे कॉमिक्स ड्रामा, इमोशन, एक्शन और आध्यात्मिकता का पूरा पैकेज हैं। उनमें शानदार आर्टवर्क भी है। '' विमानिका भारत में कॉमिक पुस्तकों की नयी लहर का हिस्सा है। न केवल अभिव्यक्ति समय के साथ ज्यादा मेल खाती है, बल्कि कॉमिक पुस्तक प्रकाशन अपनी किताबों को बेचने तथा प्रोत्साहन के अत्याधुनिक तरीकों का उपयोग कर रहे हैं।

कॉमिक सम्मेलन और नया मीडिया

कॉमिक कॉन जैसे सम्मेलन खासतौर पर कॉमिक किताबों और उनके चरित्रों के इर्दगिर्द कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं और भारतीय शहरों में हजारों दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। ये सम्मेलन न केवल किताबें, बल्कि लोकप्रिय कॉमिक पुस्तक विषयों से जुड़ी सामग्री को भी बेचते हैं। कॉमिक कॉन युवा पेशेवरों, कालेज के बच्चों व माता पिता को आकर्षित करता है। चूंकि इस उपभोक्ता वर्ग की ज्यादा प्रयोज्य आय होती है इससे भारी प्रचार व बिक्री प्राप्त होती है। इस रूझान से प्रेरित होकर, अरोरा ने भी अपने कॉमिक्स पर आधारित नये राजस्व स्रोत निर्मित करने का प्रयास किया है। अरोरा कहते हैं, ''हमने अपने नायकों को किताबों से परे ले जाने का फैसला किया। '' वह जोड़ते हैं, '' हमने विपणनकार्य, संग्रहणीय वस्तुओं व खिलौनों के उद्यम में प्रवेश किया।''

हालांकि भारतीय कॉमिक्स दृश्यता व बिक्री बढ़ाने के लिए नए माध्यमों में कामचलाऊ पहल करते हैं, मगर नवोन्मेषी डिजीटल मंच पश्चिम में नया चलन निर्धारित कर रहे हैं। कामिक एप्स तथा प्रतिबद्ध मोबाइल आधारित मंचों से, कॉमिक पुस्तकों का उस पीढ़ी तक पहुंचना अधिक आसान लग रहा है जो प्रत्यक्ष पुस्तक प्रतियों के मुकाबले स्मार्ट फोन के साथ ज्यादा सहज है। मार्वल कॉमिक्स, अमरीका की सबसे बड़ी कॉमिक बुक कंपनियों में से एक, एक अग्रगामी पहल करने वाली कंपनी थी जिसने अन्य कंपनियों की तुलना में कई साल पहले अपने डिजीटल एप की शुरूआत की थी। हालांकि मार्वल और डीडी कॉमिक्स, जो मार्वल की सबसे बड़ी प्रतिद्वन्द्वी कंपनी है, के अपने खुद के एप्स हैं, मगर कुछ अन्य कंपनियां है जो कामिक पुस्तकों के लिए ई-रीडर्स जैसा काम करती हैं और विभिन्न प्रकाशकों की अनेकों कामिक्स पुस्तकों को पढ़ने का प्रस्ताव देती है। वे पाठकों को विशेष डाऊनलोड कीमत पर कॉमिक पुस्तकों की सूची प्रदान करती है या अपनी लाइब्रेरी तक असीमित पहुंच के साथ सदस्यता प्रारूप पर काम करती हैं।

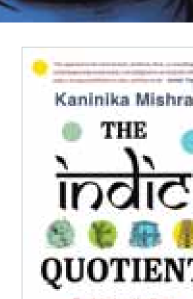

> जबकि भारतीय कॉमिक्स दृश्यता और बिक्री को बढ़ावा देने के लिए नए चैनलों में अस्थायी कदम उठाते हैं, अभिनव डिजिटल प्लेटफॉर्म पश्चिम में एक नया चलन स्थापित कर रहे हैं। कॉमिक ऐप और समर्पित मोबाइल आधारित प्लेटफॉर्म के साथ, कॉमिक पुस्तकों का ऐसी पीढ़ी तक पहुंचना आसान हो रहा है जो स्मार्ट फोन के साथ किताबों की प्रतियों की तुलना में अधिक आरामदायक हैं

बढ़ते डाऊनलोड और बढ़ते राजस्व से, डिजीटल एप आधारित ग्राफिक उपन्यास कामिक पुस्तक प्रकाशन में गेमचेंजर बन गया है। भारत में भी, कॉमिक्स ने डिजीटल परिवेश को अपना लिया है। न केवल हम अमर चित्र कथा और टिंकल कॉमिक्स जैसे बड़े नामों को एप्स के रूप में उपलब्ध पाते हैं बल्कि विभिन्न अन्य कंपनियों ने पाठकों तक पहुंच बनाने के लिए इस माध्यम का सहारा लिया है। इनमें तेजी से प्रगति कर रही कामिक कंपनी ग्राफिक इंडिया की भारतीय किंवदन्तियों की कहानियों समेत इंडियन वॉर कामिक्स जैसी युद्ध नायकों पर आधारित ग्राफिक उपन्यास दोनों शामिल हैं।

ग्राफिक इंडिया अपनी वेबसाइट पर कहती है, '' ठीक उसी प्रकार जैसे अमरीका ने सुपरहीरो पैदा किए और जापान ने एनिमा को पैदा किया, ग्राफिक दुनिया भर में तथा भारत में युवाओं की कल्पनाशीलता को आकर्षित करने के लिए पौराणिक नायकों व स्थायी चरित्रों की नयी लहर की शुरूआत करने के लिए भारत की रचनात्मकता में कदम रख रही है। '' कंपनी कहती है कि यह डिजीटल कॉमिक्स उपयोग तथा एनिमेशन का इस्तेमाल कर रही है ताकि नब्बे करोड़ के मोबाइल बाजार तथा 25 साल की आयु से कम के 55 करोड़ भारतीय युवाओं को ध्यान में रखकर नयी कहानियां विकसित कर सके जिसमें कि अपनी कहानियों को सीधे अपने स्मार्टफोन पर ले सकें।

ग्राफिक इंडिया, असलियत में, नए मीडिया में अत्यंत एकाग्र है। यह उन्नत विजुअल इफेक्ट्स तथा इंटरेक्टिव तत्वों के इस्तेमाल द्वारा, जो कि डिजीटल माध्यम पर खरे उतरते हैं, कॉमिक पुस्तक कथावाचन में नयी रचनात्मक क्रांति जगा रही है। इसने हलचल पैदा कर दी जब इसने अपने किस्म की पहली संक्षिप्त कॉमिक पुस्तकों ' 18 डेज: द महाभारत' तथा अपनी स्त्री महानायिका श्रंखला ' देवी' के लिए 2 करोड़ दर्शक हासिल किए, जिसे कंपनी ने सीमित समयावधि के लिए वीडियो-कंटेंट प्लेटफार्म टिकटॉक पर लांच किया था।

ग्राफिक इंडिया अब अंग्रेजी और हिन्दी के अलावा नयी भाषाओं को शामिल करने के लिए अपने कदम कॉमिक्स और ऑडियों कॉमिक्स की ओर बढ़ा रही है, तथा गूगल प्लेस्टोर की त्वरित पड़ताल बताती है कि अनेक कम प्रसिद्ध भारतीय कॉमिक एप्स भी हिन्दी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध हैं।

जिस तरह कॉमिक बुक प्लेयर्स निरंतर नए रचनात्मक जरियों की ओर बढ़ रहे हैं ताकि बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक गति में प्रतिस्पर्धा कर सकें, सर्वोत्तम सामने आना अभी शेष है। बीते दो दशकों ने भारतीय कॉमिक्स के प्रारूपों तथा विधाओं में विस्तार देखा है। हालांकि कथावाचन ज्यादा आकर्षक और प्रारूप ज्यादा विविधतापूर्ण हो रहा है, भारतीय कथानक भारी मात्रा में कॉमिक्स बेचने की स्थिति निर्मित करते हैं। ऐसा लगता है मानो भारतीय कहानियां परंपरा में पगी हैं और सांस्कृतिक लोकाचार यहां टिकने वाला है।

– लेखिका रचनाकार है। हाल ही में द इंडिक कोटेंट, रीक्लेमिंग हेरिटेज थ्रू कल्चरल इंटरप्राइज नामक उनकी पुस्तक ब्लूम्सबरी इंडिया से प्रकाशित हुई है।

समय सबकुछ बदल देता है सिवाय उसके जो हमारे भीतर है जो हमेशा बदलाव से चकित होता है

- थामस हार्डी

जीवन चक्र

भारत भूषण पद्मदेव

चौंका सकता है खगोल-विश्लेषण

एक दशक पहले, एक उत्तर पूर्वी राज्य राजनीतिक उथलपुथल से गुजर रहा था। कैबिनेट के अनेक प्रमुख सदस्य पदस्थ मुख्यमंत्री की जगह लेने की होड़ में थ। वे सभी केन्द्रीय नेतृत्व के साथ अपने दावे के पक्ष में, सांठगांठ कर रहे थे। लेकिन किसी रूप में, आम सहमति किसी एक के पक्ष में नहीं बन रही थी। यह खींचतना तत्कालीन मुख्यमंत्री को बचने में सहायता कर रही थी। उसी दौरान, किसी ने एक चुनौतीकर्ता को अपनी संभावनाओं को मद्देनजर मुझसे सलाह मांगने की सलाह दी।

उक्त व्यक्ति ने शुरूआती मांच 2007 में मुझसे संपर्क किया। लेकिन वह अपनी जन्म संबंधी जानकारियों को सटीक रूप में नहीं जानता था। इसलिए जब उसने मुझसे संपर्क किया तो घंटा अनुसार तालिका बनाई गयी। अपनी जानकारी के आधार पर मैंने अपनी राय व्यक्त की: ''वैसे सत्ता परिवर्तन के आसार हैं। आप, यद्यपि, कुछ समय बाद उस पद पर काबिज होने की क्षमता रखते हैं, लेकिन मौजूदा समय में आपके पास संभावना नहीं है। लेकिन बाद में तय है कि चार सालों के बाद उच्च पद पा सकते हैं। फिलहाल, आप किंगमेकर का काम करेंगे। बेहतर है किसी और के इर्दगिर्द ध्यान दें। '' उस नेता के साथ आया व्यक्ति एक ज्योतिष था। उसने पूछा कि इसका आधार क्या है।

लग्न उपस्वामी वीनस, दसवां स्वामी, जो 11वां उपस्वामी भी माना जाता है, हालांकि कमजोर अवस्था में है लेकिन वह आठवें घर में है। वीनस बुध के नक्षत्र में काबिज है, 11वां स्वामी छठें घर में तत्कालिक तौर पर तथा परावर्तन स्थिति में है। लग्न उपस्वामी का इस कारण 11वें, 10वें और छठें घर का मजबूती से परिचायक होना दर्शाया है कि उसमें उच्च पद पर आसीन होने की क्षमता थी। सबसे ज्यादा, चूंकि चौथे घर से उदार बृहस्पति ने दसवें घर और दसवें स्वामी तक अपना विस्तार किया है। हालांकि, तथ्य है कि बुध, वीनस का नक्षत्र ग्रह, परावर्तन भाव में था, जिसने दर्शाया कि इसने तत्कालिक तौर पर उनकी इच्छाओं की पूर्ति का वचन नहीं दिया।

सत्ताधारी व्यक्ति के लिए स्वाभाविक कारक, सूर्य राहु और यूरेनस के साथ बृहस्पति के समानांतर, समन्वय में था। इसने दर्शाया कि सत्ताधारी व्यक्ति ने केन्द्रीय नेतृत्व का समर्थन खो दिया था। साथ ही, सत्ता (राहु का सूर्य पर ग्रहण) से उनकी बेदखली अवश्यंभावी थी।

कुछ दिन बाद मेरे सामने एक और चुनौतीकर्ता ने मुझसे संपर्क किया। उसके मामले में, भी, घंटा आधारित कुंडली ने वही बात कही।

इस मामले में, कर्क राशि उभर रही थी। शनि, सातवां और आठवां घर, लग्न पर काबिज था, जो उसके हित के लिए हानिकारक था। लग्न उपस्वामी पुन: वीनस, छठें तथा नौंवे स्वामी बृहस्पति के रूख के कारण पुन: उत्कर्ष भाव में था। लेकिन वीनस परावर्तन गति में तीसरे व बारहवें स्वामी, बुध के नक्षत्र पर काबिज था। इस मामले में भी, सूर्य बृहस्पति के समानांतर तथा यूरेनस और राहु के साथ समन्वय भाव में था।

इसलिए एक बार फिर, मेरा मानना था कि सत्ता परिवर्तन होगा, लेकिन उनके पास इस समय मौका नहीं है। वह किंगमेकर का काम कर सकते थे।

मार्च अंत में वो व्यक्ति आया जो अंतत: सत्तासीन मुख्यमंत्री को सत्ता से हटाने में कामयाब हुआ और उच्च कार्यालय पर काबिज हुआ। सत्ताधारी ग्रह की पड़ताल ने बताया कि चन्द्रमा सिर के ऊपर था, जो संकेत करता है कि प्रश्नकर्ता जल्द ही आम सुर्खियों में आ जाएगा। तीव्र गतिमान ग्रह होन के कारण, परिणाम को बहुत तेजी से आना पड़ा। लेकिन चन्द्रमा के समन्वय में होने से, शनि आड़े आ गया। इसलिए इसे रास्ते में बाधा पैदा करनी पड़ी। लेकिन फिर आज्ञाकारी बृहस्पति, और साथ ही विपत्ति पर सफलता का परिचायक छठा स्वामी, ने इच्छा की पूर्ति की दिशा में अपने त्रिपक्ष के साथ शनि के कोप को कमजोर कर दिया। वीनस, लग्नस्वामी और संयोगवश लग्नउपस्वामी भी, लग्न की ओर रूख किया, जिसने उक्त व्यक्ति को क्षमता प्रदान की। वीनस ने राहु पक्ष कब्जा जमा लिया, जो दूसरे घर में स्थित बृहस्पति के नक्षत्र में अस्थायी तौर पर मौजूद था। इसने छठें घर में स्थित में सूर्य पर, साथ ही साथ दसवें घर में अस्थायी वासी चन्द्रमा व शनि की ओर अपना त्रिपक्ष विस्तारित किया। 11वां उपस्वामी, बृहस्पति बुध के नक्षत्र पर काबिज प्रत्यक्ष भाव में था, जो पुन: प्रत्यक्ष भाव में था। इसलिए, इच्छाओं की पूर्ति सुनिश्चित हुई। बुध, जो जिम्मेदारी के पद का परिचायक दसवां उपस्वामी माना जाता है, पुन: एक तीव्र गतिमान ग्रह है, और इसलिए परिणाम को सामने आना पड़ा।

सूर्य मेष राशि में 13 डिग्री और 45 मिनट पर था। अगले 12 दिनों में, सूर्य अगली 12 डिग्री की ओर बढ़ेगा जब बृहस्पति ठीक इसके त्रिपक्ष में होगा। इसलिए मैंने भविष्यवाणी की कि वह अगले 12 से 15 दिनों में मुख्यमंत्री बन सकता है। असलियत में, ठीक 12 दिनों के बाद, उसने बतौर मुख्यमंत्री शपथ ली थी।

अंत में, एक तर्कपूर्ण ज्योतिष भविष्यवाणी चौंका सकती है।

शिकायत करना बंद करें, काम करें

केतन कृष्ण का कहना है कि जीवन में लक्ष्य हमेशा इंसान के नियंत्रण से परे होगा जो उन्हें लक्ष्य से भटकाए व वंचित करेगा। इंसान को यही करना है कि वो एकाग्र रहे

सेवा मुक्ति फार्म को भरते समय क्रिश परेशान दिखाई दिया। यह संस्था में उसका अंतिम कार्य दिवस था। मैंने सोचा कि कागजी कार्रवाई की तकलीफहै जो उसे तंग कर रही थी।

मैंने पूछा, ''तो क्रिश, अब आगे क्या? '' क्रिश ने उत्तर दिया, '' मेरे पास हाथ में कुछ भी नहीं है। मैं जा रहा हूं क्योंकि मैनेजर और संस्था ने मेरी समस्याओं को हल करने की परवाह नहीं की।'' उसकी प्रतिक्रिया ठंडी थी। मैं उसकी भाव भंगिमा समेत उसकी आवाज में निराशा, गुस्सा और आक्रामकता को समझ सकता था।

महत्वपूर्ण शिक्षा जो मैंने एचआर पेशेवर के रूप में काम करते हुए हासिल की है, वो है लोगों को अपने मन की बात कहने का अवसर देना। यह सामने आया कि क्रिश के पास सैंकड़ों शिकायतें थीं। क्रिश के लिए, हर चीज गलत थी, हर कोई गलत था, सिवास क्रिश को छोड़कर।

यह घटना मुझे एक महत्वपूर्ण सीख की ओर ले गयी जिसे मैंने स्नातक की पढ़ाई पूरी करने से पहले सीखा था। साल 2000 जनवरी, मेडिकल प्रवेश (एमबीबीएस) के लिए अपने अंतिम पेपर के बाद, मैं आश्वस्त था कि डाक्टर बनने का मेरा सपना, सपना बन कर रह जाएगा। मैं इस साल भी कोशिश नहीं करने वाला था।

अपनी तैयारी करने की शुरूआत के समय से, मैं मेडिकल प्रवेश के प्रतिस्पर्धात्मक परिदृश्य से भय खाता था। चार लाख आवेदकों में से दो हजार सीटें, यह कठिन था। मैं खुद से कहा करता था, ''मेरे जैसे साधारण लोग इन परीक्षाओं में कभी सफल नहीं हो सकते हैं।'' उस दिन भी, अपने मन को भरपूर बहानों से लैस करके, मैं घर वापस आया जहां एक अंकल, जो खुद को डाक्टर कहा करते थे, ने परीक्षा के बारे में मुझसे पूछा। मैंने अपनी सारी निराशा व्यक्त कर दी जिसकी सूची बहुत लंबी थी। जब मैं अपनी बात कह चुका तो मेरे अंकल ने मुझसे एक सवाल किया जिसने मेरी जिंदगी बदल दी। उन्होंने पूछा, '' केतन, आपको कितनी सारी सीटें चाहिए? '' मैंने कहा, ''एक'' उन्होंने कहा कि तो जाओ हासिल करो, खुद को बहाने देना बंद करो।

उसी समय मैं समझ गया कि हमेशा लक्ष्य मेरे नियंत्रण से परे होगा। मुझे भटकाने, पटरी से उतारने की चीजें होती हैं, लेकिन मुझे एकाग्र रहना पड़ेगा। मुझे अपने प्रभाव क्षेत्र से परे चीजों पर ऊर्जा लगाने व उनकी परवाह करने की जरूरत नहीं है। कुछ भी नहीं है, आप और मैं अपने प्रभाव क्षेत्र से परे चीजों को बदलने का काम कर सकते हैं।

हम उस उत्तम पल की प्रतीक्षा में रहते हैं जब हम चाहते हैं कि हर चीज अपनी जगह पर रहेगी। और जब वैसा होता है तो हम अपनी सर्वोत्तम शॉट लगाएंगे। जो कभी नहीं होता है। अपने जीवन को पलट कर देखो तो आपको अपने जवाब हासिल हो जाएंगे।

तीन साल बाद यह मुझे मिलती है, मैंने सुनहरे तमगे के साथ अपना स्नातक पूर्ण किया, मेरिट आधारित एमएससी कोर्सेज में दाखिल मिला और भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ाई की।

मैं बदला, दुनिया को देखने का मेरी नजरिया बदला, इसलिए नतीजे भी बदल गए। इसीलिए शायद मैं उस बात को समझ सकता था कि क्रिश किस चीज से गुजर रहा था। हालांकि उसके अंदर शिकायतें थीं मगर मैं उसके भीतर मौजूद उत्तरों को देख सकता था। क्रिश '' मैं क्यों '' वाली स्थिति में था। उसे चीजों को बदलने के लिए '' कैसे करूं '' और '' इसके बाद क्या'' की स्थिति में आना था। उसे बस चीजों को स्वीकारना था जो उसके प्रभाव क्षेत्र से बाहर थीं और एकाग्र हो जाना था कि उसके प्रभाव क्षेत्र में क्या मौजूद था।

हम सभी इस स्थिति में रह चुके हैं। खुद से निम्न सवाल पूछें जब ऐसी स्थिति में उलझ जाते हैं:

- किन कारकों या संकेतों को आपन नकारते आए हैं या जिनसे आंख बंद करते आए हैं? क्या आप वहां पहुंचे जहां दिन में या कुछ समय बाद हैं?
- आप अलग ढंग से क्या कर सकते थे जब आपको पहली बार समस्या महसूस हुई?
- स्थिति से खुद के बारे में आपने नया क्या जाना?
- आप क्या खोने जा रहे हैं यदि आप ऐसे ठहरे रहते हैं या नहीं बदलते हैं?
- वो एक काम क्या है जो आप आज करेंगे? वो छोटा कदम क्या होगा जो आप आगे बढ़ने के लिए आज उठा सकते हैं?

याद रखें, आप अपने करियर में कहा हैं उसके लिए आप और केवल आप जिम्मेदार हैं। अपनी मौजूदा स्थिति की जिम्मेदारी लें, स्थापित करें कि आप क्या बनना चाहते हैं, उसकी कार्रवाई योजना बनाएं। नतीजे अपने आप सामने आएंगे।

वर्ना, आप उस परम पल की प्रतीक्षा का फैसला कर सकते हैं जब दुनिया की सारी विविधता उत्तम संयोजन में आ जाएगी और आपके लिए काम करने या आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

क्रिश ने सोलह साल प्रतीक्षा की, आप कितनी देर प्रतीक्षा करने वाले हैं?

- लेखक एचआर पेशेवर, प्रशिक्षक, लेखक और वक्ता हैं।

सखा है ईश्वर, लेकिन....

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि भागवतगीता यह सीखने का उत्कृष्ट मार्गदर्शक है कि व्यक्ति को ईश्वर के साथ किस प्रकार का संबंध रखना चाहिए

ईश्वर हमारा मित्र है। भगवान कृष्ण भागवतगीता के श्लोक 5 .24 में इस बात को कहते हैं। हालांकि, हमें वही गलती नहीं करनी चाहिए जो अर्जुन ने की थी, जिसके लिए उसे ईश्वर से क्षमा मांगनी पड़ी थी।

(11.42) अपने मित्रों के साथ हम कैसा आचरण करें? हम किसे अपने मित्र के रूप में चुनते हैं? इस मामले में मेरी समझदारी है कि लोगों को तीन श्रेणियों में बांट लें। वे, जो हमसे श्रेष्ठ हैं, उन्हें सम्मान दिया जाना चाहिए। वे जो हमारे समान हैं, उन्हें मित्रों के रूप में सम्मान मिलना चाहिए। और वे लोग जो हमसे निम्न हैं उन्हें करूणा के साथ देखा जाना चाहिए।

इस पैमाने के आधार पर, ईश्वर को मित्र के रूप में नहीं चुना जा सकता, क्योंकि वह सर्वव्यापी, सर्वज्ञानी और सर्वशक्तिशाली है, जबकि हम उसका अंश हैं। (15.3) इसी प्रकार, अपने मित्रों के साथ हमारा व्यवहार काफी हद तक वैसा ही अपेक्षा रखेगा जो हम ईश्वर के प्रति रवैया अपनाते हैं। अर्जुन को ईश्वर के साथ मजाक करने के लिए माफी मांगनी पड़ी थी, जैसे ही उसे महसूस हुआ, कि ईश्वर असलियत में कौन थे।

असलियत में, भागवतगीता यह सीखने का उत्कृष्ट मार्गदर्शक है कि व्यक्ति को ईश्वर के साथ किस प्रकार का संबंध रखना चाहिए। सबसे पहली शर्त है ईश्वर के आदेशों का पालन करना। व्यक्तिगत रूप में, मैं अपने स्वभाव को याचक के रूप में पाता हूं। क्योंकि मैं ईश्वर का अत्यधिक प्रिय बनना चाहता हूं। (12.20) मैं अनेक प्रकार से ईश्वर से जुड़े रहने का प्रयास कर रहा हूं। (14.26) मैं दिन भर राम का जाप करने की कोशिश करता हूं। जब मैं जाप नहीं कर रहा हूं तो मैं उसे याद करने की कोशिश करता हूं, जो अक्सर होता रहता है क्योंकि मेरा जीवन ईश्वर के इर्दगिर्द केन्द्रित है।

मैं नहीं जानता हूं कि यदि मैं श्लोक 9.22 में वर्णन के अनुसार योग का नियमित अभ्यासकर्ता बन गया हूं कि नहीं, मगर मैं वो लक्ष्य हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं। मेरी पत्नी और मैं तीन से ज्यादा दशकों से ईश्वर की उसके लड्डू गोपाल रूप में पूजा करते आया हूं। (9 .29) हमारे घर में एक नियमित पूजा घर है। हम ईश्वर की वैसी पूजा नहीं करते हैं जो कि नियमित रूप से मंदिर में की जाती है, जो कि अत्यंत विस्तृत होती है, लेकिन हम ईश्वर का सम्मान करते हैं और उसकी उपस्थिति को महसूस करते हैं। श्लोक 18.62 में भगवान कृष्ण के आदेश के अनुसार ईश्वर की शरण लेने के मामले में, मैं श्लोक 18 .65 में वर्णित ईश्वर के आदेशों का पालन करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें कि वह कहता है कि हम ईश्वर का भाव विकसित करना चाहिए, उसका भक्त बनना चाहिए, उसके लिए त्याग करना चाहिए और उसका आज्ञापालन करना चाहिए। मैं अपनी स्वाभाविक अनुमतियों के अनुसार ईश्वर (8.22) के प्रति समर्पित होने का प्रयास करता हूं। अपने स्वभाव से लड़ना मेरे लिए एक बड़ा युद्ध है, क्योंकि अपना स्वभाव बदलना आसान नहीं हुआ है। मैं मानता हूं कि यह एक आम समस्या है। एक लोकप्रिय कहावत है जो कुछ इस प्रकार है: ''स्वभाव और हस्ताक्षर नहीं बदलते हैं।'' वे बदलते हैं जब हम कृतसंकल्प होते हैं।

भगवान कृष्ण ने चार किस्म के गुणवान लोगों की बात की है, जो ईश्वर की पूजा करते हैं। (7.16) ये हैं: एक परेशान व्यक्ति, जिज्ञासु व्यक्ति, सत्यान्वेषी व बुद्धिमान व्यक्ति। मैं खुद को सभी चार श्रेणियों में पाता हूं। इस ''दुखालय'' (दुखों की जगह) (8.15), अनेक ऐसे अवसर होते हैं जब मैं परेशान महसूस करता हूं। पक्के तौर पर मैं मार्गदर्शन व सहायता के लिए ईश्वर की ओर देखता हूं। उससे बेहतर और कौन सहायता कर सकता है। संयोगवश, मैं कभी निराश नहीं हुआ हूं: मेरा ईश्वर प्रतिउत्तर देता है, वह सहायता करता है, मेरी अनेक भौतिक आवश्यकताएं हैं, ईश्वर के सिवा और कौन मेरी मदद कर सकता है।

लेखक होने के कारण, मुझे काफी आध्यात्मिक सत्यों को जानने की जरूरत होती है जिसके लिए मैं निश्चित रूप से ईश्वर की ओर देखता हूं, वह मुझे अहसास कराता है। और दो से अधिक दशकों के बाद, मैं खुद को थोड़ाबहुत समझदार मान सकता हूं, जिसका ईश्वर उपकरण के रूप में इस्तेमाल करता है मुझे लिखने में सक्षम बनाकर।

अंत में, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि ईश्वर सचमुच एक सखा है लेकिन पारंपरिक अर्थ में नहीं, वह एक शुभचिंतक की तरह है। वह अर्जुन को स्पष्ट होता है, जब भगवान कृष्ण ने श्लोक 18.64 से 18.72 में उसे उपदेश दिया। इसी प्रकार, मुझे कोई भ्रम नहीं है कि मैं ईश्वर को एक मित्र समझ सकता हूं। ईश्वर का अंश होकर, मैं उतना ही बना रहकर कहीं ज्यादा खुश हूं।

इस सप्ताह आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

यह सप्ताह प्रत्येक मौजूदा क्षण में उचित कदम उठाने वाला है। आपको लग सकता है कि आप अपनी नीयति के मालिक हैं। आपका आकर्षक व्यक्तित्व है और आप नयी राह पर चलने वाले हैं। वातावरण व अन्य के साथ लयबद्ध होकर, आप कोई गलत फैसला नहीं करते हैं। पेशेवर रूप में, अपनी क्षमताओं व अवसरों का उपयोग करने का अच्छा अवसर है। सजग व सतर्क होने की आवश्यकता है। कुछ लोगों के लिए गतिरोध व असंतुष्टि की भावना उन पर भारी पड़ रही है। आपका करियर दांव पर है। सामाजिक होने व लोगों के साथ जुड़ने की जरूरत है।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** मंगलवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

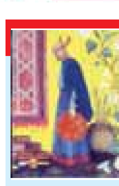

इस सप्ताह रचनात्मक आकांक्षाओं की आपके शौक में आपका समय व ऊर्जा लगेगी। आप फलदायी रूप में अपना समय बिताते हैं। आप प्रेरित व अपनी कामनाओं में उत्पादक हैं। आपके इर्दगिर्द संतुष्टि व सकारात्मक वातावरण है, जो अच्छे स्वास्थ्य का सुख लेने में आपकी सहायता कर रहा है। करियर मोर्चे पर, आपके लिए, बेहतर होने, महसूस करने, व भ्रम व गलतफहमी के दौर से बाहर निकलने हेतु खुद को बदलने की चेतावनी है। चीजों पर ज्यादा जोर न दें। बहुत ज्यादा सोचना बंद करें और चीजों को सरलतापूर्ण ढंग से होने दें। शुभ समय की प्रतीक्षा करें।

शुभ अंक: 14 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** गुरूवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

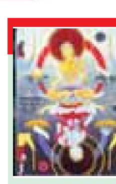

आपके लिए यह अत्यंत थकाऊ सप्ताह रहेगा। शारीरिक रूप से हिंसक न हों, वर्ना, खुद को चोटिल कर बैठेंगे। आप अत्यंत अनुभवी व सहजज्ञानी भी हैं। आपको अपनी भावनाओं व आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। आक्रामकता व अपने आसपास के लोगों के साथ किसी भी प्रकार की बहस से बचें। पेशेवर मोर्चे पर, आपके कार्यस्थल पर गंभीर समस्याएं आ सकती हैं। इससे जीवन का या आपकी नौकरी का अंत नहीं होने वाला है, लेकिन इन समस्याओं को अनदेखा करना आपको छुटकारा नहीं दिलाएगा। व्यक्तिगत जीवन के मोर्चे पर, यह सप्ताह शुभ है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** सोमवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह आप अच्छे स्वास्थ्य के साथ नयी ऊर्जा, क्षमता का अनुभव करेंगे। आप अत्यंत सकारात्मक व यथार्थवादी व्यक्ति हैं। अपनी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगाएं। आप कभी नहीं जानते कि इस समय के दौरान आपकी रचनात्मकता कैसी उभरने वाली है। आप स्वयं आनंद लेंगे और यह काम आपके जीवन को ज्यादा गहन होगा और समृद्ध बनाएगा। करियर मोर्चे पर, कुछ पुराने परिचित आपके पेशेवर जीवन के लिए लाभकारी साबित हो सकते हैं। अगर नौकरी ढूंढ़ रहे हैं तो पुराने संपर्क, संबंध आपके चेहरे पर मुस्काल लेकर आएंगे।

शुभ अंक: 6 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

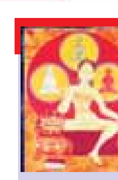

इस सप्ताह स्वास्थ्य अच्छा दिखता है। यह नये स्वास्थ्य देखभाल नजरिए को आजमाने का समय है, खासतौर पर रोकथाम देखभाल। व्यायाम करें, बेहतर भोजन करें और सुनिश्चित करें कि आप पर्याप्त नींद ले रहे हैं। नए डाक्टर को परखने या वैकल्पिक सलाह लेने में संकोच न करें, यदि जरूरत पड़ती है। करियर मोर्चे पर, अतिरिक्त दायित्व व कर्तव्य काम का दबाव बढ़ने का कारण बन सकते हैं। यदि आप ऐसी स्थिति में हैं तो सहायता मांगने या अपने काम को बांटने में संकोच न करें। इस तरह से आपकी क्षमता बढ़ जाएगी और परिणाम भी बेहतर होंगे।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरूवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

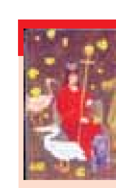

आप स्वस्थ, समझदार हैं और इस सप्ताह ये गुणत आपके अच्छे व्यक्ति में दिखते हैं। आप सक्रिय रहना और लगातार काम करने की कोशिश में जुटे रहना पसंद करते हैं। आप जानते हैं कि अपनी मनचाही दुनिया बनाने के लिए अपनी योग्यताओं का उपयोग कैसे करते हैं। अपने ढंग से बात करने तथा किसी भी स्थिति में ढल जाने में सक्षम होने की आपकी योग्यता अपने चरमोत्कर्ष पर है। कार्य मोर्चे पर, आप गतिरोध महसूस कर सकते हैं। यदि आपको लगता है कि वर्तमान संगठन में आगे बढ़ने की कोई संभावना नहीं है तो नौकरी बदलने के बारे में सोचें।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** मंगलवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

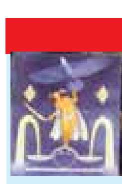

इस सप्ताह आपको अपने स्वास्थ्य की समग्र जांच कराने की जरूरत है। तनाव शायद आप पर भारी पड़ रहा है और स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहा है। आश्वस्त हों कि आप पर्याप्त आराम, व्यायाम व नींद पर समुचित ध्यान दे रहे हैं। सकारात्मक नजरिया बनाए रखें। आपको शायद कुछ समय एकांत की जरूरत है। आप एकांत में ज्ञान व गहराई हासिल करेंगे। करियर मोर्चे पर, आपमें काम पूरा करने की उत्कृष्ट क्षमता है। वित्तीय स्तर पर आप सुरक्षित महसूस करेंगे। एक से अधिक स्त्रोतों से आपको धन की प्राप्ति होगी। संपत्ति में निवेश कर सकते हैं।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** मटमैला **शुभ दिन:** शनिवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

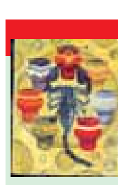

इस सप्ताह आपकी दृढ़ता और प्रबल इच्छाशक्ति स्वास्थ्य चुनौतियों पर काबू पाने में आपकी सहायता करेंगे और आपको अनुशासित जीवन की सही दिशा में बनाए रखेंगे। शराब, जंकफूट और मसालेदार भोजन से बचना चाहिए। नियमित व्यायाम, सुबह टहलना और योजनाबद्ध खुराक आपके लिए अद्भुत कारगर होंगे। इनका पालन करें। समय से चिकित्सा उपचार आपको मौजूदा बिमारियों से मुक्त रखेगी। पेशेवर स्तर पर आप अपनी क्षमता को स्थापित करेंगे। यह अपने पेशे और काम के मामले में प्रोत्साहनकारी सप्ताह है। लोगों आपके विचारों को सुनेंगे।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** शनिवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

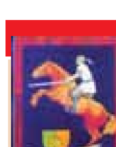

इस सप्ताह आप स्वस्थ व मुक्त महसूस करेंगे और सोच में बदलाव को अनुभव करेंगे। निराशा की जगह आशा स्थापित होगी। नयी संभावनाएं दिख सकती हैं। यह अपनी रचनात्मक क्षमताओं को उपयोग करने का भी समय है। कार्य मोर्चे पर, आप अपार सफलता प्राप्त करेंगे। पदोन्नति या हैसियत में उन्नति की बहुत संभावना है जो आपको दृढ़, ऊर्जावान व अति स्थापित बनाएगी। आप आत्मानुशासित, ऊर्जावान हैं और जीवन पर बहुआयामी नियंत्रण प्रदर्शित करेंगे। आप अपने सहकर्मियों के लिए प्रेरक तथा प्रेरणास्त्रोत हैं। अपनी समझदारी का प्रतिफल प्राप्त करेंगे।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** बुधवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

इस सप्ताह कुछ जलजनित रोग आपको तंग कर सकते हैं। आप संवेदनशील व्यक्ति हैं इसीलिए, किसी भी प्रकार के संक्रमण से खुद को सुरक्षित रखें। शराब, असुरक्षित पानी, चोटों से दूर रहना चाहिए। यदि आप शारीरिक रूप से पस्ती महसूस करते हैं तो समय से कदम उठाएं। अपने स्वास्थ्य को अनदेखा मत करें। कार्य मोर्चे पर, भ्रम की ताजा स्थिति आपके वर्तमान टकराव का कारण बन सकती है। आप दुविधा, आत्मविश्वास रहित व्यक्ति सा महसूस कर सकते हैं। आपको भ्रम या मिथ्या बोधों से बाहर निकलना चाहिए। आंतरिक टकराव हो सकते हैं।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

इस सप्ताह आप भावुक, संवेदनशील हैं और मामूली मसलों पर चिंतित हो सकते हैं। शारीरिक रूप में आप स्वस्थ हैं, लेकिन मानसिक तनाव, बेचैनी चिंता का कारण बन सकते हैं। आप मूडी, चिड़चिड़े और असामाजिक हो सकते हैं। आप अकेले रहना चाहते हैं। आध्यात्मवाद, ध्यान व अन्य यौगिक गतिविधियां अपना संतुलन बनाने में आपकी सहायता कर सकती हैं। कार्य मोर्चे पर, आपको अपना सर्वोत्तम कदम उठाना होगा। चाहे वह आपकी ऊर्जा, समय या धन निवेश हो, आपने पूर्ण समर्पण के साथ काम किया है और अब लाभ की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

शुभ अंक: 2 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** रविवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

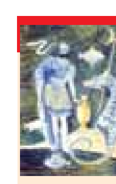

इस सप्ताह आपकी उदारता, दयालुपन, चिंता व दूसरों का खयाल रखने की प्रशंसा होगी। स्वास्थ्य आपका अच्छा रहता है और आप अपने बीमार माता पिता, संबंधियों या मित्र की देखभाल में अपना कीमती समय लगा सकते हैं। आप ध्यान, योग व प्राणायाम व अन्य गतिविधियों का पालन करने वाले हैं। आप शांत, व सहज महसूस करते हैं तथा अपने तन, मन व आत्मा के साथ तारतम्य में हैं। करियर मोर्चे पर, कहीं अधिक समय की उम्मीद करते हैं। आपके लिए पैसा कमाने के नए क्षेत्र खुल सकते हैं। पुराने संपर्क व सबंध मददगार बनेंगे।

शुभ अंक: 7 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** शनिवार

जैसे ही आप निराशावादी विचारों को आशावादी बनाते हैं आपको सकारात्मक नतीजे मिलने लगते हैं
- विली नेल्सन

परम मिथ्या

हिंगोरी कहते हैं कि आध्यात्मिकता के सार की संक्षिप्त व्याख्या आदि शंकराचार्य द्वारा एक पृष्ठ में की गयी थी। लेकिन, बाद के समय में, हमने माया शब्द के साथ उसे जोड़ना सीखा है

माया क्या है? माया का शाब्दिक अर्थ है मिथ्या, लेकिन इसमें क्या निहित है? उत्तर प्रश्न में मौजूद होता है जब आप महसूस करते हैं कि केवल एक वास्तविक सत्य होता है। तो, यह सत्य क्या है? जो कि संतों द्वारा तथा प्राचीन धर्मग्रंथों में असंख्य बार वर्णित है, आज के बुद्धिजीवियों द्वारा पुन: प्रमाणित है, जो हम अपने इर्दगिर्द सत्य और सुनिश्चित के रूप में समझते हैं, क्या सचमुच वैसा नहीं होता है। और यदि आप यह मानते हैं, तो माया भी माया है! यह हमारे मन का खेल है।

मैंने जो एक सत्य की चर्चा की, वो केवल तभी कहा जा सकता हे यदि इसे परिभाषित किया जा सकता है और यदि वो परिभाषा शाश्वत रहती है। लेकिन, कुछ भी शाश्वत नहीं है। क्वांटम फिजिक्स चौथे आयाम, समय, का उपयोग करते हुए इसे स्पष्ट करता है, जो निरंतर परिवर्तनशील है। चूंकि प्रत्येक वस्तु, कण और अणु, यदि ज्यादा नहीं, तो कम से कम चार आयामों से परिभाषित होता है, उनमें से एक का समय होना, फिर हर चीज निरंतर परिवर्तनशील है, और कुछ भी कभी एक जैसा नहीं होता है।

धर्मग्रंथों की और गहरी तह में उतरते हैं। वे कहते हैं कि केवल एक परम सत्य है, हालांकि जो विभिन्न नामों से जाना जाता है- ब्रहमन, असीम चेतना या परम चेतना। यह उस भौतिक दायरे से परे मौजूद है जिसे हम सत्य के रूप में समझते हैं। यह किन्हीं भावनाओं को अनुभव नहीं करता है, कुछ भी सही या गलत नहीं है। सरल शब्दों में कहें, तो यह शून्य की अवस्था है। इस मुकाम पर, आप संभवतया वास्तविकता के इस विचार की सत्यता को चुनौती दे रहे हैं, क्योंकि आप मोबाइल फोन को अपने हाथ में महसूस करते हैं, अपने आसपास की गतिविधि की ध्वनियों को सुनते हैं। शून्यता के विचार का वास्तविकता होना हास्यास्पद नजर आता है, लेकिन यह सचमुच नहीं है। कल्पना करें कि आपने झपकी ली और खुद को सपने में पहाड़ों व नदियों, हरे भरे जंगलों, हवा, लोगों के बीच में पाया। सपने में, आप वार्ताओं व आनंद, शांति व रोमांच, नजारे व अचंभे में गहरे डूबे हुए थे। जब आप जागे तो वह सपना टूट जाता है और उससे जुड़ी प्रत्येक सनसनी भी। इसी को माया कहते हैं। भौतिक जगत जिसमें हम रहते हैं, असलियत में केवल एक सपना है। हम सिर्फप्रतिबिंब व मरीचिकाएं हैं, जिनमें वार्ताएं हैं, दुख, बेचैनी, खुशी व प्रेम महसूस करते हैं, धीरे धीरे केवल वास्तविकता में जागने के लिए जो शून्यता है। यह भ्रम की स्थिति है जो एक लिखित अवस्था है जिसमें हम रहते हैं।

यहां एक प्रश्न उठता है, यह सब इतना सच क्यों लगता है यदि यह नहीं है और यदि यह सिर्फएक सपना है तो कैसे हम उसी सपने में रह रहे हैं? यह समझने में कठिन, एक जटिल अवधारणा है। एक उपयुक्त कथन है जिसे कभी मैंने योग वशिष्ठ में पढ़ा था, '' दुनिया एक मंच है, मन इसका एक जादुई अभिनेता है, आत्मा अपनी खुद की समझदारी की रोशनी में शो को देखने वाली एक खामोश दर्शक है।''

परम चेतना एक असीम सच्चाई है जो पूरी तरह स्थिर है, न तो फैल रही है, न सिकुड़ रही है, हालांकि हमारा मन छोटा है, सीमित वस्तु। असीम वास्तविकता, उस सपने को पैदा करते हुए, जिसमें कि हम रहते हैं, स्वयं सीमित वस्तु में झलकती है। चूंकि यह एक परम चेतना है जो खुद को हमारे मन में व्यक्त करती है, जो सपने पैदा करती है जिसे हम देखते हैं या उस दुनिया को जिसमें हम रहते हैं, हममें से प्रत्येक वही सपने देखता हैं। कल्पना करें आपके पास मिट्टी का खाली बर्तन है। उसमें क्या होता है? कुछ में कुछ नहीं और कुछ में हवा रहती है। इस बर्तन के चारों ओर क्या है? पुन:, कुछ नहीं, या शायद हवा। अब यदि आप इस बर्तन को तोड़ देते हैं, उसकी हवा उस बाह्य पक्ष में घुल जाती है और आप कोई अंतर नहीं देखते हैं। यहां बर्तन है माया। यह भ्रम रचते हुए असीम को सीमित से अलग करती है, कि वे असंबद्ध हैं, जब वे वास्तविकता में होते हैं तो वे एक होते हैं, वे एक हैं।

हर उस चीज को त्याग देना भयावह लग सकता है जिसे आप मानते और स्वीकारते आए हैं कि हम सपने के महज चरित्र हैं, और यह कि जो हम महसूस करते हैं, हम सचमुच महसूस नहीं करते हैं और जो हम देखते हैं, हम सचमुच नहीं देखते हैं। सवाल उठता है, व्यक्ति कैसे इस जागरूकता को हासिल करता है?

जैसा गुरू वशिष्ठ द्वारा समझाया गया कि इस ज्ञान का रास्ता मुक्ति या मोक्ष के दायरे के प्रवेशद्वार के चार द्वारपालों वाला है। ये द्वारपाल हैं आत्मसंयम, आत्मान्वेषण, संतुष्टि व अच्छी संगत। अनंत की खोज, अटल आजादी अपने मन की खोज के जरिए हासिल होती है क्योंकि ज्ञान में आत्मसंयम व शांति होती है। यह अनुष्ठानों, रीतियों व तीर्थयात्राओं से हासिल नहीं होती है। आत्मसंयम मन की खोज है जहां आप अपने भीतर झांक सकते हैं और जैसे हैं वैसे खुद को स्वीकार कर सकते हैं, अपने भीतर दिव्यता को देख सकते हैं। यह निर्भाव होने जैसा है, परानुभूति केसाथ समझौता किए बगैर। यदि कहीं शांति व स्थिरता है, तो वहां हमेशा क्रोध भी होगा और यही बात खुशी व दर्द के लिए लागू होती है। भावनाओं की उतार-चढ़ाव से तुलना नहीं की जा सकती। बैठने का उत्तम स्थान आधार के केन्द्र में है। यह उन लोगों के लिए सचमुच कठिन है जो लालसाओं के आगे हार मान लेते हैं और उनकी मांगों के आगे झुक जाते हैं। हालांकि, उचित प्रयास व मार्गदर्शन से यह प्रयास ऐसे अदभुत नतीजे प्राप्त कर सकता है जिन्हें केवल पांच इन्द्रियों द्वारा अनुभव नहीं किया जा सकता।

आत्म-पड़ताल या ज्ञान अज्ञान और भ्रम को दूर करने की एक प्रक्रिया है। जैसे ही स्पष्टता होती है, वे दुनिया में चल रहे घटनाचक्र के प्रभाव से मुक्त हो जाते हैं। आप शांति व परमानंद पाते हैं- शांति क्योंकि कुछ भी आपको स्पर्श नहीं करता है और परमानंद क्योंकि हृदय सत्य का अनुभव करता है। यह पड़ताल है जो भ्रम व आसक्ति से आजादी देती है। उभरने वाली जिज्ञासा की कोई सीमा नहीं होती है जब आप अपने भीतर झांकते हैं और अपने भीतर दिव्यता को पहचानने लगते हैं। सबसे बड़ा सवाल जिसका आप उत्तर जानना चाहते हैं वो है ''मैं कौन हूं? ''- आप परम चेतना है और परम चेतना आप है। लेकिन यह बहस किसी और समय के लिए।

आत्म पूछताछ या ज्ञान अज्ञान और भ्रम को दूर करने की एक प्रक्रिया है। एक बार स्पष्ट हो जाने के बाद, वे दुनिया में जाने वाले लोगों से अप्रभावित हैं। आप शांति और आनंद पाते हैं। शांति क्योंकि कुछ भी आपको छूता नहीं है और आनंदित होता है क्योंकि हृदय सत्य का अनुभव करता है

उचित, बुद्धिमान व जागरूक लोगों की संगत बुद्धि का विस्तार करती है इससे आपकी अज्ञानता व मनोवैज्ञानिक बेचैनी दूर होने में सहायता होती है। हालांकि सत्य को असलियत में समझने और इसे लंबे समय तक महसूस करने में समय लगता है, मगर प्रेरणादायी चर्चाएं हमारे मन को खुला व उदार रखती हैं। कहते हैं कि सत्संग कल्याणकार्य, आत्मसंयम, तीर्थयात्रा और धार्मिक अनुष्ठान कराने आदि सभी प्रकार की धार्मिक गतिविधियों से श्रेष्ठ है।

यह उपरोक्त सभी चारों द्वारपालों को हासिल करने की महत्वपूर्ण इच्छा व दक्षता की मांग करती है। आप जैसे ही इस मार्ग पर चलेंगे उसी क्षण महसूस करेंगे कि हर चीज आपके लिए एक साथ आने लगी है, सिर्फएक आरे की संरचना के बतौर एक पहले उसके भीतर के टुकड़ों को पता लगाने में सहायता करती है। इसके बावजूद, दुर्भाग्यवश, ये द्वारपाल बिना किसी गारंटी के आते हैं यहां तक कि वे सही दिशा में आपकी यात्रा का आश्वासन देते हैं- इसलिए ऐतिहासिक पड़ाव की अनुपस्थिति में, कम से कम आपके पास एक कम्पास होगा। यह मार्ग आस्था, दृढ़ता और स्वीकार्यता में से एक है।

लेकिन किसी भी द्वारपाल को हासिल करने का पहला चरण यह है माया की अवधारणा को पहचाना जाए। एक आसान रास्ता है या, आप कहते हैं: हर रोज जैसे ही आप दिन की शुरूआत करते हैं आप कहते हैं, '' शुभ प्रभात, माया '', यह जानना कि जो भी आपका पीछा करता है वो सारा माया में मौजूद रहेगा। जैसे ही आप अपने दिन की ओर अग्रसर होते हैं, हर बार आप भारी जागरूकता हासिल करते हैं, और याद रखें कि आप माया में रह रहे हैं, इसे खुल कर कहें, '' ओह, माया एक बार फिर ''। हर बार ऐसा करने से आप खुद को भावनाओं में लिपटा भी पाते हैं। जैसे जैसे समय बीतता है, और यदि आप यह गंभीरता से करते हैं, तो आप माया के भीतर दिन में सौ बारे खुद को अपने अस्तित्व के प्रति जागरूक पाएंगे, यह आदत बन जाती हैं, आपके रोजमर्रा जीवन का भाग।

जैसा कि यह जीवन में हर चीज के लिए है, आपको माया से परे दायरे में विश्वास करना होगा ताकि आप इसे पहचानने में सक्षम हो सकें, कोई भी अधूरा घर नहीं है। यह कहना आसान है, करना कठिन । क्योंकि आप सभी जानते हैं कि यह बच्चों केलिए सोने की'' किसी और समय जन्म लेने की कहानी हो सकती है। एक कहानी शायद आप इसे हूबहू देख सकें, फिर भी, यह उपन्यास से बहुत परे है। फिर भी धर्मग्रंथों में भी, वे उसमें कारक हैं, वे जो अज्ञानता में रह रहे हैं, वे सीखने को खारिज कर सकते हैं। और इसलिए मैं आपसे कहता हूं कि उनके अनुभव पर भरोसा करें और अपनी यात्रा पर निकल जाएं, फिर अपने अंतर्बोध पर भरोसा करें। अपने भीतर होने वाले सूक्ष्म बदलावों के प्रति सजग रहें- शायद कुछ संयोग, आवेग जो पारंपरिक तर्क या आचरणगत बदलाव को खारिज करते हैं, शायद किसी संदर्भ के बिना या अप्रत्याशित तौर पर उभरते हैं। उन शैलियों पर ध्यान दें, जो प्रत्यक्षतया बेतरतीज घटनाओं के बीच संबंध बनाती हैं और आप जानेंगे कि आप सही मार्ग पर हो।

- लेखक हिंगोरी सूत्र सीरीज आफ स्प्रिचुअल बुक्स के लेखक हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

संकट के अंतिम पड़ाव पर हैं हम

कोरोना वायरस के साथ रहना अब कुछ महीनों से तथा अनेक प्रस्तावित समाधानों के बावजूद हमारे जीवन का हिस्सा बन गया है, पर यह सवाल कि महामारी से कैसे निपटा जाए अभी भी अनुत्तरित है। लेकिन एक बात जिसे हम सभी को मानना होगा कि यह निश्चित रूप से समापन की ओर जा रही है। और संभवतया अगले कुछ महीनों में। यही वो उम्मीद है जिसे पोषित करना होगा भले ही खबरें बताती हों कि दूसरी या तीसरी या कोई और लहर आने को है।

हां, हम सभी उस अंतिम हद तक पहुंच गए हैं और यह एक चिंताजनक रूझान है। पहले ही हम अनेक लोगों द्वारा उठाए गए चिंताजनक कदमों को देख रहे हैं क्योंकि बेचैनियां उस सोच पर भारी पड़ रही हैं। अत्यंत मामूली बात भी अनेक मामलों में विस्फोट की ओर ले जाती है। हमें जो याद रखना चाहिए वो यह कि यद्यपि हमारा धैर्य चुक रहा है, मगर यही वो चीज है जिसकी हमें इस कठिन दौर में टिके रहने के लिए आवश्यकता है। अगर हमारा दिमाग अड़ियल भी हो रहा है तो अधिकतम धैर्य रखने की जरूरत है। मन एक मसला है और हमें मन को साधना पड़ेगा। हमारी स्थिति लंबी दूरी वाले धावक के अपने अंतिम पड़ाव पर होने जैसी है। यही वो अंतिम मुकाम है जो सबसे ज्यादा बेचैनी पैदा करता है और इस बेचैनी से पार पाना जीत हासिल करने की सबसे महत्वपूर्ण शर्त है। यदि हम अंतिम पड़ाव पर अपना धैर्य खो देते हैं और परेशान होकर कुछ अनचाहा कर बैठते हैं तो हमारी पराजित तय है। यही हो रहा है। बैचेनी में आकर, लोग सारी सावधानियां हवा में उछाल रहे हैं। यह समझना होगा कि इस अंतिम पड़ाव में अधिकतम सावधानी की आवश्यकता है। जीवनशैलीगत उलटफेर, जो कुछ ज्यादा लंबा खिंच गया, अब कगार पर पहुंच गया है। हालांकि त्योहार का सीजन हमें इस मामले से बाहर निकलने के लिए उकसाता है, मगर अंतिम चरण अत्यधिक सावधानी की मांग करता है। मंत्र फिर यह होना चाहिए कि वर्तमान दौर में इसे सावधानी से मनाया जाए। जैसा कि सड़कों व गलियों में भारी भीड़ हो रही है। सामाजिक दूरी दांव पर लग गयी है। लोग झुंड में निकल रहे हैं और मास्क पहनना एक भुली हुई आदत सा नजर आता है। यह महंगा साबित हो सकता है।

जिन सावधानियों का महामारी के शुरूआती दिनों में हम पालन कर रहे थे, अभी भी उनका पालन करने की जरूरत है, बल्कि, और भी ज्यादा। लापरवाही खतरनाक हो सकती है। इंसानी धैर्य की परीक्षा होने जा रही है। यह धैर्य आस्था से आता है। आस्था जो हमें बचाएगी। ऐसा लगता है मानो लोग आस्था खो रहे है और बेपरवाही को गले लगा रहे हैं। यह सिर्फ किसी एक के जीवन का सवाल नहीं है। यह दूसरों के जीवन को तहस नहस करने जा रहा है। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ना रणनीति से कहीं ज्यादा जद्दोजहद का युद्ध है, व्यवहारिकता आवश्यक है। युद्ध को सहज रूप से जीता जा सकता है, वो है दृढ़ता के साथ मुकाबला किया जाए। सच, मौजूदा पीढ़ी ने ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया है, लेकिन यह कोई कारण नहीं है कि मानसिक दृढ़ता हासिल न की जाए। हमारी जीवनशैली पिछले कुछ दशकों में जबरदस्त ढंग से बदली है। जैसा कि हम हर चीज ठेके पर दे दी है, हमारा कायांतरण, इंसानों से लेकर टेलीविजन दौर के सामने समय गंवाना, कंम्यूटर युग के माउस के इर्दगिर्द सिमटे रहना और फिर सोशल मीडिया में डूबे आलसियों में बदल जाना, अब पूरा हो गया है। मानवता का एक बड़ा हिस्सा बुनियादी समस्या समाधान योग्यताओं को भूल गया है, चिंतनशील मन लेशमात्र रह गया है। मामूली समस्याएं अब बड़ी लगने लगी हैं। यह पुनर्खोज का समय है, बल्कि इंसानी क्षमता तथा संकट में जूझने की कला का अभ्यास करने की पुनर्खोज। कठिनाई आने पर धैर्य होना उत्तम समाधान है। विकेट पर टिके रहने का गुण अच्छे क्रिकेट खिलाड़ी अपनाते थे जब स्थिति संकट में होती थी। आखिरकार, जीवन एक टेस्ट मैच है, टी-20 मैच नहीं। इसलिए रक्षात्मक ढंग से खेलें, बैकफुट पर जाकर।

क्यूं देखें ज़िंदगी को किसी की नजर से हम!

महेन्द्र पाल

दोस्तों, हम एक बार फिर से नये साल के शुरुआती पड़ाव पर हैं। हमेशा की तरह हमने एक बार फिर से नए सपने बुने होंगे, नयी चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने का फैसला किया होगा। तमाम पुरानी गलतियों को न दोहराने और अपने लक्ष्यों का अधिक परिपक्वता के साथ चुनाव करने का संकल्प लिया होगा। दरअसल यह खुद को एक मनौवैज्ञानिक अवसर प्रदान करने वाला मौका ही है, जिसके लिए हर व्यक्ति स्वयं अपने लिए कुछ फैसले करता है और भावी वर्ष के दौरान उन लिए गए फैसलों के मुताबिक जीवन को नयी दिशा देने का प्रयास करता है। जो कि एक अच्छी बात है क्योंकि जीवन, उद्देश्यों के बिना, एक नीरस परिपाटी बनकर रह जाता है। बिना सपनों के , बिना लक्ष्यों के व्यक्ति स्वयं को जीवन जीने के लिए भी प्रेरित नहीं कर पाता।

ये सपने ही हैं जो उसमें उसकी रचनात्मक भूमिका का अहसास जगाते हैं। व्यक्ति में खुद को नए ढंग से परखने व तौलने का हौंसला भरते हैं। उसके भीतर की निराशा व अवसाद की चादर चीरते हैं और भीतर सुस्त सोए हुए, आसमान की बुलंदियां छूने वाले, पितरैल पंछी को जगाते हैं। यह नया साल अपने भीतर के पितरैल पंछी को फिर से जगाने का अवसर बनता है। लेकिन इसे जगाने के लिए व्यक्ति को तार्किक ढंग से न सिर्फ अपने बारे में , बल्कि अपने परिवेश, अपने हालात के बारे में विचार करना अनिवार्य होता है। उसे अपनी खूबियों व खामियों के साथ, अपनी रुचियों व अरुचियों से भी बखूबी परिचित होना जरूरी होता है। क्योंकि मन के पितरैल पंछी को इसी से नयी ऊंचाइयां पाने का हौंसला मिलता है उसे अपने लक्ष्य के चुनाव में स्पष्टता हासिल होती है। और जब लक्ष्य स्पष्ट हो, और वहां तक पहुंचने का माध्यम व मुकम्मल तैयारी हो तो लक्ष्य कैसा भी हो, असंभव नहीं रह जाता।

ये सपने ही हैं जो उसमें उसकी रचनात्मक भूमिका का अहसास जगाते हैं। व्यक्ति में खुद को नए ढंग से परखने व तौलने का हौंसला भरते हैं। उसके भीतर की निराशा व अवसाद की चादर चीरते हैं और भीतर सुस्त सोए हुए, आसमान की बुलंदियां छूने वाले, पितरैल पंछी को जगाते हैं। यह नया साल अपने भीतर के पितरैल पंछी को फिर से जगाने का अवसर बनता है। लेकिन इसे जगाने के लिए व्यक्ति को तार्किक ढंग से न सिर्फ अपने बारे में , बल्कि अपने परिवेश, अपने हालात के बारे में विचार करना अनिवार्य होता है।

हालांकि यह भी यह हकीकत है कि यूं तो हर कोई इस मौके पर खुद के लिए कुछ फैसले करता है और उन पर अमल करने की हिम्मत भी जुटाता है लेकिन यह भी आम तौर पर दिखता एक निर्विविवाद तथ्य है कि अधिकांश लोग लक्ष्यविहीन से नजर आते हैं। उनसे पूछो कि जीवन में क्या करना हैं तो वे अवाक निगाहों से पूछते हैं कि ये कैसा सवाल है? यानी अधिकांश लोग खुद को एक तयशुदा परिपाटी से संचालित जीवन से बांधे नजर आते हैं। यानी अगर इंटर बीए या बीई या बीटेक कर लिया तो ख्वाहिश बस इतनी कि कैसे करके कोई अच्छी नौकरी मिल जाए। कभी इस बात पर विचार नहीं होता कि अब तक के हासिल किये गए ज्ञान के दौरान उठने वाले विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के जवाब कैसे तलाशे जाएं? सारी जद्दोजहद सिर्फ नौकरी पाने तक सीमित रह जाती है। और नौकरी भी कैसी जिसमें पहले से हासिल ज्ञान की कोई अहम भूमिका नहीं होती। मात्र इसके कि वो सारा ज्ञान सिर्फ नौकरी के लिए अनिवार्य शर्त मात्र होता है। इसमें एक विशेष प्रकार का कार्यविशेष संबंधी तकनीकी प्रशिक्षण शामिल होता है।

किसी को यह बात काल्पनिक या अजीब लग सकती है कि इस बात पर विचार होना चाहिए कि जीवन का लक्ष्य हमेशा वही टिकाऊ होता है जिसमें इंसान की अपनी आत्मा संतुष्ट होती है, जहां उसकी ख्वाहिशों को नया आसमान हासिल होता है। जहां उसकी कल्पना को नए पंख मिलते हैं। इसलिए लक्ष्य का चयन करना एक अत्यंत गंभीर फैसला होता है जिस पर जीवन का पूरा दारोमदार टिका होता है। जो इंसान के भविष्य की नींव निर्धारित करता है कि वह कमजोर होगी या मजबूत।

इसलिए लक्ष्य का चुनाव और उस तक पहुंचने में निवेश किया गया समय व प्रयास सिर्फ स्वयं की पड़ताल के आधार पर निर्धारित करने की जरूरत है। उसे दूसरों की नकल या अनुकरण के आधार पर चुना नहीं जाना चाहिए। अपने सपने अपनी आंखों से देखे जाने चाहिए। या मशहूर शायर साहिर के शेर के मुताबिक अपने लक्ष्य कुछ इस प्रकार बुने जाने चाहिए-

ले दे के अपने पास इक ही नज़र तो है!
क्यूं देखें ज़िंदगी को किसी की नजर से हम !!

पायनियर
एजेण्डा

महामारी किसी के लिए भी आसान नहीं रही है, खासकर बच्चों के लिए, जो हिंसा के लिए अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। हम सतर्क रहकर और उनकी रक्षा करके इसे रोक सकते हैं।

- आयुष्मान खुराना

सूर्य उपासना के चार दिवसीय डाला छठ व्रत का हुआ समापन

छठी मइया के गीतों से गूंजा भागीरथी का तट, उगते सूर्य को दिया व्रतियों ने अर्घ्य

सुशील कुमार मिश्र–वाराणसी

महापर्व छठ की छटा चारों ओर छा चुकी है। वैश्विक महामारी कोरोना पर आस्था भारी पड़ा। शनिवार को नदियों, पोखरों, तालाबों सहित विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई।शनिवार को सुबह उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य दिया गया इसके बाद

- **वैश्विक महामारी कोरोना पर भारी पड़ी महापर्व की आस्था, घाटों पर उमड़े श्रद्धालु**
- **प्रहलादघाट पर अर्घ्य के दौरान युवती के गले से चेन हुई गायब**

व्रतियों ने घाटों पर बने वदियों के पास हवन-पूजन कर छठ का प्रसाद वितरण किया गया। अर्घ्य देने के लिए श्रद्धालुओं की आस्था देखा गया।इस दौरान प्रहलादघाट पर शनिवार को अर्घ्य के दौरान सेवईमंडी निवासी एक युवती का चैन स्नैचरों ने गले से सोने की चेन मारकर भाग निकले। जब तक युवती सोचती की गले का चैन कहॉ गया तब 'चैन स्नैचर' सोने की चैन लेकर निकल लिया।

महिलाओं ने घरों या मोहल्लों में ही कृत्रिम कुंड में खड़े होकर भगवान भाष्कर की उपासना और गंगा मईया को दीप अर्पित किया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के घाटों पर भी छठ मईया के गीत गूंजते रहे। व्रती महिलाओं के साथ युवतियों ने खूब सेल्फी ली। घाटों पर सुरक्षा की व्यवस्था मुकम्मल रही।

उदयाचल सूर्य को अर्घ्य के पहले तड़के नदियों के घाट और सरोवर पर महिलाओं ने रतजगा करते हुए छठी मैया के गीत गाये। तड़के सूर्योदय की बेला से पूर्व वेदी के पास पूजन और सूर्योपासना के अनुष्ठान के बीच गूंजते छठी मैया के गीतों ने जान्हवी तट को आध्यात्मिकता से सराबोर कर दिया।

पुरबिया पर्व डाला छठ का सूर्योदय के अर्घ्य के साथ 36 घंटे के महाव्रत का समापन हो गया। व्रत के समापन के बाद व्रति महिलाओं ने गुड़ और अदरक खा कर व्रत का पारण किया। इसके बाद ठोकवा और खजूर का प्रसाद वितरण शुरू हुआ। अर्घ्य के बाद सुहागिन महिलाएं व्रति महिलाओं से अपनी मांग भरवा रही थीं और पैर छू कर आशीर्वाद ले रहीं थीं। महिलाओं ने अपना खोइछा भी भरवाया। खरना और नहाय खाय के बाद उगते सूर्य को उग हे सूरज देव और कांचहि बांस के बहंगिया बहँगी लचकत जाए... आदि के गीतों से जान्हवी तट गूंजता रहा। छठ की पूजा में महिलाओं ने नदियों और तालाब में खड़ी होकर सूर्य को अर्घ्य देकर पति व संतान की लंबी उम्र की कामना करते हुए पूजा अर्चना किया। व्रती महिलाओं ने अन्य महिलाओं को सिंदूर लगाकर परंपरा के अनुसार पूजा को संपन्न किया। मान्यता है कि जितना लंबा सिंदूर लगता है उतनी ही लंबी पति व संतान की उम्र होती है। वहीं घातों पर सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए चारों तरफसुरक्षा कर्मी और जल पुलिस की तैनाती रही।इस तरह सूर्योपासना का छठ पर्व का कठिन व्रत पूर्ण कर व्रतियों ने मंगलकामना की और अखंड सौभाग्य सूर्य देव और छठी मैया से मांगा। गीतों संग छठ व्रत का पारण कर व्रती घर लौटे और प्रसाद वितरण कर लंबी उम्र का आशीष संतानों को दिया।

साईं सेवा समिति ने की श्रद्धालुओं की सेवा

वाराणसी। प्रहलादघाट स्थित घाट पर सूर्य उपासना के महापर्व डाला छठ व्रत के अवसर पर साईं सेवा समिति के अध्यक्ष गौतम श्रीवास्तव के नेतृत्व में श्रद्धालुओं को निःशुल्क चाय, काफी, पूजन के लिए दूध आदि का निःशुल्क वितरण किया गया। भाजपा के वरिष्ठ नेता पं. अशोक तिवारी ने साईं सेवा समिति के दो दिवसीय शिविर में हजारों श्रद्धालुओं का सहयोग किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष गौतम श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता रोशन कुमार गुप्ता ने शनिवार को घाट पर पं. अशोक तिवारी एवं वरिष्ठ पत्रकार सुशील कुमार मिश्र को माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। इसके साथ ही घाट पर बिछड़े छोटे़ बच्चे को मिलाया भी गया। शिविर में सौरभ श्रीवास्तव, अश्वनी साहनी, बबलू गुप्ता, मयंक श्रीवास्तव, विवके कुमार, अजय साहनी, दिलीप कुमार, अमित कुमार तिवारी उर्फबंटी सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूट्यूबर ने अक्षय कुमार के 500 करोड़ की मानहानि नोटिस क किया विरोध

मुम्बई। यूट्यूबर राशिद सिद्दीकी ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में अक्षय कुमार द्वारा भेजे गए मानहानि के नोटिस का विरोध करते हुए अभिनेता द्वारा मांगी गई 500 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति को अनुचित बताया है।

सिद्दीकी ने कहा कि उनके वीडियो में कुछ भी मानहानिकारक नहीं है। साथ ही अक्षय कुमार से यह नोटिस वापस लेने का आग्रह भी किया और ऐसा ना करने पर उन्होंने अभिनेता के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही शुरू करने की बात भी कही।

कुमार ने सिद्दीकी को 17 नवंबर को भेजे गए मानहानि के नोटिस में राजपूत की मौत के मामले में उनके खिलाफ झूठे और निराधार आरोप लगाने के लिए 500 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति की मांग की थी। कुमार ने लॉ फर्म आई सी लीगल के जरिए भेजे गए नोटिस में कहा था कि राशिद सिद्दीकी ने अपने यूट्यूब चैनल एफ एफ न्यूज पर उनके खिलाफ कई मानहानिकारक और अपमानजनक वीडियो डाले हैं। सिद्दीकी ने अपने वकील जे. पी. जैसवाल के जरिए शुक्रवार को नोटिस का जवाब देते हुए कहा कि अक्षय कुमार द्वारा लगाए गए आरोप झूठे, कष्टकारी और उत्पीड़क और उसे परेशान करने के इरादे से लगाए गए हैं। उसने कहा कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत के सिद्दीकी सहित कई पत्रकारों ने इस मामले पर खबरें दिखाईं थीं क्योंकि कई प्रभावशाली लोगों का नाम मामले से जुड़ा था और अन्य मीडिया चैनल सही जानकारी मुहैया नहीं करा रहे थे। अपने

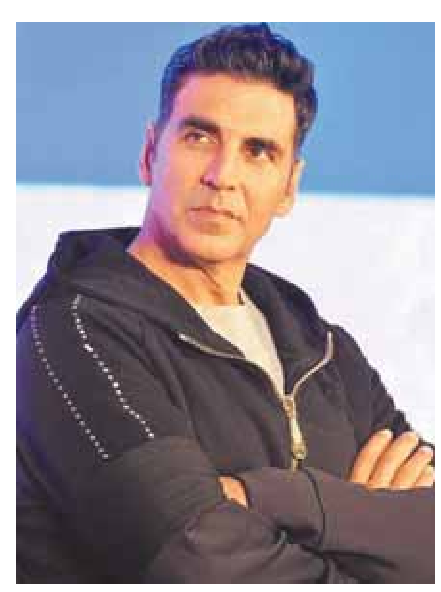

जवाब में सिद्दीकी ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भारतीय नागरिकों का मौलिक अधिकार है। जवाब में कहा गया है कि सिद्दीकी द्वारा जारी वीडियो को मानहानिकारक नहीं माना जा सकता और उसे निष्पक्षता के साथ किसी के नजरिए के तौर पर देखा जाना चाहिए। जवाब में कहा गया है, सिद्दीकी द्वारा दिखाई गई खबर सार्वजनिक पटल पर है और उन्होंने (सिद्दीकी) अन्य समाचार चैनलों को स्रोत के तौर पर भी दिखाया है। उन्होंने मानहानि नोटिस जारी करने में की गई देरी पर भी सवाल उठाए और कहा कि वीडियो अगस्त 2020 को अपलोड की गई थी। जवाब में कहा गया है, 500 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति की मांग अनुचित है और इसे केवल सिद्दीकी पर दबाव बनाने के इरादे से ही किया गया है। सिद्दीकी ने कुमार से नोटिस वापस लेने का आग्रह किया और ऐसा नहीं किए जाने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करने की बात कही। बिहार से नाता रखने वाले यूट्यूबर ने दावा किया कि अभिनेता ने उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया है।

मुम्बई पुलिस भी अपने, महाराष्ट्र सरकार और मंत्री आदित्य ठाकरे के खिलाफ मानहानिकारक, लोगों को गुमराह करने वाले और जानबूझकर अपमान करने से संबंधित विभिन्न पोस्ट के लिए सिद्दीकी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर चुकी है। मुंबई की एक अदालत ने तीन नवम्बर को सिद्दीकी को अग्रिम जमानत दे दी थी और उसे जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया था।

ज़ी टीवी ने लान्च किया अपने वीकेंड फैंटसी थ्रिलर ब्रह्मराक्षस का दूसरा सीजन

गत अक्टूबर के महीने में जिन लोगों ने भी ज़ी टीवी की एंटरटेनमेंट एक्सप्रेस की सवारी की थी, उन्हें भारत के तीन अलग-अलग हिस्सों की सैर कराई गई थी, जहां दर्शकों ने तीन नई कहानियों का लुत्फ उठाया। इन कहानियों ने भारत के उभरते मध्यम वर्ग और समाज में बदलते रिश्तों की नब्ज थाम ली है। जहां ज़ी टीवी पर ये तीन दिलचस्प कहानियां जारी हैं, वहीं ये ट्रेन अब अपने चौथे पड़ाव की ओर बढ़ रही

अपने जबर्दस्त सफल पहले सीजन के तीन साल बाद ब्रह्मराक्षस -2 शुरू हो रहा है, 22 नवंबर से हर शनिवार और रविवार रात 9 बजे

है। ज़ी टीवी अपने बेहद सफल और रोमांचक शो 'ब्रह्मराक्षस' के दूसरे दिलचस्प सीजन के साथ दर्शकों को एक काल्पनिक दुनिया में ले जाने को तैयार है। बालाजी टेलीफिल्म्स के निर्माण में बना यह शो, ब्रह्मराक्षस के बारे में प्रचलित लोककथाओं से प्रेरित एक अनोखी और दिलचस्प कहानी है, जिसमें वो अमर होने के इरादे से दोगुनी ताकत के साथ लौट आया है। इस शो का प्रीमियर 22 नवंबर 2020 को होगा और इसका प्रसारण हर शनिवार और रविवार रात 9 बजे किया जाएगा।

अंबाला की पृष्ठभूमि पर आधारित इस शो में कालिंदी नाम की एक साधारण लड़की का सफर दिखाया गया है, जिसकी किस्मत अब तक की सबसे खौफनाक शैतानी ताकतों में उलझ जाती है। असल में कालिंदी के अतीत में कुछ ऐसा है, जिसके कारण ब्रह्मराक्षस पूरी ताकत के साथ लौट आता है और अब वो कालिंदी के जरिए अमर होना चाहता है। उधर, कालिंदी की एकमात्र ताकत है अपने जीवनसाथी अंगद के प्रति उसका प्यार! जहां कालिंदी शैतानी दुनिया से गुजरते करते हुए अपनी सीधी-सादी जिंदगी के रास्ते पर चल रही है, वहीं अब उसे उन लोगों की रक्षा करने के लिए एक मुश्किल लड़ाई लड़नी होगी, जिनकी वो परवाह करती है!

इस शो में यंग और उत्साही एक्ट्रेस निक्की शर्मा, पक्के इरादों वाली कालिंदी का किरदार निभा रही हैं। 21 साल की कालिंदी का बड़ा साधारण-सा सपना है। वो अपना ग्रेजुएशन पूरा करके अपना मनपसंद जॉब पाना चाहती है। अपनी खूबसूरती और आकर्षण से अनजान कालिंदी, ऐसे किसी भी

अमीरज़ादे को तरजीह नहीं देती, जो उससे आकर्षित होते हैं। लेकिन फिर उसे अंगद से प्यार हो जाता है, जिसका किरदार बेहद टैलेंटेड और पॉपुलर टेलीविजन एक्टर पर्ल वी. पुरी निभा रहे हैं। कालिंदी के स्वभाव से अलग, अंगद एक सफल इंसान है, लेकिन साथ ही बड़ा दिलफेंक, अमीर और आकर्षक भी है, जिससे वो महिलाओं के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहता है। जब कालिंदी अंगद की जिंदगी में आती है, तो प्यार और जिंदगी के प्रति उसका नजरिया बदल जाता है। उधर कालिंदी की जिंदगी भी उस वक्त एक अलग मोड़ लेती है, जब उन दोनों की प्रेम कहानी के बीच शैतान ब्रह्मराक्षस आ जाता है। क्या कालिंदी ब्रह्मराक्षस के काले साए से अपने प्यार और अपनी जिंदगी को बचा पाएगी? जानने के लिए देखिए यह शो!

ज़ी टीवी की बिजनेस हेड अपर्णा भोसले ने कहा, ब्रह्मराक्षस के पहले सीजन को जबर्दस्त रिस्पॉन्स मिला क्योंकि ये दर्शकों को रहस्य और रोमांच की दुनिया में ले गया था। एक कॉन्सेप्ट के रूप में ब्रह्मराक्षस की लोककथाएं भारत में पीढ़ियों से चली आ रही हैं। जहां ब्रह्मराक्षस के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं, वहीं रिसर्च बताती है कि दर्शकों में इसके बारे में और ज्यादा जानने की उत्सुकता है क्योंकि लोग इस विषय को रोमांच, डर और खौफ से जोड़कर देखते हैं। यह हमें एक रोचक कहानी के साथ-साथ अच्छाई एवं बुराई का विचार प्रस्तुत करने के लिए एक बड़ा कैनवास देता है। इस वीकेंड थ्रिलर को पेश करने के लिए बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ जुड़कर हमें बेहद खुशी हो रही है। यह हमारे वीकेंड प्राइम टाइम में एक ताजगी भरा और दिलचस्प पहलू जोड़ देगा।

ज़ी टीवी के ब्रह्मराक्षस 2 में कालिंदी का किरदार निभाने जा रहीं निक्की शर्मा ने कहा, मैं पहली बार लीड रोल निभा रही हूं और चूंकि यह मौका मुझे अपने पहले थ्रिलर फैंटसी शो में मिला है, तो इससे मेरा उत्साह और बढ़ गया है। कालिंदी और मुझमें काफी समानताएं हैं और जहां मैं कई तरह से उससे जुड़ती हूं, वहीं मेरा मानना है कि इस रोल की अपनी चुनौतियां हैं। कालिंदी के किरदार के दो खास पहलू हैं - एक तो सीधी-सादी खूबसूरत लड़की है, जो करियर को लेकर महत्वकांक्षी है और अंगद से प्यार करती है। दूसरा यह कि ब्रह्मराक्षस का मुकाबला करने के लिए उसे अपनी अंदरूनी ताकत समेटना होगा। इस किरदार को सही ढंग से प्रस्तुत करने के लिए खास तरह की भावनाएं दिखाने की जरूरत है। मुझे इस किरदार की जिंदगी और उसके रहस्य में झांकने का इंतजार है। हमने इस शो के कुछ रोमांचक हिस्सों की शूटिंग की है, जो मुझे बहुत अच्छे लगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को भी यह शो जरूर पसंद आएगा।

ज़ी टीवी के ब्रह्मराक्षस 2 में अंगद का किरदार निभा रहे पर्ल वी. पुरी ने कहा, इस सीजन की कहानी बड़ी दिलचस्प है जिसमें मैं अंगद का किरदार निभाने को लेकर उत्साहित हूं। जहां ये मेरा तीसरा शो है, वहीं मुझे लगता है कि अंगद के किरदार की अपनी विचित्रताएं हैं। यह किरदार मेरे पिछले रोल्स से काफी अलग है। मैंने अभी अंगद का सफर शुरू ही किया है और मैं अपना नया रोल निभाने के लिए वाकई बहुत रोमांचित हूं। सच कहूं तो मुझे यह कहानी बड़ी दिलचस्प लगी और मैं उम्मीद करता हूं कि दूसरे सीजन को लेकर हमारे दर्शक भी उतने ही उत्सुक होंगे।

जब एक आम औरत सबसे ताकतवर शैतान के खिलाफ खड़ी होगी, तो क्या वो इस शैतान के खुद तक पहुंचने से पहले उसे मिटाने में सफल होगी?

ज्यादा जानने के लिए देखिए 'ब्रह्मराक्षस 2', 22 नवंबर से हर शनिवार और रविवार रात 9 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर।